धनबाद
मंगलवार 24.02.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-05 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-7
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

चंद्रशेखर अग्रवाल या संजीव सिंह किसके सर सजेगी मेयर की ताज

पार्टी के भीतरघात के कारण कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी समशेर आलम हुए पीछे ✪ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण हुआ चुनाव, जीत की मार्जिन इस बार घटेगी

गणेश मिश्रा

धनबाद : नगर निगम के मतदान संध्या ५ बजे समाप्त होने के बाद धनबाद नगर निगम क्षेत्र में पिछले निगम के चुनाव से कम मतदान का प्रतिशत रहा है। इस बार जिला प्रशासन द्वारा ४७ प्रतिशत मतदान की बात कही गई है। जिसका असर इस बार विजयी प्रत्याशी की मार्जिन वोट का कम हो जाएगा।

पिछले बार मेयर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ९५ हजार वोटों से चुनाव जीता था। इस बार २७ फरवरी को मतगणना के बाद जो भी विजयी प्रत्याशी होगा वह ६० से ७० हजार से अधिक मतों से नहीं जीत पाएगा। वोट बैलेट पेपर से पड़ने के कारण भी लोगों में देर से अपना मतदान किया है। दोपहर के बाद मतदान करने में महिलाएं आगे थी।

कतरास के बूथ नम्बर २ और ३ में लंबी लाईन देखने को मिली। वहीं सुशनीलेवा में पार्षद प्रत्याशी के भाई को लोगों ने खदेड़ कर पीटा। कई जगह नोकझोंक हुई।

बाघमारा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संजीव कुमार और भाजपा के बागी प्रत्याशी निर्दलीय पूर्व विधायक संजीव सिंह के बीच कांटे की टक्कर देखी गई है। वहीं बाजार में व्यापारियों का वोट चंद्रशेखर अग्रवाल को गया है।

वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में और कोलियरी क्षेत्रों में विधायक मथुरा महतो के अपील का असर दिखा और चंद्रशेखर अग्रवाल के पक्ष में जमकर मतदान हुआ है। झरिया, धनबाद, सिन्दरी में मुख्य टक्कर चंद्रशेखर अग्रवाल और संजीव सिंह के बीच में रहा है। तीसरे नम्बर पर शमशेर आलम को लोगों ने पसंद किया है। मतदाताओं ने नये प्रत्याशी संजीव कुमार के मिर्ची को चौथे नम्बर पर रखा है। कई जगहों पर उसके समर्थक नजर नहीं आये।

बिहार ऑबजर्वर अखबार के रिपोर्टरों की टीम ने पूरे नगर निगम चुनाव के मतदान की खबर मतदाताओं के अनुसार जो लाई है उसमें विजय का ताज संजीव सिंह या चंद्रशेखर अग्रवाल के सर सजेगा। पढ़े-लिखे और समझदार हर जाति-धर्म के लोगों ने बिस्कुट पर अपना मुहर लगाया है।

वहीं औद्योगिक क्षेत्र के युवाओं ने साथ ही सिन्दरी क्षेत्र के लोगों ने युवा क्रांतिकारी पूर्व विधायक संजीव सिंह के पक्ष में खुलकर मतदान किया है और वे दावा कर रहे हैं कि जीत का सेहरा हमारे नेता पूर्व विधायक संजीव सिंह के माथे पर सजेगा। वैसे मुस्लिम बाहुल क्षेत्रों में वोटों का तीन हिस्सों में बंटा है।

जेएमएम के समर्थन के कारण इस बार चंद्रशेखर अग्रवाल को भी वोट उपर कुल्ही चौथाई कुल्ही वासेपुर, इस्लामपुर, भागा, डिगवाडीह आदि क्षेत्रों में वोट मिलने की चर्चा है। वहीं दूसरे नम्बर पर मुस्लिम युवाओं ने खुलकर संजीव सिंह के समर्थन में वोट देकर जीत की बातें कर रहे हैं। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी शमशेर आलम के साथ भीतरघात उनके ही पार्टी के नेता और नेत्रियों ने किया है।

मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ दलितों और सामान्य वर्ग के वोट भी मिला है। भीतरघात नहीं होता तो वह सीधे टक्कर में हो सकते थे।

चर्चा है कि पूर्व विधायक संजीव सिंह की लोकप्रियता से घबराकर उनको हराने के लिए भाजपा के साथ जयचंदिया संधि किए जाने की चर्चा है लेकिन जनता उनके कहने पर मतदान केन्द्र में गई जरूर लेकिन वोट मिर्चा के जगह बिस्कुट को देकर अपना धर्म निभाया।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ किया मतदान, लोगों से की अपील

रांची (एर्जेंसी): सीएम हेमंत सोरेन ने नगर निकाय चुनाव के तहत सोमवार को रांची में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वे अपनी पत्नी कल्पना के साथ हरमू स्थित सेंट कुलदीप मिडिल हाई स्कूल के बूथ संख्या ७ पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कतार में खड़े मतदाताओं का अभिवादन भी किया। मतदान के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि हर एक वोट की अहमियत होती है और मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए।

इससे पहले मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। बूथ परिसर और आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मतदान प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित होती रही।

तमिलनाडु में कांग्रेस ने डीएमके से 45 सीटों की मांग की

नई दिल्ली (ईएमएस): तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडंकर और पीसीसी अध्यक्ष आज कनिमोझी से मिले। बैठक में कांग्रेस ने डीएमके से ४५ सीटों की मांग की है। कांग्रेस ने पिछली बार २५ सीटों पर चुनाव लड़ा था। २५ सीटों के अलावा, कांग्रेस डीएमके द्वारा पिछली बार हारी गई सीटों की सूची में से २० और सीटें चाहती है। डीएमके ने पिछली बार जिन १७३ सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से ४० सीटें हार गई थीं।

तेजस विमान का ब्रेक फेल

नई दिल्ली (ईएमएस): इंडियन एयर फोर्स का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना ७ फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है। विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब ३० सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर आईएएएफ की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है।

दिल्ली विधानसभा को बम ब्लास्ट की धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली विधानसभा भवन और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप के धमकी का ई-मेल भेजी गया है। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एर्जेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की जा रही है। बम स्काड और डॉग स्कॉड सर्च में जुटी हैं। फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्काड, डॉग स्कॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची।

पीएम मोदी के इजराइल दौरे पर डिर्फेंस डील संभव

भारत को मिलेगी आयरन डोम की तकनीक!

नई दिल्ली (ईएमएस): रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को अब तक की सबसे बड़ी मजबूती मिलने वाली है। इजराइल के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने संकेत दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देश अपने रक्षा समझौतों का विस्तार करेंगे। इस डील का सबसे अहम हिस्सा इजरायल की मशहूर आयरन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तकनीक का हस्तांतरण हो सकता है। इजराइली राजदूत यानिव रेवाच के अनुसार, यह केवल हथियारों की खरीद-बिक्री का सौदा नहीं होगा, बल्कि मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में ही इन प्रणालियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस समझौते को उन विशिष्ट विषयों तक ले जाना है जिसमें भारत में विनिर्माण और आयरन डोम जैसी तकनीकों को साझा करना शामिल है। यानिव रेवाच ने जोर देकर कहा कि भारत और इजरायल दोनों ही समान सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यानिव ने कहा इजरायल अपनी सुरक्षा प्रणालियों की तकनीक भारत के साथ साझा करने को तैयार है क्योंकि वह भारत को एक मजबूत और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार मानता है। यानिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस विशेष यात्रा के दौरान, हम इस समझौते का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं ताकि कुछ विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, जैसे कि भारत में निर्माण, रक्षा सहयोग और आयरन ▶▶ 8

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वकील पर नाराज हुए सीजेआई, सावधान रहें

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नाराज हो गए। बताया जा रहा हैं कि सीजेआई की नाराजगी की वजह वकील की ओर से पेश की गई दलील थी, जिसमें उन्होंने अदालत पर सुनवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। नौबत यहां तक आ गई कि सीजेआई ने वकील को दो टूक कहा कि वह अदालत में पेश होने और सामग्री पेश करने के दौरान सावधान रहें।

दरअसल वाकया सोमवार का है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का दौर चल रहा था। तभी एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्पारा की बात ▶▶ 8

पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन

कोलकाता (ईएमएस): पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और बंगाल के अनुभवी नेता मुकुल रॉय का लंबी बीमारी के बाद ७१ साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया।

मुकुल ने रविवार रात १:३० बजे कोलकाता के साल्ट लेक के अपोलो हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने इसकी पुष्टि की है। मुकुल रॉय ने २०१७ में तृणमूल कांग्रेस से दूरी बनाते हुए बीजेपी का दामन थाम लिया था।

२०२१ के विधानसभा चुनाव में वे भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए, लेकिन बाद में उसी साल जून में फिर तृणमूल कांग्रेस में लौट गए थे। मुकुल को ममता बनर्जी का बेहद करीबी माना जाता था, उन्हें बंगाल की राजनीति का चाणक्य कहा जाता था।

इच्छा शक्ति के बल पर कैंसर को मात

बच्चों ने दिखाया कैंसर को ठेंगा

नईदिल्ली (ईएमएस): एम्स दिल्ली और कैंसर इंस्टीट्यूट के निर्देशन में एक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में पिछले ५ साल में कैंसर से पीड़ित ९० फ़ीसदी बच्चों ने उपचार के बाद कैंसर से निजात पाई है।वहीं अध्ययन में यह भी प्रमाणित हुआ है। इच्छा शक्ति के बल पर कैंसर के रोगी, कैंसर के रोग को मात देने में सक्षम हैं।

इंडियन चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवल संस्था की स्थापना २०१६ में हुई थी। इसने देश की २० अस्पतालों के १८ साल से कम उम्र के ५४१९ रोगियों को अध्ययन में शामिल किया गया है।इलाज के दौरान ५१४० बच्चे जीवित हैं। यह पूरी तरह से कैंसर से मुक्त हैं।

विशेषज्ञों ने माना है,कैंसर का इलाज खत्म होने के बाद भी कई बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कुछ अन्य समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन कैंसर की बीमारी से ग्रस्त बच्चों के इलाज मे इसके परिणाम बहुत अच्छे रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है, कैंसर के विरुद्ध ▶▶ 8

40 हजार करोड़ की धोखाधड़ी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहत वापस ली

अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर सकेंगे बैंक

मुंबई (ईएमएस): रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक अब फ्रॉड घोषित कर सकेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्हें मिली राहत का आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने दिसंबर २०२५ में ४० हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में बैंकों को फॉड घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

एसबीआई ने एक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अंबानी के खातों को फ्रॉड की श्रेणी में डाल दिया गया था। अंबानी ने इस कार्रवाई को चुनौती दी। कहा कि बैंकों ने सुप्रीम कोर्ट के सिद्धांतों का पालन नहीं किया। दिसंबर २०२५ में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी के खातों को फ्रॉड घोषित करने पर रोक लगा दी।

जनवरी में बैंकों ने दी थी चुनौती

बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और आईडीबीआई बैंक ने जनवरी २०२६ में सिंगल बेंच के स्टे ऑर्डर को चुनौती दी थी। बैंकों का तर्क था कि वे फॉरेंसिक ऑडिट के आधार पर कार्रवाई करना चाहते हैं। अब बैंक कानून के मुताबिक आगे की कार्यवाही कर सकेंगे।

इसी महीने की शुरुआत में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने मामले की जांच में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों से पूछा था कि जांच में इतना वक्त क्यों लग रहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ईडी को एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने का आदेश दिया था ताकि ४०,००० करोड़ के इस कथित घोटाले की जांच में तेजी लाई जा सके।

पसमांदा मुस्लिमों को ओबीसी का दर्जा देने की याचिका खारिज

यह कोर्ट का काम नहीं, अदालत तय नहीं कर सकती श्रेणी:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने पसमांदा मुसलमानों को ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) में शामिल करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि किसी नई जाति या समुदाय को आरक्षण की सूची में डालना सरकार और संसद का काम है, अदालत का नहीं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि पसमांदा मुसलमानों को भी ओबीसी के समान आरक्षण मिलना चाहिए। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आप हमसे कानून बनाने के लिए कह रहे हैं। आप चाहते हैं कि हम मुसलमानों के एक विशेष वर्ग या श्रेणी को ओबीसी में शामिल करने पर विचार करें। कोर्ट ने बताया कि ओबीसी का दर्जा सिर्फ जाति के आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक कारकों के आधार पर तय होता है।

अदालत ने आगे बताया कि न्यायपालिका ये तय करने की स्थिति में नहीं है कि मुसलमानों की कौन-सी श्रेणी पिछड़ी है और कौन सी नहीं। सीजेआई ने पूछा, आप ये कहना चाह रहे हैं कि मुसलमानों की एक श्रेणी पिछड़ी है और दूसरी नहीं, हम ये कैसे तय कर सकते हैं? पसमांदा मुस्लिम समुदाय उन जातियों ▶▶ 8

मिनी बिजली घर, वेन के आकार का 5000 घरों को बिजली सप्लाई

नईदिल्ली (ईएमएस): अमेरिका के रक्षा और ऊर्जा विभाग द्वारा एक परमाणु संयंत्र का निर्माण किया गया है। इसका आकार मिनी वैन के बराबर है। इसे हवाई जहाज या अन्य माध्यम से कहीं पर भी ले जाया जा सकता है। यह परमाणु बिजली घर, सेना और दुर्गम स्थलों के लिए बड़ा उपयोगी है।जहां पर बिजली की लाइन नहीं पहुंच सकती है। वहां पर इस तरह के परमाणु संयंत्र के माध्यम से एक समय में ५००० घरों मैं उपयोग में आने वाली बिजली पैदा की जा सकती है।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है, छोटे परमाणु रिएक्टर रेडियोधर्मी कचरा पैदा करेंगे। उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। अमेरिका ने हाल ही में इस मिनी परमाणु संयंत्र को हवाई जहाज के जरिए कैलिफोर्निया से यूटा भेजकर इस चुनौती को पूरा किया है। यह माइक्रो रिएक्टर एक समय में ५ मेगावाट तक बिजली पैदा कर सकता है। जिससे ५००० घरों की बिजली आपूर्ति संभव हो सकती है। यह पारंपरिक डीजल जनरेटर का एक बेहतर विकल्प बताया जा रहा है।

अमेरिका का ऊर्जा विभाग रेडियोधर्मी कचरे से निपटने के लिए उपाय कर रहा है। २०२७ तक आम जनता के लिए मिनी परमाणु संयंत्र उपलब्ध कराने की नीति पर काम किया जा रहा है।अभी तीन रिएक्टर प्रायोगिक रूप से स्थापित किए जाएंगे।

सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला आज पीड़ा में है

पीएम मोदी ने बंगाल के मतदाताओं को लिखा खुला पत्र कहा- 'एबार भाजपा सरकार'

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को एक खुला पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया है। 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए पीएम मोदी ने राज्य की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई और 'सोनार बंगाल' के निर्माण का संकल्प दोहराया। पत्र की शुरुआत जय मां काली से करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि आने वाले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल का भविष्य तय होगा और यह फैसला मतदाताओं के हाथ में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि मेरे सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला आज पीड़ा में है और राज्य की वर्तमान परिस्थितियों ने उन्हें भी व्यथित किया है। पीएम मोदी ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल में करीब ५ करोड़ लोग जन-धन योजना से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत ८५ लाख शौचालय बनाए गए, जबकि छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को २.८२ लाख करोड़ का ऋण दिया गया।

उन्होंने अटल पेंशन योजना के तहत ५६ लाख वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलने और उज्ज्वला योजना के जरिए एक करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन दिए जाने का जिक्र किया। पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि के जरिए ५२ लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दिए जाने की भी बात कही। पत्र में पीएम मोनी ने आरोप लगाया कि राज्य में रोजगार के अभाव में युवा पलायन कर रहे हैं और महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद औद्योगिक विकास में अग्रणी रहा पश्चिम बंगाल अब कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पिछड़ गया है।

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंद, ऋषि अरविंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस बंगाल ने देश को दिशा दी, वह आज हिंसा और अव्यवस्था से जूझ रहा है। उन्होंने अवैध घुसपैठ और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को घेरा।

अपने पत्र के आखिर में पीएम मोदी ने लिखा कि अब परिवर्तन अनिवार्य है और पश्चिम बंगाल भी देश के अन्य राज्यों की तरह विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा और रोजगार के अवसरों का हकदार है। उन्होंने मतदाताओं से सोच-समझकर निर्णय लेने की अपील की।

संपादकीय

गलगोटिया विवि की चूक या सरकार की जल्दबाजी?

नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता सम्मेलन में प्रस्तुत एक रोबोटिक मॉडल ने भारत की तकनीकी विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और सरकारी सत्यापन प्रणाली पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मंच पर प्रदर्शित रोबोट को भारत की स्वदेशी तकनीकी क्षमता का प्रतीक बताते हुए इसे देश के नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय आई.टी. मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस तकनीक की सराहना करते हुए इसे भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति का उदाहरण बताया। उस समय यह संदेश दिया गया कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नवप्रवर्तक भी बन चुका है।

लेकिन जैसे-जैसे इस मॉडल के तकनीकी पहलुओं का विश्लेषण सामने आया, कई विशेषज्ञों ने यह संकेत दिया कि रोबोट पूरी तरह स्वायत्त नहीं था और संभवतः बाहरी नियंत्रण या पूर्व निर्धारित प्रोग्रामिंग पर आधारित था। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक हो गया कि क्या इस तकनीक को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से पहले पर्याप्त तकनीकी सत्यापन किया गया था या नहीं?

भारत में किसी भी नई तकनीक, मशीन या मॉडल को कानूनी रूप से पेटेंट देने का अधिकार केवल इंडियन पेटेंट ऑफिस के पास होता है, जो डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन आफ इंडस्ट्री एंड इंटर्नल ट्रेड के अधीन कार्य करता है। जब तक किसी मॉडल को पेटेंट नहीं मिलता, तब तक उसे पूर्ण रूप से प्रमाणित स्वदेशी नवाचार नहीं माना जाता। यदि इस रोबोटिक मॉडल को पेटेंट नहीं मिला था या उसका आवेदन लंबित था, तो इसे राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना तकनीकी प्रक्रिया की दृष्टि से समयपूर्व माना जा सकता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर भी जब कोई छात्र या शोधकर्ता नया मॉडल विकसित करता है, तो सबसे पहले विश्वविद्यालय का रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट या इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी सैल उसकी जांच करता है। यदि मॉडल सभी मानकों पर खरा उतरता है, तभी उसे पेटेंट प्रदान किया जाता है। इस स्थिति में यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि संबंधित मॉडल को पेटेंट या सरकारी तकनीकी मान्यता प्राप्त थी या नहीं। यदि किसी तकनीक को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो सामान्यतः मिनिस्ट्री ऑफ इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी तथा साइंस एंड टैक्नोलॉजी विभाग जैसे संस्थान उसकी तकनीकी प्रामाणिकता की जांच करते हैं। यदि यह जांच पूरी तरह नहीं हुई और केवल संस्थान के दावे के आधार पर उसे राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर दिया गया, तो यह संस्थागत समन्वय की कमी को दर्शाता है। इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय मंच केवल तकनीकी प्रदर्शन के लिए नहीं होते, बल्कि वे देश की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे मंचों पर प्रस्तुत हर तकनीक केवल एक मॉडल नहीं होती, बल्कि वह देश की वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक बन जाती है। यदि उसमें किसी प्रकार की विसंगति सामने आती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर देश की छवि पर पड़ता है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब भारतीय वैज्ञानिक और इंजीनियर विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। लेकिन तकनीकी नेतृत्व केवल नवाचार से नहीं, बल्कि उसकी प्रामाणिकता और पारदर्शिता से भी स्थापित होता है। यदि यह केवल विश्वविद्यालय स्तर की प्रस्तुति थी, तो इसे उसी स्तर तक सीमित रखना चाहिए था। और यदि इसे राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो उसकी पूर्ण तकनीकी जांच सुनिश्चित करना संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी थी। भारत के पास प्रतिभा, संसाधन और क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हर उपलब्धि को प्रामाणिकता और ईमानदारी के साथ प्रस्तुत किया जाए। यही दृष्टिकोण भारत को न केवल तकनीकी रूप से मजबूत बनाएगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक विश्वसनीय और सम्मानित तकनीकी राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।-

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्रियों की आमद

डॉ. रमेश ठाकुर

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिढ़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे। लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझबूझता से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई, बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है। गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निदंनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है। हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया।

आज का कार्टून

ऑपरेशन सिंदूर में 11 विमान गिरे थे, ट्रंप का नाम लेकर अखिलेश का बीजेपी पर हमला

विदेश गए बच्चे, अकेले रह गए माता-पिता...

> इसके बावजूद इस प्रस्ताव की व्यावहारिकता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यदि सरकार इस तरह के प्रावधान लागू करती है, तो विदेश मंत्रालय को एनआरआइ से जुड़े डेटाबेस को मजबूत करना होगा, भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रमाण पत्र सत्यापन की व्यवस्था करनी होगी और शिकायतों के लिए एक तंत्र बनाना होगा। यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है, लेकिन डिजिटल प्रणाली और आधार जैसी सुविधाओं से इसे संभव बनाया जा सकता है। मिसाल के तौर पर माता-पिता एक आनलाइन पोर्टल पर प्रमाण पत्र दर्ज कर सकते हैं या दूतावास में जमा कर सकते हैं। यदि प्रमाण पत्र नहीं मिलता है, तो पासपोर्ट नवीनीकरण रुक सकता है या यात्रा प्रतिबंध लग सकता है। यह कदम युवाओं को अपने माता-पिता से नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा और उनकी सुरक्षा का एहसास दिलाता रहेगा।

जगदीप सिंह

भारतीय समाज में परिवार की संरचना और मूल्यों का आधार माता-पिता की देखभाल एवं सम्मान रहा है। मगर आधुनिक समय में वैश्वीकरण, बेहतर शिक्षा और अच्छे रोजगार के लिए युवा विदेश या बड़े शहरों में जाकर बस रहे हैं। यह प्रवास अक्सर परिवारों में आर्थिक उन्नति तो लाता है, लेकिन कई मामलों में बुजुर्ग माता-पिता अकेले पड़ जाते हैं। देखभाल और भावनात्मक समर्थन का अभाव तथा अकेलेपन से बुजुर्गों की मानसिक एवं शारीरिक स्थिति दयनीय हो जाती है। हाल ही में बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया और विदेश जाने वाले युवाओं के लिए माता-पिता की देखभाल सुनिश्चित करने वाले सख्त नियमों की मांग की गई। सुझाव दिया गया कि विदेश जाने से पहले युवाओं से एक हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता की देखभाल के लिए देने का वादा करें।

साथ ही हर छह महीने में माता-पिता से 'संतुष्टि प्रमाण पत्र' प्राप्त करना अनिवार्य हो, जिसमें बुजुर्ग पुष्टि करें कि उनकी देखभाल सही तरीके से हो रही है, उनके बच्चे नियमित संपर्क में हैं और आवश्यक सहायता मिल रही है। यदि ऐसा प्रमाण पत्र नहीं मिलता या शिकायत आती है, तो ऐसे युवाओं का पासपोर्ट रद्द किया जाए और उन्हें भारत वापस बुलाया जाए। इसके अलावा यह सलाह भी दी गई कि कम से कम सप्ताह में एक बार फोन पर माता-पिता का हालचाल पूछना भी बाध्यकारी होना चाहिए।

संसद में दिए गए ये सुझाव इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले वर्ष पांच सौ से अधिक ऐसे मामले सामने आए, जहां विदेश में बसे बच्चों की ओर से उपेक्षा के कारण माता-पिता की हालत बहुत खराब हो गई या उनकी मृत्यु हो गई और बच्चे अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं लौटे। यह मुद्दा केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टि से भी गंभीर है। भारत में पहले से ही 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम- 2007' लागू है, जो युवाओं को माता-पिता की आर्थिक और भावनात्मक देखभाल के लिए जिम्मेदार बनाता है।

इस कानून के तहत बुजुर्ग न्यायाधिकरण में शिकायत कर सकते हैं और अपने बच्चों से मासिक भरण-पोषण की सहूलियत प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति हस्तांतरण रद्द करने की शक्ति भी शामिल है। मगर अफसोसनाक है कि सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद बुजर्गों की देखभाल और सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, जिस कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग वृद्धाश्रम में शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि कई माता-पिता के बच्चे भारतीय शहरों में ही रह रहे हैं।

दूसरा, यह कानून विदेश में बसे युवाओं (एनआरआइ) पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाता, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार, प्रवर्तन की कमी और संपर्क की दूरी जैसी समस्याएं आड़े आती हैं। कई एनआरआइ युवा भारत में संपत्ति या बैंक खाते रखते हैं, लेकिन माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। संसद में पेश किया गया प्रस्ताव इसी कमी को दूर करने के प्रयास से जुड़ा है, जहां विदेश मंत्रालय और पासपोर्ट प्राधिकरण के माध्यम से यात्रा तथा नागरिकता से जुड़ी शर्तें लगाने का सुझाव दिया गया है।

यदि इस पर गंभीरता से विचार कर इसे व्यवस्था का हिस्सा बनाए जाए, तो विदेश जाने वाले युवाओं के लिए पासपोर्ट आवेदन या वीजा प्रक्रिया में माता-पिता की सहमति या हलफनामा अनिवार्य हो सकता है, जो उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा। इस तरह के कानून की आवश्यकता इसलिए भी महसूस की जा रही है, क्योंकि भारत में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2021 के एक अनुमानित आंकड़े के अनुसार, देश में साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग कुल आबादी का लगभग दस फीसद हैं, और यह संख्या वर्ष 2030 तक और बढ़ने का अनुमान है। युवाओं के विदेश और शहरों में पलायन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक समर्थन की कमी होती है।

कई मामलों में माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन-जायदाद तक बेच देते हैं, अपनी सारी बचत उसमें लगा देते हैं और कहीं कमी रह जाए तो बैंकों से कर्ज लिया जाता है। मगर कई दफा उन्हें बदले में अकेलापन और उपेक्षा ही मिलती है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर दुखद है, बल्कि समाज में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण को भी दर्शाता है। भारतीय संस्कृति में 'मातृ-पितृ भक्ति' को सर्वोच्च माना जाता है, लेकिन आर्थिक महत्त्वाकांक्षा और पश्चिमी जीवनशैली के प्रभाव से ये मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। संसद में दिया गया सुझाव इसी सांस्कृतिक संकट पर ध्यान आकर्षित करता है और याद दिलाता है कि युवाओं की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग भी होता है, इसलिए उनकी सेवा अनिवार्य होनी चाहिए।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर बहस भी छिड़ी हुई है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा है और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना जगाने वाला है। सोशल मीडिया पर कई लोग इसका यह कहकर समर्थन कर रहे हैं कि इस तरह का कानून जरूरी है, ताकि माता-पिता का भविष्य सुरक्षित रहे। दूसरी ओर, कुछ आलोचक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अतिक्रमण मानते हैं। वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामलों पर। एनआरआइ समुदाय का एक हिस्सा भी इसे भेदभावपूर्ण मानता है, उनका तर्क है कि भारत में रहने वाले युवा जो माता-पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं होती है।

इसके बावजूद इस प्रस्ताव की व्यावहारिकता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यदि सरकार इस तरह के प्रावधान लागू करती है, तो विदेश मंत्रालय को एनआरआइ से जुड़े डेटाबेस को मजबूत करना होगा, भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रमाण पत्र सत्यापन की व्यवस्था करनी होगी और शिकायतों के लिए एक तंत्र बनाना होगा। यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है, लेकिन डिजिटल प्रणाली और आधार जैसी सुविधाओं से इसे संभव बनाया जा सकता है। मिसाल के तौर पर माता-पिता एक आनलाइन पोर्टल पर प्रमाण पत्र दर्ज कर सकते हैं या दूतावास में जमा कर सकते हैं। यदि प्रमाण पत्र नहीं मिलता है, तो पासपोर्ट नवीनीकरण रुक सकता है या यात्रा प्रतिबंध लग सकता है। यह कदम युवाओं को अपने माता-पिता से नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा और उनकी सुरक्षा का एहसास दिलाता रहेगा। इस मुद्दे पर संसद में उठाया गया सवाल केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अहम है। यदि ऐसा कानून बनता है, तो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेश में सफलता पाने वाले युवा अपने माता-पिता को कभी न भूलें। बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा राष्ट्र की प्रगति का आधार है, और उनकी उपेक्षा सामाजिक मूल्यों के लिए घातक साबित हो सकती है। इसलिए इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि बुजुर्ग माता-पिता का भविष्य सुरक्षित हो और परिवार की एकता बनी रहे। यह कदम न केवल बुजुर्गों की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाएगा।

समाधान के लिए समय पर बात करना होता है जरूरी

> जब संवाद रुक जाता है, तब मौन से भावनाएं मर जाती हैं और रिश्तों में विश्वास और असुरक्षा की भावना पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। मौन वही सही है, जो मन को शांति दे। जब किसी विषय वस्तु पर कोई व्यक्ति चुप रहता है, तो अन्य लोग उसकी चुप्पी को बहुत ही आसानी से सहमति या असहमति मान लेते हैं। जबकि हर बार ऐसा नहीं होता है। हो सकता है कि वह व्यक्ति किसी अन्य परेशानी में उलझा हुआ हो या उस स्थिति के लिए कुछ सही शब्द नहीं मिल रहे हों, जिसके कारण वह फिलहाल चुप है। हालांकि बहुत बार ऐसा भी होता है कि किसी गंभीर मुद्दे पर चुप्पी कोई हल निकालने के बजाय समस्या को दोगुना बढ़ा देती है।

रेखा शाह आरबी

मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

कुछ भाव-भावनाओं के लिए तो शब्दकोश में शब्द खोजते रह जाते हैं, लेकिन नहीं मिलता। वहीं भाव भंगिमा की सहायता से मौन के सहारे एकदम सटीक, बेहतर तरीके से अपनी बात कह देते हैं।

कुछ लोग शब्दों की अनुपस्थिति को मौन मान लेते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। मौन का मतलब सिर्फ शब्दों का अभाव नहीं है, बल्कि आंतरिक शांति, स्पष्टता और समझ पाने की गहरी क्षमता है। इससे इंसान के भीतर आत्मचिंतन और एकाग्रता में इजाफा होता है। मौन उसे ही माना जा सकता है, जहां हमारा चित्त पूरी तरह से शांत हो। वहीं बिना वजह का बोलना हमारी ऊर्जा का फिजूल खर्च है। ऐसी जगह पर शाब्दिक 'मौन' ऊर्जा की बचत ही करता है। साथ ही अत्यधिक वाचाल होना विभिन्न प्रकार के विवादों को न्योता देना होता है, जिससे हम अनावश्यक विवाद में उलझते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मौन को वरदान के तौर पर देखा जाता है। इसके जरिए हम खुद के साथ ज्यादा गहराई से जुड़ते हैं। जब हम मौन में रहते हैं, तो अपने ऊपर चिंतन-मनन करते हैं। अपने जीवन के बारे में ठीक-ठाक विश्लेषण करते हैं, जो हमारे जीवन में सार्थक और चमत्कारिक बदलाव लाता है।

इससे हम दुनिया के बाहरी शोर को परे रखकर आंतरिक ज्ञान और स्थिरता पाते हैं। यह सब हमारे मन को शांत करता है और जीवन को सकारात्मक बनाता है। कहा जा सकता है कि मौन हमारा आध्यात्मिक और व्यक्तिगत विकास करता है।

मौन की एक शक्ति हमारे परिस्थितिजन्य तात्कालिक आवेग को रोक कर कुछ भी अनुचित कहने से रोकना है, जो रिश्तों को बचाने का काम करता है। अक्सर अत्यधिक बोलने वाले आवेग में ऐसी बातें बोल देते हैं, जो लोगों को अप्रिय लगती है और फिर रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो जाता है।

पर जिन्हें मौन का अभ्यास होता है, वे अपने तात्कालिक आवेग पर नियंत्रण रख लेते हैं। बाहर से देखने पर मौन में भले खामोशी दिखती है, लेकिन यह एक सक्रिय अवस्था है जो जीवन में आंतरिक शक्ति, शांति जीवन में लाने का कार्य करती है।

जानकार लोग भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि हम केवल न बोलने को मौन समझ लेते हैं, जबकि वास्तव में मौन तब होता है, जब मन की खटपट मिट जाए, मन पूरी तरह शांत हो जाए। हमारे होंठ भी इसी कारण चलते हैं, क्योंकि जब मन अशांत होता है, तब हम मौन होकर भी मौन नहीं होते हैं। शब्दहीनता को मौन समझ लेना इसका सस्ता अर्थ लगाना है।

श्रीमद्भागवत गीता में मौन को मानसिक 'तप' के साथ-साथ आत्मसंयम का साधन और ईश्वर की वाणी सुनने का मार्ग बताया गया है। मौन का अर्थ केवल वाणी से नहीं, बल्कि मन की चंचलता को रोकने से है। और मन की चंचलता को रोकना अपने आप में दुसाध्य कार्य है। मौन का अर्थ कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आत्म साक्षात्कार, मानसिक शांति, आध्यात्मिक प्रगति के लिए एक आवश्यक साधन है।किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं- सकारात्मक और नकारात्मक। मौन का नकारात्मक पहलू यह है कि यह कई बार अर्थ का अनर्थ भी कर देता है। भले ही इसके बहुत सारे लाभ हों, लेकिन अक्सर यह संशय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर देता है।

इसे एक दुधारी तलवार की तरह देखा जा सकता है, जो अपने नकारात्मक पक्ष में भी ज्यादा धारदार या नुकसानदेह नहीं है। फिर भी इसमें थोड़ी धार तो होती ही है। इसलिए मौन का भी उपयोग करते हुए सचेत रहने की जरूरत होती है। अगर सही समय पर सही बात को नहीं बोला जाए तो गलतफहमी भी उत्पन्न करता है। अक्सर हमारे मौन को हमारी असहमति या कमजोरी मान लिया जाता है, जिससे स्थिति सुधरने के बजाय और भी बिगड़ जाती है।

जब संवाद रुक जाता है, तब मौन से भावनाएं मर जाती हैं और रिश्तों में विश्वास और असुरक्षा की भावना पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। मौन वही सही है, जो मन को शांति दे। जब किसी विषय वस्तु पर कोई व्यक्ति चुप रहता है, तो अन्य लोग उसकी चुप्पी को बहुत ही आसानी से सहमति या असहमति मान लेते हैं। जबकि हर बार ऐसा नहीं होता है। हो सकता है कि वह व्यक्ति किसी अन्य परेशानी में उलझा हुआ हो या उस स्थिति के लिए कुछ सही शब्द नहीं मिल रहे हों, जिसके कारण वह फिलहाल चुप है। हालांकि बहुत बार ऐसा भी होता है कि किसी गंभीर मुद्दे पर चुप्पी कोई हल निकालने के बजाय समस्या को दोगुना बढ़ा देती है। समाधान के लिए बात करना जरूरी होता है और वह भी समय पर। अगर समय पर बात नहीं की जाए, तो कई बार स्थिति हाथ से निकल जाती है। कहा जा सकता है कि समय के मुताबिक मौन अपनी जगह पर सही है और संवाद भी अपनी जगह पर सही है। बस इनमें से किसी का चुनाव समय और जरूरत के मुताबिक और सतर्कता से हो।

धनबाद में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न

नगर निगम में 46.98, चिरकुंडा नगर परिषद में 61.40 मतदान

धनबाद (कासं) : नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद देर शाम आयोजित पत्रकार वार्ता में

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि धनबाद में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुआ है। संध्या ५ बजे तक धनबाद नगर निगम में ४६.९८ एवं चिरकुंडा नगर परिषद में ६१.४० प्रतिशत मतदान हुआ है। कई मतदान केंद्रों पर अभी भी टोकन लेकर वोटर लाइन में लगे हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वोटिंग समाप्त होने के पश्चात वोटिंग परसेंटेज जारी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संध्या ५ बजे तक धनबाद नगर निगम में चार लाख २२ हजार ७९० एवं चिरकुंडा नगर परिषद में २२७०४ वोटरों ने मतदान किया।

उपायुक्त ने बताया कि हालांकि मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर छिटपुट घटना हुई। जिसका सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं संबंधित निर्वाची पदाधिकारी के स्तर से निराकरण किया गया। चुनाव के दौरान जिला कंट्रोल रूम सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ लगातार संपर्क में रहा। जहां हर समस्या का त्वरित समाधान किया गया। इसके अलावा कलेक्ट्रेट के तीन कंट्रोल रूम से कर्मी १०१९ मतदान केंद्र के पीठासीन पदाधिकारी के संपर्क में रहे।

शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए उपायुक्त ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के सभी पदाधिकारियों, सभी मतदान पदाधिकारियों सहित चुनाव संपन्न कराने में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी अधिकारियों व कर्मियों तथा आमजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि सभी १०१९ मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुए। कहीं से भी कोई भी बड़ी घटना सामने नहीं आई है।

उपायुक्त ने बताया कि अब २७ फरवरी को राजकीय पॉलिटेक्निक ने मतगणना आरंभ होगी। ११ हॉल में धनबाद नगर निगम एवं ४ हॉल में चिरकुंडा नगर परिषद के लिए मतों की गिनती की जाएगी। प्रत्येक मतगणना हॉल में ८ से १२ टेबल लगाए जाएंगे। सभी मतपेटिका के स्ट्रांग रूम पहुंचने के बाद स्ट्रांग रूम को सील कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मतदान प्रक्रिया के दौरान पुलिस के वरीय पदाधिकारी, पुलिस फोर्स, सिटी हॉक्स सहित पूरा पुलिस महकमा सुरक्षा के लिए तत्पर रहा। उन्होंने कहा कि अब प्रशासन का अगला लक्ष्य मतपेटियों को सुरक्षित तरीके से स्ट्रांग रूम पहुंचाना है।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सिक्योरिटी रहेगी। सबसे इनर लेयर में झारखंड आर्म्ड पुलिस की टीम रहेगी। इसके बाद दो लेयर में जिला पुलिस की टीम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा करेगी।

पत्रकार वार्ता में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह तथा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

1019 बूथों पर सुदृढ़ रही सुरक्षा व्यवस्था, भारी पुलिस बल की तैनाती में संपन्न हुआ मतदान

धनबाद (कासं) : नगर निकाय चुनाव जिले में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। पूरे जिले के १०१९

कड़ी सुरक्षा में राजकीय पॉलिटेकनिक रिसीविंग सेंटर में जमा हुईं मतपेटियां

मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान संपन्न कराया गया। शाम ५ बजे तक कुल ४,४५,४९४ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे मतदाताओं ने निर्भीक होकर अपने वोट डाले।

मतदान संपन्न होने के बाद सुरक्षाबलों ने विभिन्न संवेदनशील रूटों को पूरी तरह सैनिटाइज किया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच सभी मतदान केंद्रों से मतपेटियों को सुरक्षित रूप से राजकीय पॉलिटेकनिक स्थित रिसीविंग सेंटर में जमा कराया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की विशेष निगरानी रही और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई।पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान करीब ३ हजार पुलिसकर्मी और अधिकारियों की तैनाती की गई थी। क्यूआरटी की टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमणशील रहीं। धनबाद, झरिया, कतरास और चिरकुंडा में अतिरिक्त रिजर्व बल की भी तैनाती की गई थी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार पूरे समय स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। पुलिस कंट्रोल रूम से प्रत्येक बूथ की गतिविधियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी। ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी कतरास क्षेत्र में, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव झरिया में तथा प्रशिक्षु आईपीएस अंकित सिन्हा धनबाद के विभिन्न मतदान केंद्रों पर लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

कुछ स्थानों पर हल्की नोकझोंक की घटनाओं को छोड़ दें तो पूरे जिले में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। पुलिस की सतर्कता और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के कारण कहीं भी कोई गंभीर घटना नहीं हुई।

शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान संपन्न कराने में सहयोग के लिए एसएसपी ने धनबाद जिले के नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मतदाताओं में दिखा खासा उत्साह, लगी रही लंबी कतारें

सिंदरी (ससे) : धनबाद नगर निगम चुनाव के तहत सिंदरी अंचल के वार्ड ५३, ५४ एवं ५५ में मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं। सिंदरी बस्ती स्कूल, एसपीएम कॉलेज, डी नोबिली स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, गौशाला स्थित सभी बूथों, सिंदरी कॉलेज सिंदरी, भावथान स्कूल मनोहरटांड तथा रंगा माटी के सभी विद्यालयों में मतदाताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन वार्डों में लगभग ५५ प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस बीच वार्ड ५४ के पार्षद पद के प्रत्याशी प्रशांत कुमार दुबे को पुलिस द्वारा कथित रूप से गौशाला ओपी ले जाया गया। बताया जाता है कि उन्हें कुछ घंटों तक ओपी में बैठाकर रखा गया। इस संबंध में प्रशांत कुमार दुबे का कहना है कि इस घटना से उनके पक्ष में होने वाले मतदान पर असर पड़ा है। प्रशासन की ओर से कहा गया की रास्ते में लगे मोटर साइकिल को लेकर बहस हुई थी और कोई बात नहीं था। नगर निगम चुनाव को लेकर क्षेत्र में पूरे दिन लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिला और मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

केन्दुआडीह थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में संपन्न

केन्दुआ (ससे) : धनबाद नगर निगम चुनाव के तहत वार्ड ११,१२ और १३ स्थित संख्या के केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से कड़ी सूरक्षा व्यवस्था में संपन्न हुआ। सुबह ७ बजे से ही मतदाताओं में उत्साह देखा गया और लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतारबद्ध

होकर मतदान किया। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंदुआडीह पुलिस पूरी तरह सतर्क है। केंदुआडीह थाना के पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद पाण्डेय अपने चलंत दस्ता के साथ लगातार क्षेत्र के सभी बुथों पर भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए थे। कहीं से भी शांति भंग नहीं हुआ। शाम ५ बजे तक मतदान हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में मतपेटियों को धनबाद वज्र गृह भेजा गया।

मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह ने किया मतदान

धनबाद (कासं) : मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह ने झरिया बोर्रागढ़ स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के बूथ संख्या ३ पर पहुंचकर अपना मतदान किया। मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की कतारें देखी गई। संजीव सिंह ने आम मतदाताओं की तरह पंक्ति में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान सबसे बड़ा

अधिकार और कर्तव्य है। उन्होंने झरिया सहित पूरे धनबाद नगर निगम क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की कि वे घरों से निकलकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें, ताकि मजबूत और जवाबदेह नेतृत्व का चयन हो सके।

उन्होंने कहा कि आपका एक वोट धनबाद के भविष्य की दिशा तय करेगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी की भागीदारी आवश्यक है। मतदान केंद्र के बाहर समर्थकों में उत्साह देखा गया, वहीं प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

भागा के बूथ पर फर्जी वोटिंग कराने के मुद्दे पर दो प्रत्याशी समर्थक भिड़े, पुलिस ने बल प्रयोग कर मामला शांत कराया

जोड़ापोखर (ससे) : वार्ड नंबर ४२ के बूथ नंबर १/१४६ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भागा में शाम को मतदान कर्मियों पर फर्जी मतदान कराने का आरोप

लगाकर पार्षद प्रत्याशी मीनाक्षी देवी के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। समर्थकों ने मतदान खत्म होने के बाद बैलेट बॉक्स को ले जाने का हंगामा करते हुए ले जाने से रोक दिया। मीनाक्षी समर्थक चुनाव अधिकारी से बूथ को रद्द करने की मांग पर अड़े रहे। मामले की सूचना पाकर झरिया और जोरापोखर थाना से बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचकर हंगामा कर रहे लोगों को खदेड़कर बैलेट बॉक्स लदी वाहन एवं कर्मियों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया। मालुम हो कि बूथ संख्या १४६ में चुनाव आयोग के नियम के अनुसार पांच बजे तक मतदान की लाइन में लगे वोटरों से वोट दिलाने का कार्य किया जा रहा था। जिसकी खबर पाकर पार्षद प्रत्याशी मीनाक्षी देवी के दर्जनों समर्थकों ने बूथ पर पहुंचकर कर्मियों तथा पुलिस कर्मियों पर संध्या छह बजे तक फर्जी वोट कराने का आरोप लगाते हुए बूथ को रद्द करने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे।

इस दौरान मीनाक्षी के समर्थकों ने लाइन में लगे वोटरों से धक्का मुक्की करने लगे। जिसकी सूचना पाकर विपक्षी पार्षद प्रत्याशी मुनिलाल रविदास के दर्जनों समर्थकों ने भी मौके पर पहुंचकर मोर्चा बंदी कर मीनाक्षी के समर्थकों का विरोध किया। दोनों ओर से समर्थक एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मामले की सूचना पाकर जोड़ापोखर अंचल निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचकर सभी को खदेड़कर मामला शांत कराया। प्रत्याशी मीनाक्षी के पूर्व पार्षद पति विनय रजवार ने पुलिस एवं मतदान कर्मियों पर फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाते हुए निर्वाची पदाधिकारी से बूथ को रद्द कर फिर से चुनाव कराने की मांग किया है।

सनद् हो कि नियमानुसार संध्या ५ बजे तक बूथ पर पहुँचने वाले वोटरों को टोकन देने का प्रवधान है। इसी के तहत बूथ पर जिन्हें टोकन दिया गया था वह वोटर कमरे के अंदर थे। जिसको लेकर विवाद उत्पन हुआ है। जिसके दौरान लगभग एक घन्टे तक लोगों ने मतदान पेटी को घेरकर रखा था। अंततः पुलिस प्रशासन ने बल प्रयोग कर पेटी ले गई।

इस बीच वार्ड ४२ के सेक्टर मजिस्ट्रेट उत्तम कुमार झा ने मामले को लेकर कहा कि चुनाव आयोग के प्राविधान के तहत पांच बजे तक लाइन में लगे वोटरों को टोकन दिया गया था। जो वोट देने को बूथ कैम्पस में थे। इस दौरान नशे में धुत्त कुछ लोग आकर लाइन में लगे वोटरों के साथ धक्कामुक्की करने लगे। किसी तरह का कोई फर्जी मतदान नहीं हुआ है। कुल १३३० वोटर में ६५९ वोटरों ने मतदान किया है।

वार्ड 27 के बूथ पर दो पार्षद समर्थकों में हाथापाई, पुलिस ने संभाला मोर्चा

धनबाद (कासं) : वार्ड संख्या २७ के बूथ नंबर १०६, ११०, १११, ११२ में हंगामा देखने को मिला है। दरअसल, यहां वार्ड पार्षद प्रत्याशी पुष्पा देवी और पार्षद प्रत्याशी पिंकी देवी के समर्थकों के बीच झड़प हुई है। पुष्पा देवी के पति संजय कुमार सिंह का कहना है कि पार्षद प्रत्याशी पिंकी देवी की जेठानी उर्मिला देवी उसी मतदान केंद्र पर बीएलओ के रूप में पदस्थापित हैं, जो मतदाताओं को रिझाने का काम कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि उनके मित्र रमेश कुमार सिंह का कॉलर पकड़कर प्रमोद कुमार यादव ने बाहर कर दिया। पिंकी देवी,

प्रमोद कुमार यादव की रिश्तेदार हैं। संजय कुमार सिंह का कहना है कि हम लोग सड़क के बाहर थे और उन्होंने हमला कर दिया।

वहीं, प्रमोद कुमार यादव का कहना है कि संजय कुमार सिंह बिहार से घुसपैठिया लाकर यहां मतदान करवा रहे थे, इसीलिए रोका गया। प्रमोद यादव पिंकी देवी के अभिकर्ता के तौर पर यहां कार्यरत है। हाथापाई के बाद पुलिस पहुंची और सभी को वहां से बाहर कर दिया है।

वार्ड 22 में बोगस वोटिंग का आरोप, पुलिस ने संभाला मोर्चा

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड

नंबर २२ के सीसीडब्ल्यूओ कॉलोनी स्थित आदर्श मध्य विद्यालय में बूथ संख्या २२/५ पर बोगस वोटिंग को लेकर जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर सरायढेला थाना प्रभारी मंजीत सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप भी लगाया है।

बताया जा रहा है कि बूथ संख्या २२/५ पर एक पार्षद प्रत्याशी के समर्थकों द्वारा बिना पहचान पत्र के महिलाओं से वोट डलवाए जाने का आरोप लगा है। मामला तब सामने आया जब कुछ मतदाताओं ने शिकायत की कि उनके नाम पर पहले ही वोट डाले जा चुके हैं और उन्हें मतदान से वंचित कर दिया गया। शिकायत के बाद बूथ परिसर में मौजूद मतदाता आक्रोशित हो गए और हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलते ही सरायढेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और बूथ के अंदर मौजूद संदिग्ध लोगों को बाहर निकाला। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

स्थानीय मतदाता पंकज पाडे का कहना है कि बूथ संख्या २२/५ में बोगस वोटिंग की जा रही थी। बिना आईडी कार्ड के महिलाओं से वोट डलवाया जा रहा था। जब लोगों को पता चला कि उनकी वोटिंग पहले ही हो चुकी है तो हंगामा शुरू हो गया। पुलिस आई और लोगों को बाहर निकाला।

स्थानीय मतदाता मनोज कुमार ने कहा कि एक पार्षद के समर्थक महिलाओं से दूसरे मतदाताओं की जगह वोटिंग करा रहे थे। जिन महिलाओं को वोट नहीं करने दिया गया, उनकी शिकायत पर लोगों ने विरोध किया। पुलिस के पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ।

फिलहाल बूथ पर मतदान प्रक्रिया फिर से शुरू हुई। प्रशासन पूरे मामले की जांच की बात कह रही है।

सूसनीलेवा नाग नगर में बूथ पर हंगामा, समर्थकों में झड़प

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के दौरान सूसनीलेवा नाग नगर में उस वक्त माहौल तनावपूर्ण हो गया जब बूथ संख्या ५८, ५९, १३ और १४ पर दो पार्षद प्रत्याशियों के समर्थक आमनेसामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी धक्कामुक्की में बदल गई। स्थिति को बिगड़ता देख ग्रामीणों ने हस्तक्षेप किया और माहौल को शांत कराया। बताया जा रहा है कि वार्ड पार्षद प्रत्याशी शिल्पी कुमारी के प्रतिनिधि को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी थी। आरोप है कि मतदान केंद्र के पास अनावश्यक भीड़ और हस्तक्षेप की कोशिश की जा रही थी, जिससे ग्रामीण भड़क गए। इसी दौरान ग्रामीणों ने प्रतिनिधि को दौड़ाकर पीटा और धक्का देकर बाहर निकाल दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। फिलहाल इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी रह सके। ग्रामीण ने कहा कि हम लोग शांतिपूर्वक मतदान करना चाहते हैं। कोई भी व्यक्ति माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसका विरोध किया जाएगा। हालांकि घटना के बाद कुछ देर के लिए मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई, लेकिन प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो गई। फिलहाल इलाके में शांति है और पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

बोगस वोट को ले बवाल, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम क्षेत्र में चल रहे नगर निकाय चुनाव के दौरान वार्ड संख्या ४३ के बूथ संख्या १२ मिनी आईटीआई पर बोगस वोटिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर मौके पर हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और मतदान प्रक्रिया पुनः सामान्य रूप से जारी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बूथ पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती नहीं होने के कारण परेशानी बढ़ी। बताया जा रहा है कि बैलेट पेपर से पहली बार मतदान होने के कारण मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं के बीच कुछ मतभेद उत्पन्न हो गया। इसी दौरान बोगस वोट को लेकर कुछ लोग आक्रामक हो गए। विवाद के बीच किसी ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया जिसके बाद मामला और बढ़ गया और पुरुष समर्थक भी आपस में भिड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस के पहुंचने के बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी करना पड़ा। लोगों ने इसे प्रशासनिक मिस मैनेजमेंट बताया है और महिला पुलिस की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासी जावेद ने बताया कि सुबह से ही दोतीन पार्षद प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच तनातनी की स्थिति बनी हुई थी। प्रशासन लगातार लोगों को समझाने और माहौल शांत रखने का प्रयास कर रहा था लेकिन दोपहर बाद स्थिति अचानक बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि शमशेर आलम और इंदु देवी के समर्थकों के बीच पहले भी झड़प हो चुकी है जिसे लेकर प्रशासन सतर्क है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले पर नजर रखे हुए है और अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है, ताकि आगे कोई अप्रिय घटना न हो।

विभिन्न मतदान केंद्रों का डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने चास नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर निर्वाचन व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रविंद्र भवन चास स्थित मतदान केंद्र संख्या १४ (०५/०६), मध्य विद्यालय हरिलाल नया भवन मतदान केंद्र संख्या ३० (०१/०२/०३/०४/ ०५) तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय आसनसोल चास-१ मतदान केंद्र संख्या २९ (०१/०२/०३) सहित अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था तथा हुए मतदान की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदाताओं से संवाद कर मतदान प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मतदाताओं ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

प्रचार सामग्री मिलने पर तीन पोलिंग एजेंट को किया गया बाहर

निरीक्षण के क्रम में मध्य विद्यालय हरिलाल नया भवन एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय आसनसोल में ०३ पोलिंग एजेंट के पास प्रचार सामग्री (पंपलेट) पाए जाने पर उन्हें तत्काल मतदान केंद्र से बाहर किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने सभी पीठासीन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मतदान केंद्र की जांच करें तथा किसी भी पोलिंग एजेंट के पास प्रचार सामग्री नहीं रहने दें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबंधित एजेंट को तुरंत मतदान केंद्र से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, डीपीआरओ रवि कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार आदि उपस्थित थे।

दलित जोड़े को मंदिर जाने से रोका

तुमाकुरू (ईएमएस): कर्नाटक के तुमाकुरू जिले में दलित जोड़े को मंदिर में एंट्री से रोका गया। युवक-युवती की हाल ही में शादी हुई थी। जैसे ही दोनों मंदिर पहुंचे नारायणप्पा नाम के व्यक्ति उन्हें रोक दिया।

उसने कपल से कहा कि दलितों लोगों को घर पर ही पूजा करनी चाहिए, मंदिर नहीं आना चाहिए। घटना २१ फरवरी को तुमकुरु गांव के अरसम्मा मंदिर में हुई।

पीड़ित जोड़े ने ५ लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत की। उनके मुताबिक आरोपी नारायणप्पा से सरेआम धमकाया था। मंदिर में मौजूद अन्य लोगों ने उसका समर्थन किया था। शिकायत के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नारायणप्पा को गिरफ्तार किया। अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस के कहना है कि फरार लोगों की तलाश जारी है।

रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का डीसी ने किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): चास स्थित बाजार समिति में डीईओ सह डीसी - डीडीसी - एसी ने रिसीविंग सेंटर कर्मियों को किया संयुक्त ब्रीफ अजय नाथ झा (डीईओ सह डीसी), शताब्दी मजूमदार (उप विकास आयुक्त/डीडीसी) तथा मो. मुमताज अंसारी (अपर समाहर्ता/एसी) ने सोमवार शाम चास बाजार समिति स्थित रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का निरीक्षण कर अंतिम तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्रमवार मतपेटी (बैलेट बॉक्स) रिसिविंग प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि पीठासीन पदाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले सभी प्रपत्र एवं इनवेलप को निर्धारित सुरक्षित बक्सों एवं बोड़ों में सही तरीके से रखा जाए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि नहीं हो। साथ ही बैलेट बॉक्स को स्ट्रांग रूम में, स्टैच्यूटरी बॉक्स को सुरक्षित बक्से में तथा नॉन-स्टैच्यूटरी सामग्री को अलग निर्धारित बोड़ों में रखने का निर्देश दिया गया। डीईओ सह डीसी ने कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदान कर्मी पूरे दिन की ड्यूटी के बाद थके हुए पहुंचेंगे। ऐसे में रिसिविंग केंद्र पर उनसे अच्छा एवं सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। संबंधित टीम को चाय-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। डीईओ सह डीसी ने रिसिविंग कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज यदि कार्य सुव्यवस्थित तरीके से किया जाएगा तो मतगणना के दिन प्रक्रिया और अधिक सरल होगी। सभी कर्मियों को धैर्य बनाए रखते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों को भी निर्देश दिया गया कि वे रिसिविंग प्रक्रिया में तैनात कर्मियों/पीठासीन पदाधिकारी के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग सुनिश्चित करें। यह आयोजन बोकारो स्टील प्लांट की 'शून्य क्षति' की नीति के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. गैस सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर नियमित जागरूकता कार्यक्रमों से न केवल कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों में सुधार होता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता और कार्मिकों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होता है.

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड कुश्ती टीम का कोच बने युगल किशोर

डुमरी (ससे): तमिलनाडु के सेलम में २७ फरवरी से ०१ मार्च तक आयोजित अंडर-१५ राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के महासचिव युगलकिशोर महतो को झारखंड अंडर-१५ कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया गया है।श्री महतो ने बताया कि वे झारखंड राज्य के लिए लगातार कोच का भूमिका निभाते रहे है और झारखंड कुश्ती टीम में उत्कृष्ट प्रतिनिधित्व कर रहे है।बताया कि झारखंड राज्य कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष सह अंतरराष्ट्रीय कोच बबलू कुमार का भी योगदान इसमें सराहनीय रहा है।बताया कि मेरा प्रयास रहेगा कि प्रतियोगिता में झारखंड कुश्ती टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करे। इधर अंडर १५ राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड कुश्ती टीम के कोच बनाने पर गिरिडीह जिला प्रशासन,संघ के उपाध्यक्ष नारायण कुमार महतो कोषाध्यक्ष रमेश महतो सदस्य रविन्द्र कुमार, अनुप कुमार झाएकिमयू के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो प्रतिष्ठित व्यवसायी शिवेश भगत सामाजिक कार्यकर्ता मानिकचंद महतो कुविमो के कार्यकारी केंद्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित कुमार ठाकुर युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष गुड्डु मलिक अहिप के किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रवीन्द्र कुमार महतो राष्ट्रीय एकता के प्रखंड अध्यक्ष महेन्द्र बिन्द आदि ने दी बधाई दी है।

गैस सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज दिनांक २३ फरवरी २०२६ को अपराह्न २.३० बजे से सायं ५.३० बजे तक गैस सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग ३३ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. जिनमें अधिकारी, कर्मचारी तथा संविदा कर्मी शामिल थे.

इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री सुखदेव महतो तथा सहायक महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) श्री भानु प्रताप सिंह उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरंभ में सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री सुखदेव महतो ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा इस जागरूकता सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत की. इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई.

अपने संबोधन में सहायक महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) श्री भानु प्रताप सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने इस्पात संयंत्र के सुचारू संचालन में गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व को रेखांकित किया तथा प्रतिभागियों से इस सत्र के माध्यम से तकनीकी जानकारी प्राप्त कर उसे कार्यस्थल पर लागू करने की अपील की.

इसके उपरांत श्री भानु प्रताप सिंह ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न गैसों के गुणों तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव के संबंध में जागरूक किया. उन्होंने शॉप फ्लोर पर गैस से संबंधित संभावित खतरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा आपातकालीन स्थितियों में अपनाई जाने वाली मानक संचालन प्रक्रियाओं (डजझ) के बारे में विस्तार से बताया. कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया.

दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल के लिए गौरव का क्षण

बोकारो (ससे): दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल, बोकारो स्टील सिटी के लिए यह अत्यंत गर्व और प्रतिष्ठा का क्षण था , जब हमारी माननीय प्राचार्या डॉ. करुणा प्रसाद जी को रांची में आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव (शिक्षा उत्कृष्टता महा-सम्मेलन) में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण कार्यक्रम के अवसर पर, पूर्वी भारत के अग्रणी एवं प्रतिष्ठित शिक्षाविद उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत में दो दशकों से अधिक के व्यापक अनुभव के आलोक में डॉ. करुणा प्रसाद ने 'सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विद्यालयों के विकास' विषय पर अपने दूरदर्शी एवं चिंतनशील विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई तक सीमित न रहकर ऐसे जीवंत और शिक्षार्थी-केंद्रित वातावरण बनें, जहाँ बच्चे सक्रिय रूप से सीख सकें। जो जिज्ञासा, नैतिक मूल्यों, समालोचनात्मक चिंतन तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को सशक्त रूप से पोषित करें। उनके प्रेरक विचारों एवं दूरदर्शी नेतृत्व ने उपस्थित समस्त शिक्षाविदों पर गहन और स्थायी छाप छोड़ी।

इस गौरवमयी अवसर को और भी ऐतिहासिक बनाते हुए, डॉ. करुणा प्रसाद जी को 'रवीन्द्रनाथ टैगोर राष्ट्रीय प्राचार्या पुरस्कार २०२५' से अलंकृत किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें समग्र एवं मूल्यपरक शिक्षा के संवर्धन तथा परिवर्तनकारी शैक्षिक नेतृत्व में उनके उल्लेखनीय और अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षिक परंपरा, अटूट नैतिक मूल्यों तथा दूरदर्शी एवं प्रगतिशील दृष्टिकोण का सशक्त प्रतीक है। हमारे संपूर्ण विद्यालय परिवार के लिए यह गहन गर्व, हर्ष और आत्मसम्मान का अविस्मरणीय क्षण है।

बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं के लिए टोटो/ऑटो रिक्शा की विशेष व्यवस्था

बोकारो (ससे): मतदान प्रक्रिया को सुगम, सुलभ एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा गर्भवती महिलाओं, ८० वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाताओं तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए टोटो/ऑटो रिक्शा की विशेष व्यवस्था की गई है। इस पहल का उद्देश्य ऐसे मतदाताओं को मतदान केंद्र तक सुरक्षित एवं सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना किसी कठिनाई के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

प्रशासन की इस व्यवस्था से लाभान्वित मतदाताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया है। मतदाताओं ने कहा कि इस प्रकार की सुविधा से उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचने में काफी सहूलियत हुई है और इससे मतदान के प्रति उत्साह भी बढ़ा है। प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

राहुल इंडी अलायंस का नेतृत्व छोड़ दें,ममता व स्टालिन को मौका दें : मणिशंकर

कोलकाता,(ईएमएस): कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने कोलकाता में कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी के बिना, इंडी गठबंधन का आई,एन,डी,आई,ए खत्म हो जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी इस गठबंधन की लीडर और प्रमुख नेता हैं। उनके साथ, दो-चार और लोग हैं जो यह जगह पा सकते हैं। मुझे लगता है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व करने की बजाय छोटी पार्टियों को मौका देना चाहिए। फिर चाहे वह स्टालिन हों, ममता दीदी हों, अखिलेश हों, तेजस्वी हों, या कोई और राहुल गांधी को इन लोगों को जिम्मेदारी देनी चाहिए। कांग्रेस नेता अय्यर ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सीएम ममता बनर्जी का समर्थन करने पर कहा, मैं खुद टीएमसी में ममता दीदी का पहला नेशनल सेक्रेटरी था। मैं दिसंबर १९९७ के आखिर में यहां पार्टी में शामिल हुआ था। लेकिन तीन हफ्ते के अंदर ही मुझे एहसास हो गया कि यह पार्टी बंगालियों की है और मैं बंगाली नहीं हूं। तब फिर मैं वहां क्या करता? इसलिए मैंने पार्टी छोड़ दी, लेकिन तीन हफ्ते तक मैं ममता दी का राइट-हैंड मैन था जब उन्होंने यह पार्टी बनाई।

बात दें कि कांग्रेस नेता अय्यर ने इससे पहले कहा था, कि वह गांधियन, नेहरूवियन और राजीवियन हैं, लेकिन 'राहुलियन' नहीं हैं।

मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस स्वामीनाथन बयान को लेकर फिर विवादों में घिरे

चेन्नई,(ईएमएस): मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश जीआर स्वामीनाथन एक बार फिर अपने सार्वजनिक बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। एक आध्यात्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग आध्यात्मिक गुरुओं को नहीं मानते, वे बदमाश, मूर्ख और क्रूर हैं। उनके इस बयान पर कानूनी और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जस्टिस स्वामीनाथन ने कहा, तमिलनाडु में कुछ लोग खुद को तर्कवादी कहते हैं। वे हमें बदमाश, मूर्ख और क्रूर कहते हैं, क्योंकि हम गुरु को भगवान के रूप में देखते हैं। मैं कहता हूं कि ऐसा कहने वाले ही बदमाश, मूर्ख और क्रूर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सेवा के चार वर्ष शेष हैं और उन्हें लगा कि अब उन्हें साहस के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कठिन समय में आध्यात्मिक मार्गदर्शन की भूमिका पर भी जोर दिया और कहा कि उन्हें अपने गुरु के आशीर्वाद से हिम्मत और समर्थन मिला है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वे तेनकासी के पास एक योगी के संपर्क में हैं।

इससे पहले जस्टिस स्वामीनाथन वेदों को लेकर दिए गए बयान के कारण भी चर्चा में गा गए थे। उन्होंने कथित तौर पर कहा था, अगर हम वेदों की रक्षा करेंगे, तो वेद हमारी रक्षा करेंगे। इस टिप्पणी को लेकर कुछ वर्गों ने आरोप लगाया था कि एक संवैधानिक पद पर बैठे न्यायाधीश द्वारा धार्मिक ग्रंथों को प्राथमिकता देने का संदेश नहीं जाना चाहिए।

जस्टिस स्वामीनाथन पहले भी तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर 'कार्तिगई दीपम' जलाने की अनुमति से जुड़े मामले में सुर्खियों में आए थे। एक दिसंबर २०२५ को उन्होंने उन रिट याचिकाओं को स्वीकार किया था, जिनमें दरगाह के निकट स्थित पत्थर के दीप स्तंभ 'दीपथून' पर दीप प्रज्वलित करने की अनुमति देने की मांग की गई थी। आदेश के अनुपालन में देरी होने पर तीन दिसंबर को उन्होंने श्रद्धालुओं को स्वयं दीप जलाने की अनुमति दी और सुरक्षा के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को निर्देशित किया।

इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। ताजा बयान के बाद न्यायिक पद की गरिमा और अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा हस्तक्षेप की मांग के लिए पर्याप्त आधार नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस): सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक रिट याचिका खारिज कर दी। याचिका में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एक सदस्यीय समिति को चुनौती दी गई थी। यह कमेटी तिरुमाला लड्डुओं के लिए कथित तौर पर मिलावटी घी की सप्लाई से जुड़े मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सही विभागीय एक्शन के लिए बनाई गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा की जा रही प्रशासनिक जांच और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच अलग-अलग दायरे में काम करती हैं। इसकारण दोनों प्रक्रियाएं साथ-साथ चल सकती हैं।

स्वामी की याचिका में कहा गया था कि एक सदस्यीय समिति की जांच, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गठित एसआईटी की जांच में दखल दे रही है।

यह मामला तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलने वाले लड्डुओं में इस्तेमाल हुए घी में मिलावट के आरोपों से जुड़ा है। याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि अदालत की चिंता सिर्फ इतनी है कि दोनों जांच प्रक्रियाओं में कोई टकराव न हो। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास हस्तक्षेप की मांग करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

अपने आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों प्रक्रिया कानून के अनुसार सख्ती से जारी रहें। सुनवाई के दौरान आंध्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि यह याचिका पूरी तरह दुर्भावना से दायर की गई है, ताकि विभागीय कार्रवाई को प्रभावित किया जा सके।

तिरुपति मंदिर के लड्डू में कथित मिलावट के पीछे मुख्य लोगों की पहचान करने के लिए समिति बनाने का फैसला ३ फरवरी को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में हुआ था। नायडू सरकार ने समिति को ४५ दिनों के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। समिति यह देखेगी कि प्रशासनिक स्तर पर कहां चूक हुई, क्या फैसले नियमों के अनुसार और सावधानी से लिए गए थे, इस मामले में किन अधिकारियों की क्या जिम्मेदारी बनती है और उनके खिलाफ क्या अनुशासनात्मक या प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए। समिति का दायरा केवल प्रशासनिक पहलुओं तक सीमित रहेगा।

इसके पहले ४ अक्टूबर २०२४ को सुप्रीम कोर्ट ने लड्डू में कथित मिलावट की जांच एक स्वतंत्र एसआईटी को सौंपी थी, जो केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक की निगरानी में काम कर रही थी। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई की अगुवाई वाली एसआईटी ने २३ जनवरी २०२६ को नेल्लोर स्थित एंटी करप्शन ब्यूरो की अदालत में अंतिम चार्जशीट दाखिल की।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

ओटावा (ईएमएस): दिल्ली पुलिस ने ब्रिटेन से कथित तौर पर जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और नौ करोड़ रुपये मूल्य की १८ लाख से अधिक मन:प्रभावी गोलियां जब्त की हैं। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच में एक संगठित दवा तस्करी गिरोह का पता चला जो लॉजिस्टिक कंपनियों, कूरियर सेवाओं व निर्यात के सामान के जरिए प्रतिबंधित दवाइयों को विदेश भेजता था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विक्रम सिंह ने कहा कि यह मामला पिछले साल ७ अक्टूबर का है, जब अपराध शाखा की एक टीम ने विशेष सूचना के आधार पर सरिता विहार में जाल बिछाया था। मोहम्मद आबिद (५०) को गिरफ्तार किया और उसके पास से १४.४७२ किलोग्राम वजन की ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की ५४,००० गोलियां बरामद कीं। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई तो पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में पता चला। आबिद ने बताया कि वह ये गोलियां अपने रिश्तेदार के दामाद जावेद खान से लेता था। खान को ३० अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सिंह मेंशन समर्थक व पृथ्वी मेंशन समर्थक आपस में भिड़े, मतदान केंद्र बना रणक्षेत्र

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के अंतिम समय में झरिया सिंह नगर स्थित वार्ड ३५

के बूथ ८ में सिंह मेंशन और पृथ्वी मेंशन समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों ओर के समर्थकों में जमकर लाठीडंडा चला। जिससे देखते ही देखते मतदान केंद्र रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। बता दें कि पृथ्वी मेंशन से मेयर प्रत्याशी इंदु सिंह है। जबकि सिंह मेंशन से पूर्व विधायक संजीव सिंह मैदान में हैं।

घटना में सिंह मेंशन के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए है। मारपीट में घायल रोहित कुमार से मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह ने मिलकर सुरक्षा का आश्वासन दिया और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई को लेकर आलाधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया।

घटना की सुचना पर संजीव सिंह, इंदु सिंह की बहू आशनी सिंह, बेटी संध्या सिंह अपने घायल समर्थकों का हाल लेने मौके पर पहुँचे। दोनों पक्ष एक दूसरे पर एफआईआर करने की बात कह रहे है। वही दूसरी ओर पृथ्वी मेंशन समर्थक से भी आधा दर्जन लोग हुए घायल हुए है। जिनका इलाज झरिया के प्रसाद नर्सिंग होम में चल रहा है। वहीं अपने पसंदीदा प्रत्याशी को वोट देने पर विरोधी प्रत्याशी के समर्थकों के द्वारा मारपीट में घायल युवक ने कहा कि उन्होंने अपने चहेते प्रत्याशी को वोट दिया, जिसके कारण कई लोग ने उसके साथ मारपीट की।

वहीं, मेयर प्रत्याशी इंदु सिंह की बेटी संध्या सिंह ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था। इसी दौरान लाठीडंडा, तलवार लेकर लोग पहुँच गए और सभी के साथ मारपीट करने लगे। इस हमला में कई लोग घायल हुए हैं।

विधायक मथुरा महतो ने लोकतंत्र के महापर्व में उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने अधिकार का उपयोग किया। कहा कि हर एक वोट हमारे क्षेत्र के विकास, बेहतर भविष्य और मजबूत लोकतंत्र की नींव है।

विधायक राज सिन्हा ने अपने वार्ड में अपने अधिकार का उपयोग किया। विकसित और सुव्यवस्थित, स्वच्छ धनबाद के लिए मतदान किया।

शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न, महिलाओं में दिखा उत्साह

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र में वार्ड संख्या ७ और ८ नगर निगम चुनाव शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। वार्ड नंबर आठ में कुल १७२४३ वोटर है जिसमें ९६०७ वोट पड़े। कुल ५७ मतदान हुआ। सुबह ७ बजे से सभी मतदाता केन्द्रों पर वोटिंग कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में शुरू हुआ। लोग मे सुबह से ही मतदान के प्रति उत्साह दिखा गया। सेन्द्रा, कनकनी, एकडा, बांसजोडा, लोयाबाद आदि मतदान केंद्रों पर भारी सुरक्षा बल तैनात थे।

शाम पांच बजे के बाद भी मतदाताओं की लंबी लाइन लगी रही। पांच बजे के बाद सभी को टोकन देकर मतदान कराया गया। विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी पिकु प्रसाद सदल बल क्षेत्र में उड़न दस्ता के साथ मुस्तैद रहे।वार्ड संख्या आठ के बूथ संख्या ८/५ एकडा प्राथमिक विद्यालय और ८/८ बासुदेव गांधी स्मृति उच्च विद्यालय, बांसजोड़ा मध्य विद्यालय में वार्ड ९ के मतदान पर्ची पर मतदान करने गये मतदाताओं ने हंगामा किया। हंगामा किए जाने पर थोडी देर के मतदान रूक गया। भोला विश्वकर्मा नामक मतदाता ने बताया कि जब वह मतदान करने के लिए गया तो उसे जो वोट डालने के लिए मतदान पर्ची मिला तो देखा कि उसमें चुनाव चिन्ह तो सही है लेकिन चुनाव चिन्ह के सामने प्रत्याशी का नाम गलत अंकित है।बूथ नंबर ८/८ के प्रीजाइडिंग आफिसर विश्वजीत मांजी ने बताया कि ५० -५० बंडल के दो वेलैट पेपर में इस तरह की गडबड़ी पाई गई है। निर्वाची पदाधिकारी सह बाघमारा बीडीओ लक्ष्मण यादव से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट के द्वारा सूचना दी गई है। जांच करवा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शाम को मतदान खत्म होने के बाद मतपेटीयों को कड़ी सुरक्षा के साथ धनबाद ब्रज गृह भेजा गया।

ग्रामीणों ने किया चुनाव बहिष्कार

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड संख्या ९ और १० का नगर निगम चुनाव शांति पूर्ण तरिके से संपन्न हुआ। वही मुनीडीह ओपी क्षेत्र के लालपुर फुटहा के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया। सीओ विकास आनंद और मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी के पहल पर जिला प्रशासन के आश्वासन के बाद दोपहर से वोटिंग शुरू हुआ। जिसमें ११सौ वोटर ने वार्ड नंबर दस के पार्षद प्रत्याशी एवं मेयर प्रत्याशी को अपना वोट दिया।

जिला प्रशासन की ओर से स्वयं उपायुक्त धनबाद सह जिला निर्वाचन अधिकारी पूरे लाव लश्कर के साथ पहुंचे और सम्मानित ग्रामीणों के साथ मीटिंग कर लोगों की मांगे को अगले दो महीने में राज्य सरकार को संबंधित प्रपत्र भेजेगी। जिसके तहत केन्दुआडीह और लालपुर फुटहा शहरपूरा को पंचायत में शामिल किया जाएगा। जिसके बाद लोगो ने वोट देना शुरू किया। ज्ञात हो कि पिछले दो चुनाव में लोगों ने वोट बहिष्कार किया था। चुकि कोर्ट ने भी माना था कि उक्त गांव ग्रामीण क्षेत्र में है इसलिए इसे पंचायत में ही रखा जाना चाहिए। कोर्ट भी जिला प्रशासन और राज्य सरकार को संबंधित आदेश दे चुकी है। लोगों द्वारा वोट किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली। मौके पर पुटकी एवं धनबाद सी ओ एवं मुनीडीह ओ पी प्रभारी मनिता कुमारी अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पुटकी थाना क्षेत्र के श्रीनगर, पुटकी न१०, गोपालीचक, कच्छीबहिलारी, भागाबांध, खैरा, आदि क्षेत्रों में मतदान शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पुटकी पुलिस प्रशासन ने शाम को मतदान के बाद मतपेटीयों को शील कर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में धनबाद वज्र गृह भेजने के बाद राहत की सांस लिया।

पुलिस ने किया थार गाड़ी जब्त

लोयाबाद (ससे) : ग्रामीण आरक्षी अधीक्षक कपिल चौधरी क्षेत्र भ्रमण के दौरान लेयाबाद मोड़ के समीप खड़े काले रंग का बिना नंबर प्लेट के थार गाड़ी को देखा। गाड़ी में काले फिल्म लगे हुए थे। उन्होंने लेयाबाद थाना प्रभारी पिकु प्रसाद को मौके पर बुलाकर थार गाड़ी को जब्त कर थाना भेजवाया। समाचार लिखे जाने तक गाड़ी थाना परिसर में खड़ी है।

पेड़ लटका शव बरामद

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के करकेंद पानी टंकी के समीप हिंदी भवन जाने वाले सड़क किनारे झाड़ी के समीप धीरज मधेसिया को पेड़ से लटका मिला। करकेंद हटिया मंदिर के रहने वाले चाय दुकान विक्रेता देवराज मधेसिया के ४३ वर्षीय पुत्र है। मृतक के पत्नी एक बेटा एवं एक बेटी सहित भरा पूरा परिवार है। पुलिस को जानकारी होते ही घटना स्थल पहुँच परिजनों की मदद से आनन फ़ानन में केंदुआडीह सामूहिक स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहाँ डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा गया। स्वजनों का रोसे कर बुरा हाल है।

96 वर्षीय कुसुम देवी ने की मतदान

धनबाद (कासं) : नगर निकाय चुनाव में ९६ वर्षीय कुसुम देवी ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने अपने अधिवक्ता पुत्र ब्रह्मदेव कुमार सिंह के साथ वार्ड संख्या ६ के टाटा भेलाटांड़ स्थित बूथ पर मतदान किया।

अखंड हरिकीर्तन का आयोजन

कालीमेला (ससे) : डुमरी दो नम्बर बालू डोली स्थित मां भगवती मंदिर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी २४ घंटे का श्री श्री १०८ महा अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न कीर्तन मंडली अपनाअपना योगदान देने पहुँचे तीन नम्बर डुमरी, भागा, भौरा, कालीमेला, झरिया, बोर्रागढ़ आदि ने योगदान दिया। समापन के बाद प्रसाद और खिचड़ी भोग का भंडारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विक्रम चौहान, महाराणा सिंह, श्री शर्मा, दीपू लाला, नन्दलाल प्रसाद, डॉ तिवारी, पन्ना लाल विश्वकर्मा, अंकुश, वीरू आदि थे।

कार व बाइक के बीच टक्कर, बाइक सवार गंभीर

निरसा (ससे) : निरसा के लखीमाता कोलियरी गेट के सामने राष्ट्रीय उच्चपथ १९ पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान दिलीप सतनामी, चापापुर कोलियरी के एरिया सेक्रेटरी के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, बंगाल से बिहार जा रही अर्टिगा कार ने बाइक से सड़क पार कर रहे दिलीप सतनामी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घायल के दोनों पैर टूट गए और बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद कार में सवार लोगों ने घायल की मदद करने के बजाय उसके साथ गालीमलौज की और हॉकी स्टिक से मारपीट करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लखीमाता कोलियरी गेट का कटिंग प्वाइंट लंबे समय से हादसों का हॉटस्पॉट बना हुआ है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में सब्जी विक्रेता की मौत

मृतक की फाईल फोटो

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत टुंडी रोड में पचरुखी के पास दोपहर बाद हुई सड़क दुर्घटना में सब्जी विक्रेता एवं राजमिस्त्री रघु दास (३५ वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वह गोविंदपुर से सब्जी बेचकर अपना गांव पूर्वी टुंडी का चुरूरिया जा रहा था। इस बीच मालवाहक ट्रक संख्या डब्ल्यूबी ३७ एच ११६५ के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसे कुचल दिया। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने टुंडी रोड २ घंटे के लिए जाम कर दिया।

इसके बाद चुरूरिया के मुखिया कन्हाई मोदक, टुंडी के उप प्रमुख कनक कुमार गुप्ता, पूर्व मुखिया गुल्लू अंसारी, राजकिशोर महतो, दीपक मंडल, विपिन मंडल, राजेश हांसदा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और लोगों को समझाया बुझाया। पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद राउत एवं एसआई तपन कुमार पाणिग्रही ने कहा कि मृतक के परिवार को सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। इसमें गोविंदपुर पुलिस पूरा सहयोग करेगी। लोगों के समझाने-बुझाने के बाद सड़क जाम हटाया गया और पंचनामा के बाद शव को गोविंदपुर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। इस संबंध में मृतक की पत्नी छाया देवी ने गोविंदपुर थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने कहा है कि उनके पति सब्जी बेचकर एवं राजमिस्त्री का काम कर परिवार का पालन पोषण करते थे।

परिवार में सात साल की बेटी और ५ साल का बेटा तथा सासससुर हैं। इस घटना से उनका परिवार सड़क पर आ गया है। मुखिया कन्हाई मोदक ने कहा कि मृतक के परिवार को सरकारी स्तर और सामाजिक स्तर से मदद दिलाई जाएगी।

ट्रक की चपेट में आने से बच्चे की मौत संजीव सिंह के हस्तक्षेप के बाद शव हटा

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम चुनाव के बीच झरिया स्थित डीएवी उच्च विद्यालय के बूथ संख्या १२, १३, १४ और १५ पर कुछ समय के व्यवधान के बाद मतदान सामान्य रूप से शुरू हो गया।

बताया जा रहा है कि मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह के समझानेबुझाने के बाद बूथ के समीप रखे गए बच्चे के शव को हटाया गया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित होने लगी। मौके पर मौजूद प्रशासन और पुलिस बल ने भी स्थिति को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभाई।

गौरतलब है कि बीती रात बालूगद्दा में ट्रक की चपेट में आने से एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया था, जिससे कुछ समय के लिए मतदान प्रभावित हुआ। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है और मतदाता शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

आरसेटी प्रशिक्षण केन्द्र में मुर्गी पालन पर प्रशिक्षण

बलियापुर (ससे) : आरसेटी प्रशिक्षण केन्द्र ढांगी में मुर्गी पालन पर एक माह के प्रशिक्षण काफी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। आरसेटी के निदेशक अविनाश चंद्रा ने कहा कि विभिन्न प्रखंडों से आये प्रशिक्षणार्थियों मुर्गी पालन पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। बेरोजगारों को रोजगार की दिशा में बेहतर कदम है। मुर्गी पालन की व्यवसाय कर बेहतर मुनाफा कर सकते हैं। प्रशिक्षक सपन कुमार मंडल ने कहा ने भी मुर्गी पालन पर जानकारी दी। मौके पर बीके सिंह, उमाशंकर गुप्ता, पवन कुमार, दीपक गोप, राजेश कुमार महतो, जयदेव महतो, सुनील कुमार महतो, किशोर महतो, रसीक मल्लिक, शिवलाल महतो, मिशिर लाल महतो, नरेश महतो, शेखर भारती, मिलन मंडल, नीलकमल रजवार, अनिल गोप, सीमा देवी, बबीता देवी, बबलू सोरेन, पंकज कुमार महतो, आरीफ अंसारी आदि मौजूद थे।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

धनबाद (कासं) : सीएसआईआर-सिम्फर, धनबाद में आधुनिक उपकरणों द्वारा सटीक सर्वेक्षण विषय पर आयोजित चार दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम मानव संसाधन, कौशल विकास एवं जिज्ञासा विभाग तथा माइन सब्सिडेंस एवं सर्वेक्षण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल चरण (तीन) के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय पोलिटेकनिक भागा के माइनिंग इंजीनियरिंग तथा राजकीय पोलिटेकनिक धनबाद के सिविल इंजीनियरिंग सहित कुल २७ विद्यार्थियों ने भाग लिया और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया।

समापन समारोह में निदेशक प्रो. अरविंद कुमार मिश्रा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर एचओआरजी (टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एवं आईएसटीएजी) अमर नाथ तथा एचओआरजी (माइन सब्सिडेंस एवं सर्वेक्षण) डॉ. अमर प्रकाश भी उपस्थित रहे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने अपने मौखिक फीडबैक में बताया कि वे पाठ्यक्रम की विषयवस्तु, उसके प्रभावी प्रस्तुतीकरण तथा विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन से अत्यंत संतुष्ट और प्रसन्न हैं।

कार्यक्रम के अंत में अनिकेत वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

मतगणना का अंतिम परिणाम

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम क्षेत्र में कुल ५१.२३ मतदान हुए।
चिरकुंडा नगर परिषद में कुल ६१.१० मतदान हुए।

326 दिनों तक चले ऑपरेशन में 7 खतरनाक आतंकवादियों को ढेर किया

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ३२६ दिनों तक चले हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशन में ७ खतरनाक आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया हैं। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर (१६ कोर) ने इसकी जानकारी दी।

व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, किश्तवाड़ इलाके में ३२६ दिनों तक लगातार हाई-एल्टीट्यूड अभियान चलाए गए। इस दौरान सेना ने मुश्किल इलाकों में ठंडे, गीले और बर्फीले मौसम के बीच आतंकवादियों को ट्रैक किया। इस दौरान सेना की आंतकवादियों से कई बार मुठभेड़ हुई।

व्हाइट नाइट कोर की टुकड़ियों, जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने खुफिया एजेंसियों के मजबूत खुफिया तंत्र के आधार पर आखिरकार किश्तवाड़ के चटरू क्षेत्र में सभी सात कुख्यात आतंकवादियों को मौत की नींद सुला दिया।

व्हाइट नाइट कोर ने अपनी पोस्ट में बताया कि ऑपरेशन में मदद के लिए एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, आरपीए/यूएवी और संचार साधनों के रूप में तकनीक का लगातार इस्तेमाल हुआ। हमारी सेनाओं की लगातार कोशिश और दृढ़ संकल्प, जिसका नतीजा सैफुल्लाह और उसके साथियों का खत्म होना था, यह साबित करता है कि हमारे जवानों और इंटेलिजेंस एजेंसियों के संकल्प, साहस और वीरता के सामने कोई नहीं टिक सकता।

भारतीय सेना ने कहा कि यह आतंक नेटवर्क पर एक बड़ा प्रहार है। व्हाइट नाइट कोर ने मारे गए आतंकदियों की तस्वीर भी शेयर की है, जिसके ऊपर लाल रंग में क्रॉस लगे हुए हैं।

इसके पहले, सेना ने संयुक्त अभियान में तीन आतंकवादियों को मार गिराया। ऑपरेशन त्रासी-१ के तहत किश्तवाड़ में इन आतंकियों को मारा गया। व्हाइट नाइट कोर ने जानकारी दी कि आतंकवादी के अवशेष और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सेना ने कहा, स्थिरता को कमजोर करने वालों के लिए कोई जगह, कोई पनाहगाह नहीं है।

अजित पवार का राजीव गांधी जैसा मर्डर

मुंबई (ईएमएस): नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट के विधायक अमोल मिटकरी ने अजित पवार के प्लेन क्रैश हादसे पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि अजित पवार का मर्डर उसी तरह हुआ जैसे एलटीटीई ने राजीव गांधी का मर्डर किया था? क्या कैप्टन सुमित कपूर सुसाइड बॉम्बर बनकर आए थे?

उन्होंने पूछा कि अगर कपूर की पत्नी कह रही हैं कि वह जिंदा हैं, तो क्या सुमित कपूर सच में प्लेन क्रैश में मारे गए थे? वह अकोला जिले के बालापुर तालुका के पारस फाटा में मुरलीधर राउत मित्र मंडल के शिव जयंती प्रोग्राम में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि जब अजित पवार के प्लेन क्रैश का इतना बड़ा राज है तो महाराष्ट्र इतना शांत कैसे है?

दरअसल, पुणे जिले के बारामती में २८ जनवरी को एनसीपी नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान क्रैश हुआ था। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री सहित ५ लोगों की मौत हुई थी। हादसे पर तभी से लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने ऐसा क्या कह दिया कि लुटियंस बनाम राजाजी पर हो गई बहस तेज

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के बाद राजधानी में 'लुटियंस बनाम राजाजी' को लेकर नई बहस छिड़ गई है। दरअसल अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के १३१वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा, कि राष्ट्रपति भवन परिसर में लगी ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा को हटाकर उसकी जगह सी. राजगोपालाचारी (राजाजी) की मूर्ति स्थापित की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के इस ऐलान के बाद राजनीतिक और बौद्धिक हलकों में प्रतीकों की राजनीति और औपनिवेशिक विरासत पर बहस तेज हो गई है। २३ फरवरी को राष्ट्रपति भवन में 'राजाजी उत्सव' मनाने और २४ फरवरी से १ मार्च तक राजगोपालाचारी पर प्रदर्शनी आयोजित करने की भी घोषणा की गई है। सी. राजगोपालाचारी स्वतंत्र भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल (१९४८-१९५०) थे। ब्रिटिश काल में जिस भवन को वायसरॉय हाउस कहा जाता था, वही आज राष्ट्रपति भवन है। आजादी के बाद इसी भवन में राजाजी ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का दायित्व संभाला। इसे औपनिवेशिक सत्ता से स्वदेशी नेतृत्व में परिवर्तन का प्रतीक माना जाता है।

राजाजी का जन्म १० दिसंबर १८७८ को मद्रास प्रांत (वर्तमान तमिलनाडु) के सेलम जिले में हुआ था। वे स्वतंत्रता आंदोलन के सक्रिय नेता रहे और महात्मा गांधी के करीबी सहयोगियों में गिने जाते थे। १९३० में उन्होंने मद्रास प्रांत में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया और जेल भी गए। वे १९३७ में मद्रास प्रांत के प्रीमियर (प्रधानमंत्री) रहे, आजादी के बाद बंगाल के राज्यपाल बने और बाद में गवर्नर-जनरल नियुक्त हुए। १९५४ में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। एडविन लुटियंस ब्रिटेन के प्रसिद्ध वास्तुकार थे, जिन्हें नई दिल्ली की रूपरेखा तैयार करने का श्रेय दिया जाता है। १९११ में जब ब्रिटिश शासन ने राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने का निर्णय लिया, तब नई दिल्ली के प्रशासनिक क्षेत्र की योजना लुटियंस को सौंपी गई। राष्ट्रपति भवन (तत्कालीन वायसरॉय हाउस), नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और राजपथ क्षेत्र की डिजाइनिंग में उनकी प्रमुख भूमिका रही। इसी कारण केंद्रीय दिल्ली का इलाका आज भी लुटियंस दिल्ली के नाम से जाना जाता है।

12 वर्षों में अंग प्रतिरोपण के मामलों में कई गुना वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत ने स्वास्थ्य सेवा और जीवन रक्षक प्रणाली के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अंग प्रतिरोपण के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज हुई है। साल २०१३ में जहाँ यह संख्या ५,००० से भी कम थी, वहीं २०२५ में यह करीब २०,००० तक पहुँच गई है- यानी पिछले १२ वर्षों में सीधे चार गुना की वृद्धि।

मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात' में अंगदान के महत्व को रेखांकित किया है और केंद्र सरकार ने देश में अंगदान आंदोलन को निरंतर प्रोत्साहन दिया है। मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में करीब १८ प्रतिशत प्रतिरोपण मृत दाताओं के दान किए गए अंगों से किए जा रहे हैं। वर्ष २०२५ में १,२०० से अधिक परिवारों ने अपने प्रियजनों के निधन के बाद अंगदान कर हजारों लोगों की जान बचाने और कई अन्य के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में योगदान दिया। प्रत्येक दाता को अब बहु-अंग दाता के रूप में माना जा रहा है, जिससे कई प्राप्तकर्ताओं का जीवन बदल रहा है।

१७ सितंबर २०२३ से आधार-आधारित सत्यापन प्रणाली के माध्यम से ४.८ लाख से अधिक नागरिकों की मृत्यु के बाद अंग और ऊतक दान के लिए पंजीकरण कराया गया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने हृदय, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे जटिल अंग प्रतिरोपण करने में दक्षता हासिल की है। बयान में कहा गया कि भारत हस्त प्रतिरोपण में विश्व में अग्रणी है और किसी भी अन्य देश की तुलना में यहां हाथ के प्रतिरोपण के अधिक मामले सामने आते हैं।

बीते एक वर्ष में देश में मृतकों के अंगदान में ऐतिहासिक वृद्धि, बेहतर प्रतिरोपण समन्वय और राष्ट्रीय स्तर पर अंग दान की प्रणाली में सुधार हुआ है, जिससे अधिक मरीजों को समय पर और समान रूप से जीवन रक्षक प्रतिरोपण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। मंत्रालय ने कहा कि एनओटीटीओ को राष्ट्रीय समन्वय प्राधिकरण के रूप में सशक्त किया गया है, जिससे वास्तविक समय में अंग आवंटन और राज्यों के बीच निर्बाध सहयोग संभव हुआ है।

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक से मुलाकात कर की साहस की सराहना

नई दिल्ली,(ईएमएस): लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में जिम ट्रेनर दीपक कुमार से मुलाकात की। दीपक उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कोटद्वार में एक मुस्लिम बुजुर्ग दुकानदार- एडवोकेट अहमद के 'बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर' का बचाव उग्र भीड़ से किया था। सोशल मीडिया पर उन्हें मोहम्मद दीपक के नाम से भी पहचाना जाने लगा। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात दिल्ली में हुई। दीपक कुमार ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है और वे किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ-साथ उनकी मुलाकात सोनिया गांधी से भी हुई। सोनिया गांधी ने उनके साहस की सराहना करते हुए कहा कि समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो एकता और सद्भाव का संदेश दें।

राहुल गांधी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, हर इंसान, एक समान, यही भारतीयता, यही मोहब्बत की दुकान। उत्तराखंड के भाई 'मोहम्मद दीपक' से मुलाकात एकता और साहस की ऐसी ही लौ हर भारतीय युवा में जलनी चाहिए। साझा तस्वीरों में राहुल गांधी और दीपक कुमार बातचीत करते, गले मिलते और हाथ मिलाते नजर आए। इस दौरान कोटद्वार के विजय रावत और एक अन्य युवक भी उनके साथ मौजूद थे। यहां मोहम्मद दीपक कुमार ने कहा कि उन्होंने जो किया, वह मानवीय आधार पर किया और इसे किसी राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि उनका उद्देश्य केवल सद्भाव और भाईचारे का संदेश देना था।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास के मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में एकता और समानता पर जोर देते हुए युवाओं से सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक समालखा में

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च नीति-निर्धारक इकाई, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की महत्वपूर्ण बैठक १३ से १५ मार्च तक हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा में आयोजित होगी। इस तीन दिवसीय बैठक का आयोजन समालखा के पट्टीकल्याण स्थित ग्राम विकास एवं सेवा साधना केंद्र में किया जाएगा। संघ के शताब्दी वर्ष के आयोजनों को लेकर यह बैठक काफ़ी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बैठक में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सभी सह-सरकार्यवाहों सहित संघ के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। मुख्य बैठक १३ मार्च से शुरू होगी। हालांकि संघ की छोटी टोली (प्रमुख पदाधिकारियों की टीम) की तैयारी बैठकें ९ मार्च से ही प्रारंभ हो जाएंगी। बैठक में शताब्दी वर्ष की कार्यक्रमों की समीक्षा होंगी। इस उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे कार्यक्रमों और गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

बैठक में देश के समसामयिक सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श होगा। बैठक में संगठन से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी हो सकते हैं। गौरतलब है कि संघ अपनी कार्यपद्धति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रांतों को संभागों में विभाजित कर कार्य को जमीनी स्तर तक ले जाने की योजना पर काम कर रहा है। संगठन के ढांचे को मजबूती देने के लिए इस बैठक में सांगठनिक बदलावों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जो पीएम मोदी को गाली देते हैं उन्हें कंबल नहीं : बीजेपी नेता

टोंक (ईएमएस): राजस्थान के टोंक में कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया पर मुस्लिम महिलाओं से भेदभाव करने का आरोप लगा है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में बीजेपी नेता जौनपुरिया धर्म पूछकर महिलाओं से कंबल वापस लेते और उन्हें वहां से लौटने को कहते दिख रहे हैं। वीडियो में वे कहते सुनाई देते हैं कि जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देते हैं, उन्हें कंबल नहीं मिलेगा।

वायरल वीडियो में जौनपुरिया पहले महिलाओं को कंबल बांटते दिखते हैं, फिर एक महिला का नाम पूछने के बाद, जब उन्हें पता चलता हैं कि वह महिला मुस्लिम है, तब पूर्व सांसद अपने सहयोगियों को उस महिला को कंबल नहीं देने का निर्देश देते हैं।

जिन महिलाओं को पहले कंबल दे दिए गए थे, जौनपुरिया उनसे भी वापस करने को कहते हैं। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीण जब इसका विरोध करते हैं, तब वह कहते हैं, यह मेरा निजी कार्यक्रम है, मैं जिसे चाहूं दूं।

वीडियो में कई लोग भाजपा नेता से मुस्लिम महिलाओं को कंबल देने से इंकार करने पर सवाल करते हुए दिखाते है। वे बताते हैं कि महिलाओं ने घंटों इंतजार किया लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। इस पर सुखबीर सिंह कहते हैं कि कि वह बहस नहीं करना चाहते और फिर वहां से चले जाते हैं। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने वायरल वीडियो को शेयर किया और पूर्व सांसद जौनपुरिया पर मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया।

उन्होंने पोस्ट किया, भाजपा के पूर्व सांसद जौनपुरिया टोंक में कंबल बांट रहे थे। तभी उन्होंने गरीब मुस्लिम महिला का अपमान कर उससे कंबल वापस ले लिया। असल में, संकीर्ण और घृणित मानसिकता वाला यह व्यक्ति खुद दिल और सोच से बहुत गरीब है।

भारत टैक्सी सर्विस से जुड़े ड्राइवरों के साथ शाह ने की मुलाकात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की भारत टैक्सी सर्विस से जुड़े ड्राइवरों के साथ बैठक हुई। दोनों के बीच हुई बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार के कोऑपरेटिव मॉडल को मजबूत करना है। इसके साथ ही सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि इस नई व्यवस्था में गाड़ी चलाने वाला ड्राइवर महज एक कर्मचारी नहीं, बल्कि खुद मालिक की भूमिका में होगा। बता दें कि यह सर्विस ५ फरवरी को लांच की थी। भारत टैक्सी देश का ऐसा पहला ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म है जो सहकारी सिद्धांत पर काम करता है। केंद्रीय मंत्री शाह ने चालकों से बात कर कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य बिचौलियों को खत्म कर सीधा लाभ उन लोगों तक पहुँचाना है जो जमीन पर पसीना बहाते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मॉडल के तहत होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवरों की जेब में जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान गृहमंत्री शाह ने केवल अपनी बात नहीं रखी, बल्कि ड्राइवरों की चुनौतियों को भी करीब से समझा। उन्होंने भारत टैक्सी के सारथियों से उनकी समस्याओं पर फीडबैक लेकर भविष्य में इस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए उनके सुझाव मांगे। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र का विस्तार करना प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है, ताकि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक आजादी मिल सके।

दो एप ने लाखों स्मार्टफोन यूजर्स का डेटा लीक किया

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में डेटा लीक का नया मामला सामने आया है, जहां दो एप ने लाखों स्मार्टफोन यूजर्स का डेटा लीक कर दिया। इसमें एक एआई टूल्स भी मौजूद है। ये जानकारी एक रिपोर्ट में दी है। ये एप गूगल प्ले स्टोर पर मौजूद थे और इन एप को करीब २५ देशों में इस्तेमाल किया जा रहा था। रिपोर्टस के मुताबिक, वीडियो एआई आर्ट जनरेटर एंड मेकर नाम का एप है। इस एप को ५ लाख से अधिक बार इंस्टॉल किया जा चुका है। इस ११ हजार से ज्यादा रिव्यू हासिल हुए हैं। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि डीओ एआई आर्ट जनरेटर एंड मेकर एप की वजह से १५ लाख से अधिक यूजर इमेज, ३.८५ लाख से ज्यादा वीडियो और कई एआई जनरेटेड फाइल्स लीक हुई हैं। रिसर्चर ने पता लगाया है कि प्ले स्टोर पर मौजूद एप में गलत तरीके से कॉन्फिगर किए गए गूगल क्लाउड स्टोरज बकेट की वजह से मीडिया फाइल्स तक बिना ऑथेंटिकेशन के एक्सेस संभव हो सका है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर १२टीबी से अधिक डेटा, यानी एप के १३ जून २०२३ को लॉन्च होने के बाद से जमा ८२.७ लाख फाइल्स लीक हो चुकी हैं।

कड़ाके की सर्दियों के दौरान ब्रेन स्ट्रोक के मामलों में बढ़ोतरी

जम्मू (ईएमएस): कड़ाके की सर्दियों के दौरान ब्रेन स्ट्रोक के मामलों में बढ़ोतरी को देखकर इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन (आईएसए) ने जम्मू में स्थानीय डाक्टरों के लिए विशेष स्ट्रोक रेडीनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य स्ट्रोक की शुरुआती पहचान, आपातकालीन प्रतिक्रिया और त्वरित उपचार व्यवस्था को मज़बूत करना है, ताकि ठंड के चरम महीनों में स्ट्रोक से होने वाली दिव्यांगता और मौतों को कम कर सके।

आईएसए के डॉक्टर ने कहा कि सर्दी केवल असुविधाजनक नहीं होती। यह मस्तिष्क के लिए खतरनाक भी होती है। जम्मू जैसे क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने का कारण बनती है, इससे इस्केमिक और हेमरेजिक, दोनों तरह के स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जनवरी और फरवरी के दौरान स्थानीय स्तर पर स्ट्रोक के लिए तत्परता बेहद ज़रूरी हो जाती है। आईएसए के सचिव डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि जम्मू में सर्दियों से जुड़ी विशेष चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य फ्रंटलाइन डॉक्टरों को स्पष्ट और व्यावहारिक निर्णय लेने के उपकरण देना है, ताकि किसी भी तरह की देरी न हो। यदि हर क्लिनिक और आपातकालीन कक्ष मानकीकृत स्ट्रोक प्रोटोकाल का पालन करे, तब रोके जा सकने वाले मस्तिष्क क्षति को कम किया जा सकता है और जीवित रहने की दर में सुधार संभव है। जमीनी स्तर पर तैयारी ही मौसमी स्ट्रोक बढ़ोतरी के खिलाफ सबसे मजबूत रक्षा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोकल डाक्टरों और आपातकालीन टीमों को लक्षण पहचानाने, त्वरित रेफरल प्रणाली, आपातकालीन इमेजिंग समन्वय, ४-५ घंटे की थ्रोम्बोलाइसिस विंडो की जानकारी, अस्पताल की तैयारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के समन्वय तथा पोस्ट-स्ट्रोक स्थिरीकरण और पुनर्वास योजना जैसे व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

हालिया अस्पताल आंकड़ों और न्यूरोलाजी विभाग के रुझानों के अनुसार, जनवरी और फरवरी के दौरान स्ट्रोक से संबंधित भर्ती मामलों में २०-३० प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। गंभीर शीतलहर के दौरान जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में रोज़ाना १०-१५ स्ट्रोक मरीज सामने आ रहे हैं, जबकि पहले यह संख्या २-४ मामलों प्रतिदिन थी।

दो पुलिसकर्मियों की हत्या से दुखी कांग्रेस सांसद रंधावा ने शाह को लिखा खत

गुरदासपुर (ईएमएस): कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने गुरदासपुर में दो पुलिसकर्मियों की हत्या के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि इस घटनाक्रम को संभावित आतंकी हमला मानकर उच्चस्तरीय जांच कराएं। कांग्रेस सांसद रंधावा ने पोस्ट किया, दोरांगला बॉर्डर नाके पर २ पंजाब पुलिसकर्मियों की निर्मम हत्या अत्यंत गंभीर मामला है। मैंने केंद्रीय गृह मंत्री शाह को पत्र लिखकर संभावित आतंकी हमला मानकर उच्चस्तरीय जांच, बीएसएफ-पंजाब पुलिस समन्वय की समीक्षा और शहीदों के परिवारों को न्याय व सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद ने लिखा, मैं अपने चुनाव क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक बॉर्डर चेक-पोस्ट पर पंजाब पुलिस के दो जवानों की बेरहमी से हत्या से बहुत दुखी हूं। इस घटना ने संवेदनशील ड्यूटी पर तैनात अग्रिम पंक्ति के कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हमारी सुरक्षा व्यवस्था की क्षमता पर जनता के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाया है।

उन्होंने लिखा, जिस चेक-पोस्ट पर असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर गुरनाम सिंह और होमगार्ड अशोक कुमार मृत मिले, वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस का एक ज्वाइंट नाका था, जो अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर दूसरी लाइन ऑफ डिफेंस का हिस्सा था। बताया गया है कि नाके के लिए भेजी गई बीएसएफ की टुकड़ी उस रात ड्यूटी पर नहीं आई।

अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन ने भी पंजाब और हरियाणा के छात्रों के आने पर रोक लगा दी

चंडीगढ़ (ईएमएस); अमेरिका में प्रवासियों के खिलाफ पहले से कड़ी नीतियों के बीच अब ब्रिटेन (यूके) से भी पंजाब और हरियाणा के छात्रों के लिए चिंताजनक खबर आई है। जानकारी के अनुसार, यूके की कुछ प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियों ने पंजाब और हरियाणा के छात्रों के कुछ श्रेणी के आवेदनों को अस्थायी रूप से स्वीकार करना बंद किया है। इस कदम से उन हजारों विद्यार्थियों की योजनाओं पर असर पड़ा है, जो उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन जाने को तैयार थे।

बताया जा रहा है कि कुछ संस्थानों ने अपनी जांच में पाया कि इन राज्यों से आने वाले कई छात्र स्टडी वीजा पर यूके पहुंचने के बाद पढ़ाई बीच में छोड़कर नौकरी करने लगते हैं। इससे विश्वविद्यालयों की वीजा अनुपालन (वीजा कंप्लायंस) रेटिंग प्रभावित होती है। वीजा नियमों के उल्लंघन से संबंधित मामलों में वृद्धि होने के कारण संस्थानों ने जोखिम कम करने के लिए सख्ती बढ़ा दी है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज बर्मिंघम ने हरियाणा और पंजाब के अभिभावकों को यूके सरकार के नए दिशा-निर्देशों के बारे में सचेत किया है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि यह कोई आधिकारिक प्रतिबंध या यूके सरकार की ओर से लगाया गया कानूनी बैन नहीं है, बल्कि संबंधित शिक्षण संस्थानों द्वारा अपने स्तर पर लिया गया एहतियाती निर्णय है। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में एजेंटों के माध्यम से फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र और गलत बैंक दस्तावेज जमा कराए गए। इसतरह के मामलों ने विश्वविद्यालयों की विश्वसनीयता और स्पॉन्सरशिप लाइसेंस पर भी असर डाला है। यही वजह है कि कुछ अन्य राज्यों-जैसे गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर-के आवेदनों की भी कड़ी जांच की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि जो छात्र वास्तव में पढ़ाई के उद्देश्य से विदेश जाना चाहते हैं, वे केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों में ही आवेदन करें और सभी दस्तावेज पूरी पारदर्शिता के साथ जमा करें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी न केवल वीजा अस्वीकृति का कारण बन सकती है, बल्कि भविष्य के अंतरराष्ट्रीय अवसरों को भी स्थायी रूप से प्रभावित कर सकती है।

26 को लगेगा सोलर मेला 78 हजार तक मिलेगी सब्सिडी

पटना (एजेंसी): पटना में स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत पटना इलेक्ट्रिक सप्लाई यूनिट द्वारा २६ फरवरी को विशेष सोलर मेला २०२६ का आयोजन किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर सिस्टम से जोड़ना और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि राज्य में शहर की छतें ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बन सकें। जानकारी के अनुसार, इसका आयोजन ऊर्जा आडिटोरियम शास्त्रीनगर में सुबह १० बजे से शाम ४ बजे तक चलेगा। मेले में आगंतुकों के लिए इस योजना की जानकारी देने के साथ-साथ तकनीकी मार्गदर्शन और ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की विशेष व्यवस्था रहेगी। वहीं, कार्यक्रम में रूफटॉप सोलर सिस्टम की कार्यप्रणाली, लागत, रखरखाव और बचत से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाएगी। अपनी छत, अपनी बिजली का संदेश इस मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

बताया जा रहा है कि मेले के दौरान उपभोक्ताओं को बैंक लोन, सरकारी सब्सिडी तथा नेट-मीटरिंग से जुड़े पहलुओं पर विशेषज्ञों से परामर्श का अवसर मिलेगा। एमएनआरई, डिआइएससीओएम तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे, जबकि प्रमाणित सोलर वेंडर्स अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर जिले के उन उपभोक्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर अपना बिजली बिल शून्य कर लिया है।

इन जीरो बिल उपभोक्ताओं का सम्मान अन्य नागरिकों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव सह सीएमडी, बीएसपीएचसीएल के मनोज कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा।

वहीं, आयोजन में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, उपभोक्ता और सोलर उद्यमियों की भागीदारी रहेगी। जानकारी के मुताबिक, मेले में ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अतिरिक्त मेला छूट मिलने के साथ आसान ऋण सुविधा और सरकारी सब्सिडी का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि इस योजना के तहत एक से दो किलोवाट पर ३०,००० रुपये प्रति किलोवाट तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर अधिकतम ७८,००० रुपये तक सब्सिडी उपलब्ध है। वहीं, आयोजकों ने नागरिकों से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी छत को मिनी पावर हाउस बनाने और हर वर्ष हजारों रुपये की बचत करने की अपील की है।

4 राज्यों के लिए 118 एसी बसों का परिचालन शुरू

पटना (एजेंसी): होली और ईद जैसे प्रमुख त्योहार के मौके पर घर लौटने वाले प्रवासी बिहारियों के लिए अंतर्राज्यीय बसें शुरू हो गई हैं. बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने बिहार से दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के प्रमुख रूटों पर कुल ११८ एसी बसों का परिचालन शुरू कर दिया है. यह सेवा २३ फरवरी से २३ मार्च तक एक महीने के लिए उपलब्ध रहेगी, जिससे लाखों यात्रियों को किफायती और आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा.

सोमवार से बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के सभी रूटों पर बसें शुरू हो गई हैं, जबकि दिल्ली और हरियाणा के लिए दोनों दिशाओं से सेवा चालू है. इन बसों में एसी सीटर और एसी स्लीपर दोनों श्रेणियां शामिल हैं और सरकार टिकट पर भारी सब्सिडी दे रही है, जिससे किराया काफी कम हो गया है. निगम के अनुसार, बिहार-दिल्ली रूट पर सबसे अधिक ६७ त्योहारी बसें व हरियाणा के लिए ५१ बसों का परिचालन हो रहा है.

बिहार में हर महीने 6 करोड़ का चालान वसूल रहा है परिवहन विभाग

पटना (एजेंसी): पटना स्थित बिहार से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगाए गए ई-डिटेक्शन सिस्टम के तहत हर माह औसतन ६ करोड़ रुपये का चालान काटने की जानकारी सामने आई है। टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों के फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाण-पत्र के अपडेट नहीं रहने पर आटोमैटिक ई-चालान काटा जा रहा है। वहीं, परिवहन विभाग का कहना है कि अभी तक राज्य के ३२ टोल-प्लाजा ई-डिटेक्शन से लैस थे। जल्द ही ९ और टोल प्लाजा को ई-डिटेक्शन से लैस किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, परिवहन विभाग द्वारा राज्य में अगस्त २०२४ में टोल-प्लाजा पर ई-डिटेक्शन सिस्टम से चालान काटे जाने की प्रक्रिया की शुरुआत किया गया था।

आंकड़ों के मुताबिक टोल प्लाजा पर सितंबर, २०२५ तक १ लाख ४९ हजार ४९० चालान जारी किए गए है, जिसके अंतर्गत करीब ८० करोड़ रुपये का जुर्माना वाहन मालिकों पर लगाया गया है। इसमें करीब एक-चौथाई चालान ही जमा हो पाया है। परिवहन विभाग ने चालान नहीं जमा करने वाले वाहन चालकों को चिह्नित कर कार्रवाई का निर्देश सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को भेज दिया है।

यह प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर संचालित एनआईसी तकनीकी सहयोग से जुड़ी है, जो वाहन पंजीकरण एवं संबंधित दस्तावेजों के केंद्रीय डाटाबेस से एकीकृत है। जैसे ही कोई वाहन टोल प्लाजा से गुजरता है, कैमरों द्वारा उसका नंबर प्लेट या फास्टैग स्कैन किया जाता है। इसके बाद संबंधित डाटाबेस से मिलान कर यह सत्यापित किया जाता है कि वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज वैध हैं या नहीं। दस्तावेज सही नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रावधानों के तहत स्वचालित रूप से ई-चालान काटा जाता है।

एसआईआर के तहत बीएलओ ने फॉर्म-6, 7 और 8 एकत्र किए

गाजीपुर (ईएमएस): भारत निर्वाचन आयोग की तय समय-सारिणी के तहत गाजीपुर जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान तेज़ी से जारी है। जिले के ३३७८ मतदान बूथों पर विशेष अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने मतदाताओं से फॉर्म-६, ७ और ८ एकत्र किए। यह अभियान सुबह १०:३० बजे से दोपहर १:३० बजे तक संचालित हुआ, ताकि पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके। अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने विधानसभा क्षेत्र ३७६-जंगीपुर के विभिन्न मतदान स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय गाजीपुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में भाग संख्या ३३८ से ३४६ तक के बूथों का जायजा कर व्यवस्थाओं की जांच की। डीएम ने बीएलओ को आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर निर्वाचक नामावली की स्थिति की जानकारी लेकर फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन ६ जनवरी २०२६ को हो चुका है। जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-६ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। नाम हटाने के लिए फॉर्म-७ तथा विवरण या मतदान स्थल में संशोधन हेतु फॉर्म-८ उपलब्ध है। यह प्रक्रिया ऑनलाइन एप और ऑफलाइन बीएलओ के माध्यम से पूरी की जा सकती है।

प्लास्टिक की कुर्सियों के अंदर चल रहा था अवैध खेल, 27 लीटर देसी शराब जब्त

पटना (एजेंसी): बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद अवैध शराब के कारोबार पर लगाम नहीं लग पा रही है। बिहार स्थित गोपालगंज में होली से पहले उत्पाद विभाग को वाहन जांच के दौरान शराब तस्करी मामले में बड़ी सफलता मिली है। कुचायकोट थाना क्षेत्र के कुर्म टोला जलालपुर रोड से प्लास्टिक की कुर्सियों में छिपाकर लाई जा रही २७ लीटर देसी शराब पकड़ाया है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले में उत्तर प्रदेश का एक व्यक्ति रितेश कुमार नामक गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पुलिस द्वारा छानबीन में पशु चारे और बाइक सीट के नीचे से भी शराब मिली है।

पुलिस और उत्पाद विभाग यूपी-बिहार सीमा पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से लगे जिले गोपालगंज में शराब की खेप पहुंचाने के लिए धंधेबाज नए-नए जुगाड़ अपना रहे हैं। हालांकि पुलिस और उत्पाद विभाग की मुस्तैदी के कारण उनके मंसूबे लगातार नाकाम हो रहे हैं।

वहीं, पुलिस ने मौके से बाइक और शराब जब्त कर ली है और उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बहरहाल, जिले के एसपी विनय तिवारी और मद्य निषेध अधीक्षक अमृतेश कुमार ने साफ कहा है कि होली को लेकर पूरे जिले में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यूपी-बिहार सीमा पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

वरिष्ठ नेता शंकर स्वरूप राम ने कांग्रेस में की वापसी

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। प्रशांत किशोर की पार्टी को झटका देते हुए जन सुराज के वरिष्ठ नेता शंकर स्वरूप राम ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। पटना स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ सदस्यता ग्रहण की। राजेश राम की मौजूदगी में उन्होंने सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर राजेश राम ने कहा कि उनके शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और उनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। वहीं, शंकर स्वरूप राम ने इसे अपनी घर वापसी बताते हुए कहा कि उनकी विचारधारा हमेशा से कांग्रेस के करीब रही है और वे पूरी निष्ठा से पार्टी के लिए काम करेंगे। गौरतलब है कि कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बता दें कि नेता शंकर स्वरूप राम गया जिले के रहने वाले हैं और लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं।

बिहार में होली को लेकर प्रशासन सख्त

पटना (एजेंसी): बिहार स्थित पश्चिमी चंपारण के सेमरा में आज सोमवार को होली पर्व को लेकर पुलिस अधिकारियों ने एक शांतिपूर्ण बैठक की। इस बैठक में थानाध्यक्ष राज रौशन ने डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। बैठक में उन्होंने कहा कि होली में हुड़दंग करने, अश्लील गाने बजाने और लोगों को जबरदस्ती रंग लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी साथ ही डीजे भी जब्त कर ली जाएंगी।

थानाध्यक्ष ने राज्यवासियों से अपील की है कि ऐसे में आप सभी लोगों से अपील की जा रही है कि पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। वहीं, थानाध्यक्ष ने सभी लोगों को कहा कि अगर आपको त्योहार मनाने में कही से भी कोई परेशानी आती है तो उसे हमें बताएं, समय रहते उसे ठीक कर लिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि बिहार में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है। और ऐसे में अगर कोई शराब पीकर हंगामा करता है या फिर जबरदस्ती किसी के साथ कीचड़ और रंग लगाता है तो हुड़दंगियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस पर प्रशासन की कड़ी नजर रख रही है।

एंबुलेंस-अज्ञात वाहन की टक्कर में दो की मौत

पटना (ईएमएस): अथमलगोला थाना क्षेत्र के जगन्नाथ पेट्रोल पंप के पास, बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पटना से पूर्णिया लौट रही एंबुलेंस और अज्ञात वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

राम मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को स्थापित करेंगी श्री राम महायंत्र

अयोध्या (ईएमएस): राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्री राम महायंत्र की स्थापना आगामी १९ मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लोगों को शामिल किया जायेगा। इसे लेकर राम जन्मभूमि परिसर में भव्य आयोजन की तैयारी है। कार्यक्रम में कुल ५००० लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सूचीबद्ध लोगों को बुलाने की योजना है। सभी क्षेत्रों से नाम आ रहे हैं। ऐसे में जिनकी राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका रही है, या ऐसे लोग अभी तक प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण के अवसर पर नहीं आ पाए हैं। उन्हें बुलाने की योजना हैं। ३०० से अधिक निर्माण करने वाली इकाइयों ने राम मंदिर के निर्माण में अपना सहयोग दिया है, उन सभी एजेंसियों को एलएंडटी के माध्यम से अधिकारियों को कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निमंत्रण दिया जा रहा है। इसी तरह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ३००० लोग, एलएंडटी और टाटा के साथ निर्माण कार्य से जुड़े इकाइयों के लगभग २००० की संख्या में लोग उपस्थित रहने वाले हैं। कार्यक्रम की दृष्टि से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन में मुख्य रूप से मंदिर के दूसरे तल पर निर्मित हुए गर्भगृह में श्री राम यंत्र की स्थापना होनी है।

अनिल मिश्र ने बताया कि जिस प्रकार से राम मंदिर में श्रद्धालुओं का दर्शन चल रहा है, उस समय भी चलता रहेगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते प्रशासन अपनी योजना बना रहा है। १९ मार्च को राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के साथ-साथ आने वाले श्रद्धालु रामलला का दर्शन भी कर सकेंगे। ऐसी व्यवस्था श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जिला प्रशासन के साथ तैयार कर रहा है। राम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को बैठने की विशेष सुविधा होगी।

ट्रस्ट के अनुसार, राम मंदिर के आठ एकड़ की परिधि में बने परकोटा के बाहर उत्तरी दिशा के मैदान में अतिथियों को बैठने की व्यवस्था बनाई जा रही है। जिससे हिंदी नव वर्ष और चैत्र शुक्ल नवरात्र के प्रथम दिन पर अयोध्या आने वाले श्रद्धालु राम मंदिर में दर्शन कर सकें। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना भी जताई जा रही है।

शादी का रिसेप्शन में होने लगी फायरिंग, दो भाईयों की मौत

पटना,(ईएमएस): पटना के शाहपुर में रविवार रात जमीन विवाद में दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। करीब एक दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक शादी के रिसेप्शन में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान अचानक फायरिंग शुरू हो गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

दोनों भाइयों को सिर, सीने और शरीर के ऊपरी हिस्से में ५-६ गोलियां मारी गईं हैं। गोली लगने से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मनीष कुमार और उसके छोटे भाई मंजीत के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन का बुरा हाल है।

मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात करीब ९ बजे दोनों भाई गांव के ही दौलत राय के बेटे विक्की की रिसेप्शन पार्टी में गए थे। खेत में पंडाल लगाकर भोज का आयोजन किया गया था, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। भोज के दौरान अचानक १०-१२ हमलावर वहां आ धमके और दोनों भाइयों को घेर लिया। इसके बाद किसी बात को लेकर विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने हथियार निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। घटना में २४ राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इससे समारोह स्थल पर भगदड़ मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए।

रिपोर्ट में परिवार के मुताबिक मनीष और मंजीत पर पहले भी हमला हो चुका था।

भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

पटना (ईएमएस) : बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार विपक्ष के हमले से ज्यादा सत्ताधारी दल भाजपा के अपने ही विधायक विनय बिहारी के बयानों ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। पश्चिमी चंपारण के लौरिया से विधायक विनय बिहारी ने राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताते हुए इसे हटाने या सख्ती से लागू करने की मांग की है। उनके इस बयान ने न केवल एनडीए के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है, बल्कि राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का एक बड़ा मौका भी दे दिया है।

बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विनय बिहारी ने अपनी क्षेत्रीय भाषा भोजपुरी में तंज कसते हुए कहा कि शराब मिलअता, तबे ना लोगवा हिलअता, जिसका अर्थ है कि शराब मिल रही है, तभी लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि आज राज्य में शराब धड़ल्ले से बिक रही है और पीने वाले तथा बेचने वाले दोनों ही जेल जा रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं रुक रही। विधायक ने यहां तक कह दिया कि शादियों और बारातों में जाने पर अक्सर लोग नशे की हालत में मिल जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कानून केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि या तो इस कानून को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए या फिर इसे खत्म कर पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी जाए ताकि राज्य को हो रहे आर्थिक नुकसान और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने २०१६ में बड़े दावों के साथ बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। तब से अब तक लाखों लीटर शराब जब्त की गई है और लाखों लोग जेल की हवा खा चुके हैं, लेकिन समय-समय पर जहरीली शराब कांड में होने वाली मौतों ने इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं।

विनय बिहारी से पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और रालोमो विधायक माधव आनंद भी इस कानून की समीक्षा की वकालत कर चुके हैं, लेकिन किसी एनडीए विधायक द्वारा इसे सीधे तौर पर हटाने की बात कहना पहली बार देखा गया है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। जहाँ एक ओर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा और भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने बचाव की मुद्रा अपनाते हुए कहा कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेकर कानून को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। राजद और कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार के भीतर ही इस कानून को लेकर एकराय नहीं है, जिसका सीधा फायदा माफिया और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों को मिल रहा है।

यौन शोषण मामले में गिरफ्तारी का विरोध नहीं करूंगा : अविमुक्तेश्वरनंद

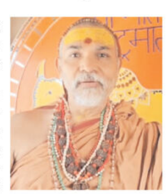

वाराणसी (ईएमएस): ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे। शंकराचार्य ने कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही अदालतों से उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। विदित हो कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोर लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस बीच, इसी प्रकरण को लेकर प्रयागराज पुलिस वाराणसी पहुंच चुकी है। माना जा रहा है कि देर रात अथवा कल सुबह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी हो जायेगी।

शंकराचार्य ने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा कि अगर पुलिस उन्हें इस मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार करती है तो वह इसका विरोध नहीं करेंगे, क्योंकि जो झूठ है वह अंत में साबित हो जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि उनके लिए तीन अदालतें है। उन्होंने कहा कि पहली अदालत जनता है जो सब देख रही है और वह अपना निर्णय देने वाली है। दूसरा न्यायालय मेरा हृदय है, हम जान रहे हैं कि हम गलत नहीं हैं। जबकि तीसरा और सर्वोच्च न्यायालय ईश्वर है। वह सब जानता है कि कौन गलत है और कौन सही। उन्होंने कहा कि तीनों ही अदालतों से मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है, इसलिए मुझे अब किसी का भय नहीं है।

शंकराचार्य ने कहा कि जो झूठ है वह अंत में सामने आ ही जाता है। उन्होंने कहा कि मेरे विरुद्ध जो कहानी गढ़ी गई है उसका सच आज नहीं तो कल, सबके सामने आ ही जाएगा। उन्होंने कहा कि माघ मेले के दौरान वह मेले में सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे क्योंकि चप्पे-चप्पे पर प्रशासन द्वारा सीसीटीवी लगाया गया था। शंकराचार्य ने कहा कि आप लोग वह सीसीटीवी फुटेज निकलवाइये और उसमें देखिए कि मैं कहां था। दूसरा यह कहा जा रहा है कि हमारे गुरुकुल में यह सब हो रहा था। जबकि हमारे गुरुकुल में वे लड़के कभी पढ़े ही नहीं। उन्होंने कभी हमारे गुरुकुल में प्रवेश तक नहीं किया।

उनके परीक्षा अंक पत्र से पता चलता है कि वे हरदोई के एक विद्यालय के छात्र हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब वे लड़के हमारे यहां पढ़ने नहीं है, कभी हमारे यहां आए नहीं है, यहां से कुछ लेना-देना नहीं है तब कैसे उनके साथ कोई कुछ कर सकता है? शंकराचार्य ने कहा कि एक भ्रम यह भी फैलाया जा रहा है कि आरोप लगाने वालों के पास मेरी किसी रिकॉर्डिंग की एक सीडी है, यदि सीडी है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा?

कथावाचक स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज की याचिका पर अदालत ने शनिवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य आरोपियों पर दो किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद देर रात इस सिलसिले में शंकराचार्य उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

झारखंड के राज्यपाल और मंत्री ने किया मतदान नागरिकों से लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील

रांची (एजेंसी): झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के तहत रांची स्थित श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि मतदान लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं सशक्त अंग है। राज्यपाल ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।

उन्होंने स्वेच्छा, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधियों का चयन किया जाना चाहिए जो क्षेत्र, शहर एवं प्रदेश के समग्र विकास के प्रति संवेदनशील और प्रतिबद्ध हों। राज्यभर में नगर निकाय चुनाव के तहत मतदान जारी है और मतदाता लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भी किया मतदान

झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भी रांची नगर निगम चुनाव के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने संत अजय मिडिल स्कूल, दहिसोत बनहोरा स्थित मतदान केंद्र संख्या छह पर पहुंचकर वोट डाला। मतदान के बाद मंत्री ने आम जनता से निकाय चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहर की सरकार चुनने का यह एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक माध्यम है और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने नागरिकों से घरों से निकलकर मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के लिए शिक्षित, अनुभवी और दूरदर्शी सोच रखने वाले ऐसे जनप्रतिनिधि का चयन करें, जो शहर को विकास की दिशा में आगे बढ़ा सके।

सीएम हेमंत की मौजूदगी में पंजाब नेशनल बैंक के साथ कल होगा बड़ा समझौता ज्ञापन, एसजीएसपी योजना की शुरुआत

रांची (एजेंसी): राज्य सरकार और पंजाब नेशनल बैंक के बीच स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज (एसजीएसपी) योजना के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह कार्यक्रम २४ फरवरी २०२६ (मंगलवार) को अपराह्न २:०० बजे प्रोजेक्ट भवन स्थित एनेक्सी भवन, द्वितीय तल सभागार, रांची में आयोजित होगा।

कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय वित्त मंत्री की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर न केवल समझौता ज्ञापन साइन किया जाएगा, बल्कि राज्य के वित्तीय आंकड़ों से संबंधित एक विशेष डैशबोर्ड का भी लोकार्पण किया जाएगा, जिससे वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज (एसजीएसपी) योजना के तहत राज्य सरकार के कर्मियों को बैंकिंग सुविधाओं का विशेष लाभ मिलेगा। इस समझौते के बाद सरकारी कर्मचारियों के वेतन प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय लेन-देन की प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित और डिजिटल बनाया जाएगा।

वित्तीय डैशबोर्ड के माध्यम से राज्य के राजस्व, व्यय और अन्य वित्तीय आंकड़ों की मॉनिटरिंग आसान होगी। इससे वित्त विभाग को रियल टाइम डेटा उपलब्ध होगा और नीति निर्माण में भी सुविधा मिलेगी।

राज्य सरकार इस पहल को वित्तीय पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक अहम कदम मान रही है। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पेड़ पर चढ़कर दतवन तोड़ना पड़ा भारी 11 हजार वोल्ट लगने से गई युवक की जान

रांची (एजेंसी): रांची जिला स्थित बुढ़मू थाना क्षेत्र के नाऊज गांव में करंट लगने से एक १४ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसा नाऊज गांव ठाकुरगांव-बुढ़मू मुख्य मार्ग पर बिंदू बसाईर के सामने हुआ। मृतक की पहचान सिकंदर लोहरा के पुत्र सोनू लोहरा के रूप में हुई है।

घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दरअसल, यह घटना तब हुई जब सोनू लोहरा दतवन तोड़ने के लिए करंज के पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान वह पेड़ से सटे ११ हजार वोल्ट के बिजली की तार की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह पेड़ पर ही अचेत हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, हादसे के दौरान बिजली की तार टूट गया, जिससे पेड़ के नीचे आग भी सूखी झाड़ियों में आग लग गई।

आसपास के लोगों जब देखा तो तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिजली विभाग को सूचना दी और सप्लाई बंद करवाई। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंचल अधिकारी सच्चिदानंद वर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग के किनारे इस तरह खुले में ११ हजार वोल्ट का तार रहना बेहद खतरनाक है। लोगों ने कहा कि इसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही सोनू की मां बेटे का शव देखकर बदहवास होकर गिर पड़ीं। आसपास के लोगों ने पानी का छिड़काव कर उन्हें होश में लाया। परिवार और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है।

केंद्रीय मंत्री और एनसीएसटी की सदस्य ने भी डाला वोट

रांची (एजेंसी): केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने डीएवी जूनियर काजू बागान में अपना मतदान किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में हर किसी को मतदान करना चाहिए। जिससे कि विकास में हर किसी की भागीदारी हो।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने भी वार्ड संख्या १० के होली क्रॉस पब्लिक स्कूल वर्धमान कंपाउंड लालपुर में मतदान किया। उन्होंने कहा कि अपने अमूल्य वोट की ताकत को समझें तथा आइए संकल्प लें कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग कर सशक्त लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करेंगे।

इसके अलावा राज्य के वरीय अधिकारियों, डॉक्टरों व आम लोगों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब २७ फरवरी को चुनाव का रिजल्ट आएगा।

राज्य के 48 शहरी निकायों में 61.84% मतदान, रांची में सबसे कम 43.28%

रांची (एजेंसी): राज्य के ४८ शहरी स्थानीय निकायों में शाम पांच बजे तक कुल ६१.८४ प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। सबसे कम मतदान रांची में हुआ है, जहां केवल ४३.२८ प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

यह जानकारी अलका तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राज्य भर में कुल ६१.८४ प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि अंतिम आंकड़ों में मामूली बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत से संबंधित अंतिम आंकड़ा सभी सक्षम स्तर के पदाधिकारियों की रिपोर्ट मिलने के बाद स्पष्ट होगा। चुनाव से जुड़े सभी अधिकारियों की विस्तृत रिपोर्ट कल तक आने की उम्मीद है।

राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोग अब अंतिम संकलित रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आधिकारिक रूप से अंतिम मतदान प्रतिशत जारी किया जाएगा।

झारखंड का 'दक्ष विश्वविद्यालय' फर्जी घोषित

यूजीसी ने जारी की चेतावनी, कहा- यहां की डिग्री पर नहीं मिलेगी नौकरी

रांची (एजेंसी): देशभर के ३२ संस्थानों को फर्जी घोषित करने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सूची में झारखंड का कथित 'दक्ष विश्वविद्यालय' भी शामिल हो गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे संस्थानों द्वारा जारी डिग्रियां न तो सरकारी या निजी नौकरी के लिए मान्य होंगी और न ही उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकार की जाएंगी। यूजीसी के अनुसार, ये संस्थान विश्वविद्यालय होने का दावा करते हैं, जबकि इन्हें न केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार से वैधानिक मान्यता प्राप्त है। आयोग ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

सूची में शामिल झारखंड के दक्ष विश्वविद्यालय का पता भास्कर पथ, न्यू पुनदाग, मसीबारी, रांची-८३४००७ बताया गया है। स्थानीय स्तर पर जांच करने पर वहां ऐसा कोई विश्वविद्यालय संचालित होता नहीं मिला। आसपास के लोगों ने भी इस नाम के किसी शिक्षण संस्थान के अस्तित्व से इनकार किया।

हालांकि ऑनलाइन सर्च करने पर विश्वविद्यालय के नाम से एक वेबसाइट दिखाई देती है, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों और डिग्री कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है। लेकिन वेबसाइट पर कोई स्पष्ट संपर्क नंबर, अधिकृत कार्यालय या प्रशासनिक ढांचे की ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। इससे आशंका और गहराती है कि यह संस्थान केवल कागजों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक सीमित है।

विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया

रांची विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडिकेट सदस्य डॉ. अटल पांडे ने कहा कि 'दक्ष विश्वविद्यालय' नाम का कोई मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय झारखंड में अस्तित्व में नहीं है। यदि कोई संस्था विश्वविद्यालय के नाम पर छात्रों को गुमराह कर रही है तो उस पर तत्काल सरकारी कार्रवाई होनी चाहिए।

स्टेट यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ. राजकुमार ने कहा कि फर्जी विश्वविद्यालय अक्सर आकर्षक विज्ञापनों, त्वरित डिग्री, ऑनलाइन कोर्स और कम शुल्क के जरिए छात्रों को फंसाते हैं। बाद में डिग्री की वैधता पर सवाल उठने पर छात्रों का करियर संकट में पड़ जाता है।

वर्तमान में झारखंड में लगभग ३० से ३२ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय संचालित हैं। पूर्व कुलपति एस.एन. मुंडा ने कहा कि जागरूकता ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पुष्टि करना आवश्यक है, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

मेयर प्रत्याशी रोशनी खलखो ने किया मतदान, लोगों से वोट देने का आह्वान

रांची (एजेंसी): रांची सहित झारखंड के ४८ नगर निकायों में सोमवार सुबह ७ बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई। भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी रोशनी खलखो ने भी अपने मतदान केंद्र पर जाकर वोट डाला और मतदाताओं से मतदान करने का आह्वान किया। झारखंड के ४८ नगर निकायों में नगर सरकार चुनने के लिए मतदान की प्रक्रिया सोमवार सुबह ७ बजे से शुरू हो गई। लंबे अंतराल के बाद हो रहे नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मतदान शाम ५ बजे तक चलेगा। निर्धारित समय तक कतार में खड़े सभी मतदाताओं को वोट देने का अवसर दिया जाएगा। निकाय क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है। कुल ४३०७ मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो २१२९ मतदान भवनों में संचालित हो रहे हैं। इनमें २४४५ मतदान केंद्रों को संवेदनशील और ८९६ को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

दुबई के बुर्ज खलीफा में होगा ओलचिकी शताब्दी समारोह, सीएम हेमंत सोरेन से मिला डेलीगेशन

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट, रायरंगपुर (ओडिसा) के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी ११ एवं १२ अप्रैल २०२६ को दुबई स्थित बुर्ज खलीफा में प्रस्तावित ओलचिकी शताब्दी समारोह के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समारोह की रूपरेखा, उद्देश्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओलचिकी लिपि को पहचान दिलाने की पहल पर विचार-विमर्श हुआ।

मौके पर प्रतिनिधियों ने सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा ओलचिकी लिपि में अनूदित झारखंड का मानचित्र मुख्यमंत्री को सप्रेम भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री चुन्नियान मुर्मु, कोषाध्यक्ष श्री अंता आलोक बास्के तथा सदस्य डॉ. डुमनी माई मुर्मु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और इसे सांस्कृतिक पहचान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया।

आदित्य साहू ने लगाया निकाय चुनाव में धांधली का आरोप

जुगसलाई के वार्ड नं-10 में दोबारा मतदान कराने की रखी मांग

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आज सोमवार शाम साढ़े ५ बजे भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता किया, जिसमें उन्होंने राज्य में निकाय चुनाव को लेकर कहा कि लोकतंत्र का महापर्व संपन्न हुआ और लगभग ५०% मतदान हुए हैं।

इसलिए मैं राज्य के ४८ नगर निकायों की जनता और निर्वाचन आयोग को धन्यवाद देता हूँ। यह चुनाव भाजपा के दवाब के कारण हुआ है। यह सरकार कभी भी निकाय चुनाव नही करवाना चाहती थी। हमने पहले भी आशंका जाहिर किया था कि यह सरकार पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर हथकंडे अपनायेगी। यह सरकार ने लाखों मतदाताओं को वोट से वंचित किया और जो मतदाता भगवा गमछा धारण करके आए थे उन्हें मतदान करने से रोका गया।

वहीं, एक दल विशेष को सहयोग करने का सूचना प्राप्त हुआ है। पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर राज्य की सत्ताधारी दल ने जनता के अधिकार को तार-तार कर दिया।

मतदाताओं ने दूर-दूर जाकर अपने मत का प्रयोग किया गया। वहीं, मुस्लिम मतदाताओं को बिना वोटर आईडी जांच के ही मतदान करने दिया गया। इसलिए जुगसलाई के वार्ड नं - १० में फिर से मतदान करवाया जाए। यह हम चुनाव आयोग से मांग करते हैं। भाजपा समर्थित प्रत्याशी अधिकतर सीटों पर विजय हासिल करेंगे। चुनाव आयोग से मांग करते हुए निष्पक्ष तरीके से मतगणना सम्पन्न करवाये किसी प्रकार की धांधली होती है तो हम लोग ईंट से ईंट बजा देंगे। सरकार आती हैं और जाती हैं इसलिए अधिकारी सरकार का टूल किट ना बनें।

कर्बला चौक पर मतदान केंद्र के बाहर उम्मीदवारों के समर्थक आमने-सामने, पुलिस ने खदेड़ा

रांची (एजेंसी): नगर निकाय चुनाव के दौरान रांची के कर्बला चौक स्थित मतदान केंद्र के बाहर पार्षद पद के उम्मीदवारों के समर्थक आमने-सामने हो गए। वहीं मतदान केंद्र परिसर में अचानक भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही लोअर बाजार थाना प्रभारी ने खुद मोर्चा संभालते हुए लोगों को मतदान केंद्र से खदेड़ते हुए मतदान केंद्र के बाहर का रास्ता दिखाया।

मिली जानकारी के अनुसार कुछ लोग बिना किसी कारण के मतदान केंद्र के बाहर खड़े थे। जिससे वहां पर भीड़-भाड़ जैसा माहौल हो गया। थाना प्रभारी ने सख्त हिदायत दी कि लोग मतदान करने के बाद तुरंत परिसर छोड़ दें और बिना वजह केंद्र के आसपास भीड़ न लगाएं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है।

पृष्ठ एक का शेषांश

पीएम मोदी के---

डोम तथा इजरायल की अन्य रक्षा प्रणालियों के संबंध में सहयोग, जिनकी तकनीक हम भारत में अपने साझेदारों के साथ साझा कर सकते हैं। इजरायल की आयरन डोम प्रणाली मौजूदा दौर में सबसे उन्नत और विश्वसनीय मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक मानी जाती है। आयरन डोम सिस्टम अपनी ९० प्रतिशत से अधिक की सफलता दर के लिए जाना जाता है, जो दुश्मन की छोटी दूरी की मिसाइलों और रॉकेटों को हवा में ही तबाह कर देता है। यह विशेष रूप से कम और मध्यम दूरी की मिसाइलों, रॉकेटों और ड्रोन हमलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए डिजाइन की गई है। हालिया संघर्ष के दौरान, इस प्रणाली ने अपनी अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। ईरान की ओर से दागी गईं लगभग ४५० मिसाइलों और १००० ड्रोनों में से आयरन डोम ने ९० प्रतिशत से अधिक को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट (रोकना) किया था। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर किसी भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

शीर्ष अदालत में---

पर सीजेआई ने आपत्ति जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एडवोकेट नेदुम्पारा ने कहा अडानी और अंबानी के लिए बेंच बन रहीं हैं, लेकिन एनजेएसी की चुनौती पर सुनवाई नहीं हो रही है। इतना कहते ही सीजेआई ने उन्हें जमकर फटकार लगाकर चेतावनी भी दे दी। सीजेआई ने कहा, मिस्टर नेदुम्पारा, आप जो भी मेरी कोर्ट में पेश कर रहे हैं, उस लेकर जरा सावधान रहें। आपने मुझे चंडीगढ़ में देखा है, दिल्ली में देखा है...। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, सावधान रहें। ऐसा बिल्कुल भी मत सोचिएगा कि आप जिस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं, वैसा ही करते रहने वाले है। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। बीते गुरुवार को सीजेआई एक जनहित याचिका देखकर भी नाराज हुए थे। उन्होंने कहा था, अगर भारत के शीर्ष न्यायालय के सामने याचिकाओं का ऐसा स्तर है, तब भगवान याचिका के कानून को बचाए। साथ ही उन्होंने इसपर सुनवाई करने से इंकार किया था। इससे पहले वह वकीलों की तरफ से एआई यानी आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस की मदद से याचिकाएं लिखने पर भी नाराज हो गए थे।

इच्छा शक्ति के बल पर---

लड़ाई में सबसे अहम भूमिका इच्छा शक्ति की होती है। समय पर इलाज और इच्छा शक्ति के बल पर कैंसर के रोग से निजात पाई जा सकती है। यह इस अध्ययन से प्रमाणित हुआ है।

पसमांदा मुस्लिमों को---

का समूह है जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े माने जाते हैं। लंबे समय से उन्हें मेन स्ट्रीम के आरक्षण का लाभ दिए जाने की मांग उठ रही है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इसके लिए अदालत कुछ नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता के वकील ने आंध्र प्रदेश में मुसलमानों के भीतर ओबीसी वर्गीकरण और ४त्न आरक्षण से जुड़े एक लंबित मामले का हवाला दिया। इस पर बेंच ने बताया कि आर्टिकल ३२ के तहत दायर याचिका में इस तरह के जटिल नीतिगत फैसले नहीं लिए जा सकते। अदालत ने कहा कि आरक्षण की सूची में किसी समुदाय को जोडऩा एक नीतिगत मामला है, जिसके लिए विस्तृत डेटा और सर्वेक्षण की जरूरत होती है।

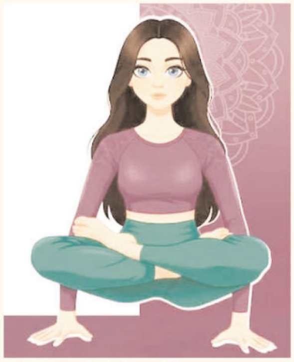

हाथ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत बनाने के लिए करें ये पावरफुल योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने का आसान उपाय योगासन में छुपा है. योग न केवल शरीर बल्कि मन को भी संतुलित और स्वस्थ रखता है. इन्हीं में से एक है उत्थित पद्मासन, जिसका रोजाना थोड़ा अभ्यास भी कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उत्थित पद्मासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है. मंत्रालय के अनुसार, योग अनुशासन और शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य का श्रेष्ठ मार्ग है. उत्थित पद्मासन का नियमित अभ्यास शरीर का संतुलन बेहतर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है.

क्या है उत्थित पद्मासन?

यह आसन पद्मासन की स्थिति में हाथों के बल पूरे शरीर को जमीन से ऊपर उठाने वाली एक शक्तिशाली योग मुद्रा है. यह हाथों, कंधों, कोर और शरीर की समग्र ताकत को बढ़ाता है.

उत्थित पद्मासन करने की विधि

सबसे पहले पद्मासन में बैठें.

एक पैर दूसरी जांघ पर और दूसरा पैर पहली जांघ पर रखें.

दोनों हाथों को शरीर के पास जमीन पर रखें, हथेलियां नीचे की ओर.

गहरी सांस लेकर हाथों पर पूरा भार डालें और शरीर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं.

गर्दन और सिर सीधा रखें, नजर सामने या थोड़ा नीचे की ओर.

जितना संभव हो उतने समय तक मुद्रा में बने रहें और सांस सामान्य रखें.

धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं.

उत्थित पद्मासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं?

1. मांसपेशियों को मजबूती

यह हाथों, कलाइयों, कंधों और कोर मसल्स को बेहद मजबूत बनाता है.

पेट की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और कब्ज से राहत मिलती है.

2. मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

संतुलन की क्षमता बढ़ती है.

दिमाग में एकाग्रता आती है और तनाव कम होता है.

3. रक्त संचार व ऊर्जा प्रवाह में सुधार

नियमित अभ्यास से छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है.

मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रहता है.

4. छात्रों के लिए लाभकारी

लगातार अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, जो पढ़ाई में विशेष रूप से सहायक है.

उत्थित पद्मासन से जुड़ी सावधानियां

घुटने, कूल्हे या कलाई में दर्द या चोट होने पर आसन करने से पहले डॉक्टर या योग गुरु से सलाह लें.

रात में पैरों में खुजली क्यों होने लगती है?

नारी डेस्क : कई लोगों को यह समस्या होती है कि दिनभर सब ठीक रहता है, लेकिन जैसे ही रात होती है, पैरों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। कभी-कभी खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि नींद तक उड़ जाती है। तेल लगाने, दवा लगाने के बाद भी आराम नहीं मिलता और शरीर में बेचैनी बनी रहती है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर रात में ही पैरों में खुजली क्यों बढ़ जाती है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसके पीछे सिर्फ एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की स्किन, लाइफस्टाइल और सेहत पर भी निर्भर करता है।

रात में पैरों में खुजली बढ़ने के मुख्य कारण

स्किन का ड्राई होना

रात के समय शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। इससे स्किन रूखी (ड्राई) हो सकती है। जब स्किन में नमी कम हो जाती है, तो खुजली की समस्या बढ़ने लगती है।

ब्लड सर्कुलेशन का बढ़ना

रात में आराम की स्थिति में पैरों की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे नसें ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं और खुजली महसूस हो सकती है।

फंगल इंफेक्शन

अगर पैरों में लालपन, छाले, जलन या स्किन छिलने जैसी परेशानी है, तो यह फंगल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। फंगल इंफेक्शन में रात के समय खुजली ज्यादा बढ़ जाती है।

दिनभर जूते-मोजे पहनना

पूरा दिन टाइट जूते, सिंथेटिक मोजे पहनने से पैरों में पसीना और नमी जमा हो जाती है। इससे स्किन इरिटेट होती है और रात में खुजली बढ़ सकती है।

साबुन या डिटर्जेंट से एलर्जी

कभी-कभी नया साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल युक्त प्रोडक्ट भी स्किन में एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे रात में खुजली की समस्या होती है।

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. मानव शरीर का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कौन सा पानी शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी है. सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आ रही है. यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक लाभकारी प्रक्रिया है आयुर्वेद के अनुसार सुबह का गुनगुना पानी पाचन अग्नि को सक्रिय करता है और कफ दोष को संतुलित करता है.

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

सवाल यह है कि क्या हर मौसम में और पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

आयुर्वेद मानता है कि हां, आप पूरे दिन गुनगुना पानी पी सकते हैं, लेकिन सही समय और स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है.

गुनगुना पानी कब पिएं?

सुबह खाली पेट- यह पाचन को तेज कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है.

भोजन से 30 मिनट पहले- यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाकर वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.

भोजन के 1 घंटे बाद- यह भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में सहायक है.

आयुर्वेद के अनुसार इन स्थितियों में सावधानी रखें :

1. ज्यादा प्यास या डिहाइड्रेशन में

ऐसी स्थिति में गुनगुना पानी डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है.

2. अत्यधिक गर्मी के मौसम में

गर्म या गुनगुना पानी शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर बेचैनी बढ़ा सकता है.

3. पित्त की समस्या या पेट में जलन होने पर

गर्मियों में पित्त बढ़ने पर गुनगुना पानी जलन को और बढ़ा सकता है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चना खाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत हारा चना खाने के फायदे : गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इन समस्याओं को दूर करने में हरा चना बेहद फायदेमंद माना जाता है.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चनाखाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म पर करता है असर

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि फाइबर और प्रोटीन से भरपूर भोजन इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. इससे पाचन के साथ-साथ ब्लड शुगर कंट्रोल में भी सहायता मिलती है.

पोषक तत्वों से होता है भरपूर

हरे चने में आयरन, मैग्नीशियम , पोटैशियम , विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये तत्व आंतों की अंदरूनी परत को मजबूत बनाते हैं और सूजन को कम करते हैं. जिन लोगों को अक्सर एसिडिटी या जलन की शिकायत रहती है, उनके लिए हरा चना पेट को ठंडक देने वाला हो सकता है.

हरा चना कई दूसरी समस्याओं में भी राहत देता है. इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ताकत देता है और कमजोरी को दूर करता है. आयरन (ढ्ढह्म्श्ठ्ठ) की अच्छी मात्रा खून की कमी में सहायक होती है. फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल की सेहत के लिए लाभकारी माने जाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. इसके अलावा, हरा चना शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है.

कैसे करें सेवन?

हरे चने को सब्जी, सूप, सलाद, पुलाव या हल्के स्नैक के रूप में खाया जा सकता है.

तन ही नहीं, मन के लिए भी आराम है जरूरी!

यूनानी सिद्धांतों में 'हरकत-ओ-सुकून नफसानी' यानी मानसिक गतिविधि और मानसिक विश्राम को स्वस्थ जीवन का अहम आधार माना गया है. जिस तरह हमारा शरीर लगातार काम करता रहे और उसे आराम न मिले तो वह थककर बीमार पड़ जाता है, ठीक उसी तरह हमारा मन भी अगर लगातार तनाव, चिंता , डर या गुस्से में उलझा रहे तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है. यूनानी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार, हमारे भीतर एक जीवन शक्ति होती है जिसे रूह कहा जाता है. यही रूह हमारे मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब हमारी भावनाएं संतुलित रहती हैं, सोच सकारात्मक होती है और हम जरूरत के मुताबिक मानसिक आराम लेते हैं, तो रूह भी संतुलन में रहती है और सेहत बेहतर बनी रहती है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान का बढ़ता खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शरीर की थकान को तो समझ लेते हैं, लेकिन मन की थकान को नजरअंदाज कर देते हैं. देर रात तक काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर लगातार समय बिताना, हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे रहना या भविष्य की फिक्र में घुले रहना, ये सब मानसिक बोझ को बढ़ाते हैं.

मानसिक गतिविधि और विश्राम में संतुलन आवश्यक

यूनानी चिकित्सा कहती है कि मानसिक गतिविधि जरूरी है, क्योंकि सोच-विचार, सीखना और काम करना, ये सब जीवन का हिस्सा हैं. लेकिन हर चीज की तरह इसमें भी संतुलन होना चाहिए. अगर हरकत ज्यादा होगी और सुकून कम, तो बेचैनी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. वहीं, अगर व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए और कोई मानसिक गतिविधि न करे, तो भी उदासी और सुस्ती बढ़ सकती है. इसलिए संतुलन ही असली कुंजी है.

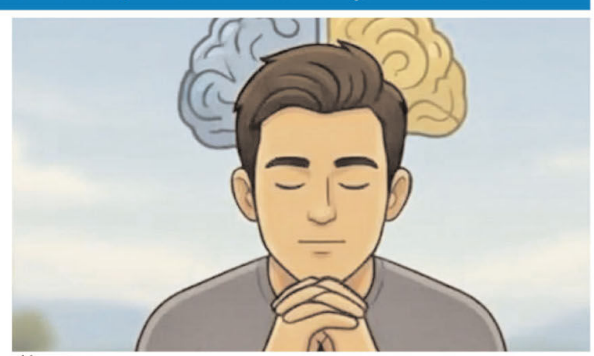

मन को सुकून देने वाले छोटे-छोटे कदम

मानसिक सुकून पाने के लिए बहुत बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती. दिन में थोड़ा समय खुद के लिए निकालना, गहरी सांस लेना, प्रकृति के बीच कुछ पल बिताना, नमाज, ध्यान या प्रार्थना करना और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना, ये छोटे-छोटे कदम मन को राहत देते हैं. साथ ही, अपनी सीमाओं को समझना भी जरूरी है. हर काम अपने ऊपर ले लेना और हर समय परफेक्ट बनने की कोशिश करना भी मानसिक दबाव बढ़ाता है.

यूनानी सिद्धांत हमें सिखाता है कि संयम अपनाएं, सकारात्मक सोच रखें और जरूरत पड़ने पर मन को विश्राम दें. जब मन शांत और संतुलित रहता है, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिखाई देता है.

बच्चों में बढ़ रहा अकेलापन

यदि हम स्वयं से एक प्रश्न पूछें कि क्या इस दौर के बच्चों और किशोरों में भावनात्मक अकेलापन बढ़ रहा है? तो जवाब होगा जी हां बिल्कुल! कहने को तो चारों तरफ बहुत हलचल है। ये रफ्तार का जमाना है। लिहाजा बच्चे भी कहीं खत्म न होने वाली एक अनंत दौड़ में शामिल हो गए हैं। स्कूल के घंटे खत्म हुए कि कोचिंग क्लास जाना है। परीक्षा खत्म हुई और लो फिर स्कूल शुरू।

मस्ती में दिन गुजारने वाली छुटियां अतीत की बात हो गई। आज का बच्चा तो रथों की रेस का घोड़ा है जो हर दम जुता हुआ है। उसकी वल्गाएं अभिभावकों, शिक्षकों और उन शिक्षाविदों के हाथ में है जिन्होंने आज के बच्चों की जिंदगी में छुट्टी का पीरियड ही नहीं बनाया। बच्चे अपने दोस्त और सहेलियां पहले भी बनाते थे और अब भी बनाते हैं। आज भी उनका कोई एक मित्र होता है जो घनिष्ठ मित्र होता है या दो-तीन मित्रों का ऐसा समूह होता है जो एक दूसरे को समझते, जानते, चाहते हैं। मगर पढ़ाई का बोझ, कुछ कर गुजरने और शीर्ष पर रहने की अपेक्षाओं का बोझ दोस्तों से इनकी भावनात्मक निकटता को फलने-फूलने का समय नहीं देता। इनका समय एक दूसरे से नोट्स का आदान-प्रदान करने में जितना जाता है उतना समय वे एक-दूसरे से मन की बात करने में नहीं निकाल पाते। संयुक्त परिवार टूट गए हैं। अब घर पर भी बच्चे समूह में नहीं रहते। पिछले बीस वर्षों में जमाना इतना बदला है कि अक्सर पढ़े-लिखे माता-पिता का भी अपने बच्चों से स्पष्ट जनरेशन गैप होता है। अतः किशोर माता-पिता से मन की बात नहीं कह पाते। उन्हें पता है कि वे और माता-पिता संस्कारों के दो अलग छोरों पर खड़े हैं अतः उन्होंने मन की बात कह भी दी तो मां-बाप पचा नहीं पाएंगे। आज के किशोरों की दोस्ती वर्चुअल माध्यम पर भी चलती रहती है। बच्चे पर अच्छी प्रोफाईल बनाने और अच्छा स्टेटस डालने का भी दबाव रहता है। आज का बच्चा 'पीयर प्रेशर' में ही बहुत से काम करता है। उसे दोस्तों को दिखाना, मां-बाप की अपेक्षाएं पूरी करनी है, उपभोक्ता संस्कृति के अनुरूप जीवन जीना है। आज बचपन और किशोरावस्था जटिलताओं से भर गए हैं। लिहाजा हर दूसरे-चौथे दिन किसी किशोर अथवा किशोरी द्वारा आत्महत्या कर लेने की खबरें आती हैं। ये खबरें बाकी माता-पिता, शिक्षकों और समाज के लिए खतरे की घंटी होना चाहिए ताकि वे यह सोचें कि बच्चे के लिए कैरियर के जितनी ही महत्वपूर्ण परिवार से मिलने वाली भावनात्मक सुरक्षा, प्यार और हर हाल में अपनाए जाने का विश्वास भी है। कभी भी बच्चों को यह ताने नहीं मिलना चाहिए कि देखो हम तुम्हारे लिए कितना करते हैं और तुम हो कि अच्छा रिजल्ट नहीं लाते। बच्चों को बार-बार यह एहसास दिलाना उनमें ग्लानि भाव पैदा करता है और जो अंततः अवसाद में भी परिणित हो सकता है।

आर्थिक प्रबंधन में रखें पूरी भागीदारी

बदलते वक्त के साथ अब महिलाओं को आर्थिक प्रबंधन में भी पूरी भागीदारी रखनी चाहिए। गृहिणी हों या कामकाजी, दोनों ही स्थितियों में यह ज़रूरी है कि स्त्रियां अपने वित्तीय पक्ष को मज़बूत करें।

ख़ुद को जानकार बनाएं

सबसे पहले वित्तीय फैसलों में अपनी जानकारी बढ़ाएं। वित्त संबंधी किताबों, ख़बरों और ऑनलाइन विशेषज्ञों की मदद से जानकारी इकट्ठी करें।

बजट प्रबंधन में भाग लें

परिजनों के मध्य आर्थिक और वित्तीय पहलुओं की चर्चा में शामिल रहें। बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी-विवाह और घरेलू व्यय आदि, ये कुछ ऐसे बड़े ख़र्चे हैं, जिनके लिए धन जुटाने के लिए आपकी भी सहमति और सहयोग आवश्यक है। ध्यान रखें कि चर्चा से आप बेहतर विकल्प खोज सकती हैं और आर्थिक आपदा को भी लाभ के अवसर में बदल सकती हैं।

बजट बनाएं, अमल करें

वित्तीय प्रबंधन की पहली सीढ़ी है, अपने आय-व्यय का ब्योरा रखना अर्थात बजट बनाना। बजट बनाने के बाद उस पर अमल करना भी ज़रूरी है। एक कहावत है कि 'तेते पांव पसारिए, जेती लांबी सौर' अर्थात आय के अनुसार ही ख़र्चों को सीमित करें। यदि अतिरिक्त ख़र्च अपरिहार्य हैं, तो उन्हें पूरा करने के लिए सुलभ विकल्पों पर विचार करें।

आकस्मिक कोष बनाएं

मुसीबत कभी कहकर नहीं आती। अनपेक्षित आने वाले ख़र्चों के लिए एक आकस्मिक कोष का निर्माण करें। इससे आप कठिन परिस्थितियों में भी अपनी आर्थिक ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगी। इसके लिए एकमुश्त अथवा धीरे-धीरे धन जमा करें और उसे एक अलग बैंक खाते में रखें।

बचत भी आय है

कई गृहिणियां यह कहती हैं कि उनकी कोई आय नहीं है। वास्तव में बचत भी आय का एक स्वरूप है। छोटी-छोटी बचत लंबे समय में एक अच्छा कोष एकत्र करने में आपकी मदद कर सकती हैं।

भूख लगने पर शिशु देता है कुछ ऐसे संकेत

शिशु बोलकर आपको अपनी बात या जरूरत नहीं समझा सकता है इसलिए इतने छोटे बच्चे की बात आपको ही समझनी पड़ती है। बड़े बच्चों को जब भी भूख लगती है, वो बोलकर आपको बता देते हैं लेकिन नन्हे शिशु की बात और जरूरत को समझना मुश्किल होता है क्योंकि ये सिर्फ रोकर ही अपनी बात कहते हैं और अभी इन्होंने बोलना शुरू नहीं किया होता है। नवजात शिशु बोलकर अपनी बात नहीं कह सकता है लेकिन वो कुछ संकेतों की मदद से आपको अपनी जरूरत के बारे में जरूर बताता है। अब आपको उसकी बात समझनी होगी।

शिशु से मिलने वाले कॉमन साइन

अगर बच्चा जागा हुआ है और एलर्ट दिख रहा है, तो यह इस बात का साफ संकेत है कि उसे भूख लगी है। आपकी अटेंशन पाने के लिए शिशु अपने शरीर को हिलाता है। वो अपने पैर और हाथ इधर-उधर मारेगा।

पहली बार पेरेंट बने

अगर आप पहली बार पेरेंट बने हैं, तो शिशु की भाषा को समझना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शुरुआत में आपको इसमें दिक्कत हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे आप सब सीख जाएंगे। शिशु की बात समझने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है कि बच्चे को कब भूख लगी है। अगर आपका बच्चा यहां बताए गए कुछ संकेत दे रहा है, तो समझ लें कि उसे भूख लगी है।

कैसे समझें शिशु के संकेत

यदि शिशु लगातार अपनी उंगलियों को मुंह में ले रहा है, तो समझ लें कि उसे दूध पीना है। जब बच्चे को बहुत तेज भूख लगती है, तब वो अपना सिर हिलाने लगता है। बेचैन होने पर बच्चा मुंह भी बनाने लगता है। तेज से रोने का भी यही मतलब है कि शिशु को भूख लगी है। भूख लगने का यह सबसे स्पष्ट संकेत होता है।

दूध पीने के बाद भी रोए तो

नन्हा शिशु रोकर ही अपनी बात कहता है और भूख लगने का सबसे स्पष्ट संकेत भी वो रोकर ही देता है लेकिन कई बार शिशु के रोने की कोई और वजह भी हो सकती है। अगर दूध पीने के बाद भी बच्चा रो रहा है, तो इसके पीछे कोई और कारण हो सकता है। कई शिशु दूध पीने के बाद सोना चाहते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को सुलाने की कोशिश करें।

शिशु के रोने के कारण

आमतौर पर शिशु दिन में सबसे ज्यादा बार भूख लगने पर ही रोता है। वो रोकर आपको यह बताने की कोशिश करता है कि उसे भूख लगी है और दूध पीना है। लेकिन हर बार या हर रोज शिशु भूख की वजह से ही रो रहा है, ये जरूरी नहीं है। पेट दर्द या गैस की वजह से भी शिशु रो सकता है। कई घंटों तक शिशु के रोने की वजह कोलिक पेन भी हो सकता है। अगर आपको शिशु के रोने की वजह समझ नहीं आ रही है तो एक बार डॉक्टर को दिखा लें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर बच्चा कुछ दिनों से लगातार रोकर भूख लगने का संकेत दे रहा है, तो आपके एक बार पीडियाट्रिशियन को दिखा लेना चाहिए। वहीं अगर शिशु को बहुत ज्यादा नींद आ रही है या दूध पिलाने के लिए हर समय आपको उसे उठाना पड़ता है, तो भी आपको डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

स्टेनलेस स्टील से जंग हटाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

स्टेनलेस स्टील, एक ऐसा मैटीरियल है, जिसका लगभग हर घर में इस्तेमाल होता है। आपको अपने घर की किचन में ही स्टेनलेस स्टील के कई प्रॉडक्ट्स देखने को मिलेंगे और यह केवल बर्तनों तक ही सीमित नहीं है। न केवल रसोई में, बल्कि स्टेनलेस स्टील के कई अन्य महत्वपूर्ण उपयोग भी हैं जैसे कि इसे पानी के नल, कृषि उपकरण और कई चीजों को बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता है। स्टेनलेस स्टील के व्यापक उपयोग का एक सबसे बड़ा कारण यह भी है कि इसमें न केवल लागत कम आती है, बल्कि यह जंग के लिए भी प्रतिरोधी है। दरअसल, इसकी सतह पर एक क्रोमियम फिल्म होती है, जिसके कारण यह जंग प्रतिरोधी है। यही कारण है कि स्टेनलेस स्टील पानी और ऑक्सीजन के संपर्क में आने के बाद भी चमकदार रहता है। लेकिन जैसे ही यह क्रोमियम फिल्म स्टेनलेस स्टील की सतह से हटती है, इसमें जंग लगना शुरू हो जाता है। तो चलिए आज हम यहां आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं-

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा की मदद से स्टेनलेस स्टील से जंग बेहद आसानी से हटाया जा सकता है। हालांकि इस तरीके को अपनाकर आप छोटे हिस्से से जंग को हटा सकते हैं। इसके लिए आपको 1 चम्मच बेकिंग सोडा 2 कप पानी, एक नरम साफ सूती कपड़ा और एक टूथब्रश की आवश्यकता होगी। इस तरीके को अपनाकर आप सबसे पहले 1 चम्मच बेकिंग सोडा को एक कप पानी में मिलाएं। अब टूथब्रश की मदद से, जंग से प्रभावित हिस्से को रगड़ें। बेकिंग सोडा को नॉन-एब्रेसिव होने के लिए जाना जाता है और इसलिए यह स्टील की सतह से जंग को धीरे से हटा देगा। एक बार जब जंग के दाग साफ हो जाएं तो आप इसे सामान्य पानी से धो सकते हैं और फिर कपड़े की मदद से इसे पोंछें। वहीं अगर एक बड़ा हिस्सा जंग से प्रभावित है तो यह स्टेप्स आपके काम नहीं आएंगे, बल्कि आप इन स्टेप्स को फॉलो करें। इसके लिए आप सबसे पहले सतह को धोएं जैसे कि स्टेनलेस स्टील से बने बड़े कंटेनर को सबसे पहले वॉश करें। सुनिश्चित करें कि आप किसी भी प्रकार के पदार्थ को इससे हटाते हैं। अब स्टेनलेस स्टील उत्पाद के प्रभावित क्षेत्र पर कुछ बेकिंग सोडा छिड़कें। सुनिश्चित करें कि प्रभावित एरिया बेकिंग सोडा के साथ कवर किया गया है। अब इसे 25-30 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। अब

आपको बेकिंग सोडा वाले क्षेत्र को स्क्रब करने की आवश्यकता है। इसके लिए आप एक पुराने टूथब्रश का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि आपको बहुत अधिक आक्रामकता से नहीं, बल्कि धीरे से रगड़ना है। जब आप स्टील की सतह को छोड़ते हुए जंग को देखते हैं, तो आप इसे सामान्य पानी से धो दें। अंत में, इसे एक सूती कपड़े से पोंछ लें।

सिरका का इस्तेमाल

यह एक और तरीका है जिसके द्वारा आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं। आपको बस इतना करना होगा कि प्रभावित जगह पर सिरका लगाएं और इसे सूखने दें। फिर आप टूथब्रश की मदद से इस क्षेत्र को धीरे से साफ कर सकते हैं। इसके बाद, आप सतह को सामान्य पानी से धो सकते हैं और कपड़े की मदद से इसे पोंछ सकते हैं। आप देखेंगे कि जंग पूरी तरह से साफ हो गया है।

बचपन से सही हों खानपान की आदतें

बच्चों की खानपान की आदतें अब कमोबेश हर घर में चिंता का विषय बनती जा रही हैं। बार-बार कहने पर भी फल-सब्जियां ना खाना और जंक फूड खाने की जिद करना आजकल आम है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनकी यह जिद और खाने की चीजों को लेकर किया जाने वाला चुनाव ज्यादा अजीबो-गरीब होता जाता है। अभिभावक चिंता तो करते हैं पर एक समय के बाद वे चाहकर भी बच्चों की खानपान की आदतें नहीं सुधार सकते। नतीजा यह होता है कि ये छोटी-छोटी आदतें आगे चलकर बीमारी की बुनियाद बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि वे समय रहते चेतें। बचपन से ही खानपान की आदतों पर ध्यान दें ताकि आगे चलकर बच्चों की सेहत को नुकसान ना पहुंचे।

सही पोषण के बारे में बताएं

आजकल बच्चे जबरदस्ती थोपे जाने से कोई काम नहीं करते। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को जो कुछ भी करने को कहें उस काम के फायदे भी समझाएं। धैर्य और सूझबूझ के साथ उन्हें सही पोषण के बारे में बताएं। साथ ही खाने-पीने की अस्वस्थ आदतों को लेकर होने वाले नुकसानों की भी जानकारी दें। यह चिंता का विषय है कि आजकल कम उम्र में ही बच्चों को कई बीमारियां घेर रही हैं। जिसकी सबसे बड़ी वजह अस्वस्थ जीवनशैली ही है। इस अजब- गजब लाइफस्टाइल में खानपान की बिगड़ी आदतें सबसे अहम हैं। इसलिए बच्चों को सेहतमंद बनाने के लिए उन्हें सही पोषण वाला खाना खाने के लिए समझाइश दें।

बच्चों को स्नैक अटैक जैसी आदतों से बचाएं। जो आजकल आम हो चली हैं। छोटी उम्र में ही उन्हें सही और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद खाने के बारे में जानकारी देना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बचपन में जो स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों को घेर लेती हैं वे जिंदगी भर पीछा नहीं छोड़तीं। इनमें मोटापे जैसी तकलीफ सबसे ऊपर है। अध्ययन बताते हैं कि बचपन में मोटे रहे लोगों में से 50 से 80 फीसदी बड़े होने पर भी मोटापे के शिकार रहते हैं। ध्यान रहे है कि उम्र कोई भी हो मोटापा अपने आप में कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ है। हाल ही में आ रही सभी रिपोर्ट्स कमोबेश यही बताती हैं कि दुनिया भर में मोटापे के मामले बढ़ रहे हैं। बच्चे खासतौर पर बढ़ते वजन की समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। जाहिर है, इस वजह से कम उम्र में ही सेहत से जुड़ी तमाम परेशानियां भी बढ़ रही हैं।

कीजिए सेहत के खतरों का जिक्र

बच्चे खुद अपने स्वास्थ्य और सेहत के लिए सजग नहीं हो सकते। ना ही वे खान-पान की गलत आदतों के खतरों को समझ सकते हैं। उनका मासूम मन केवल स्वाद जानता है। इसलिए उन्हें सेहत के लिए खतरा पैदा करने वाली इस राह पर चलने से रोकने का काम मम्मी-पापा को ही करना होता है। इसके लिए आप उन्हें जंक फूड से होने वाले नुकसान प्यार से समझाएं। अगर उन्हें बाहर का खाना ज्यादा पसंद आता है तो घर में ही स्वाद का बदलाव कर कुछ अच्छा बनाकर खिलाएं और घर के खाने के फायदे भी बताएं। उन्हें समझाएं कि घर में बनाया गया खाना साफ-सुथरा और पौष्टिकहोता है जिसके कई सारे लाभ हैं। इसका एक फायदा यह है कि बच्चों में ऐसी आदतों के जड़ें जमाने से पहले ही वे उनसे बाहर आ जाएंगे। विशषज्ञों का मानना है कि खाने की आदतें बच्चों के व्यवहार को भी प्रभावित करती हैं। इतना ही नहीं बिगड़ता खानपान अनियमित दिनचर्या की भी एक बड़ी वजह बनता है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों में भी आजकल डायबिटीज जैसी बीमारियां देखने को मिल रही हैं। इस तरह की आदतों का असर कई बार मोटापे या बच्चे के वजन कम होने के रूप में भी सामने आता है। खानपान की आदतें घर परिवार के माहौल के मुताबिक भी बनती हैं। इसलिए पहले घर के बड़े अपनी दिनचर्या और आदतों में बदलाव लाएं।

हमेशा मनमानी ना करने दें

खानपान की आदतें स्वाद के साथ ही सेहत भी लिए हों, यह जरूरी है। इसलिए मनचाहा खाने की जिद करने वाले बच्चों को हर बार मनमानी ना करने दें। यदि आप घर में ही प्रोसेस्ड फूड लेकर नहीं आएंगे तो बच्चे कम से कम घर में तो बचे ही रहेंगे। बच्चों के खाने की चीजों में हरी सब्जियां और फल जरूर शामिल करें। हमेशा बच्चों की मनमानी को मान लेना सेहत ही नहीं बिगाड़ता बल्कि व्यवहार को भी उग्र बनाता है। कई बार देखने आता है कि कुछ बच्चे खाना नहीं खाने के लिए भी जिद करते हैं। समय रहते सचेत होना जरूरी है क्योंकि ऐसी आदतें आगे चलकर बच्चों के जीवन पर बुरा असर डालती है। यह चिंता का विषय है कि आज दुनियाभर में 10 प्रतिशत बच्चे ओवरवेट हैं। हमारे यहां भी ये आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा आदेश के बावजूद यूएस ने शरणार्थी को वापस भेजा

वाशिंगटन, एजेंसी। मोरक्को की 21 वर्षीय फराह नामक समलैंगिक महिला एक तीसरे देश के रास्ते वापस मोरक्को भेज दिया गया है। वहां उसे जान का खतरा है। इस महिला को अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश से सुरक्षा आदेश प्राप्त था। उल्लेखनीय है कि मोरक्को में समलैंगिकता अवैध है और इसके लिए तीन साल तक की जेल हो सकती है। फराह ने बताया कि उसे अपने परिवार से जान से मारने की धमकी मिली और हिंसा के बाद ब्राजील के रास्ते छह देशों की कठिन यात्रा कर अमेरिका पहुंची थी। जापान के सम्राट नारुहितो ने अपने 66वें जन्मदिन के अवसर पर 2011 के भूकंप, सुनामी और परमाणु दुर्घटना के पीड़ितों के जख्म अब तक नहीं भरने पर चिंता व्यक्त की। 11 मार्च की बरसी से कुछ सप्ताह पहले जारी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया अभी अधूरी है। सम्राट नरुहितो ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने संदेश में कहा, 'बुनियादी ढांचे की बहाली में प्रगति हुई है, लेकिन आजीविका और समुदायों के पुनर्निर्माण पर अभी भी काम किए जाने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और जिनकी जीवन परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई, उनके बारे में सोचकर मुझे लगता है कि उनके घाव अब तक नहीं भरे हैं। समय बीतने के बावजूद वे दर्द आज भी कायम हैं।' जन्मदिन के अवसर पर सम्राट नरुहितो, महारानी मासाको, उनकी पुत्री राजकुमारी अइको और छोटे भाई क्राउन प्रिंस अकिशिनो के साथ शाही महल की बालकनी में आए और हाथ हिलाकर शुभकामनाएं देने पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया। लोग 'राइजिंग सन' के छोटे-छोटे झंडे लहराकर उनका स्वागत कर रहे थे। वर्ष 2011 की विनाशकारी आपदा में आए भीषण भूकंप और सुनामी से लगभग 20 हजार लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। इस आपदा के कारण फुकुशिमा दाइची परमाणु प्लांट में परमाणु रिएक्टर पिघलने (मेल्टडाउन) की घटना भी हुई थी। रेडिएशन के कारण खाली कराए गए अधिकांश इलाकों को दोबारा खोल दिया गया है, लेकिन रोजगार और सामुदायिक ढांचे की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग अब तक वापस नहीं लौटे हैं।

जापान के सम्राट ने 3/11 आपदा पीड़ितों की पीड़ा पर जताई चिंता

सिएरा, एजेंसी। कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैकबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं।

कैलिफोर्निया हिमस्खलन में नौ स्कीयरों के शव बरामद

सिएरा, एजेंसी। कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैकबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं।

आदेश के बावजूद यूएस ने शरणार्थी को वापस भेजा

वाशिंगटन, एजेंसी। मोरक्को की 21 वर्षीय फराह नामक समलैंगिक महिला एक तीसरे देश के रास्ते वापस मोरक्को भेज दिया गया है। वहां उसे जान का खतरा है। इस महिला को अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश से सुरक्षा आदेश प्राप्त था। उल्लेखनीय है कि मोरक्को में समलैंगिकता अवैध है और इसके लिए तीन साल तक की जेल हो सकती है। फराह ने बताया कि उसे अपने परिवार से जान से मारने की धमकी मिली और हिंसा के बाद ब्राजील के रास्ते छह देशों की कठिन यात्रा कर अमेरिका पहुंची थी।

नाकाम मर्दों के अकेलेपन का इलाज है यह महिला! 400 पुरुषों के साथ हमबिस्तर होकर सिखाए रोमांस के गुर

स्पोर्ट्स मसाज से रोमांस थेरापिस्ट बनने का सफर

लंदन, एजेंसी। दुनिया में आपने कई तरह के थेरापिस्ट्स और डॉक्टरों के बारे में सुना होगा लेकिन काली मिलर का काम जरा हटकर और अनोखा है। काली खुद को एक रोमांस सरोगेट या सेक्स थेरापिस्ट कहती हैं। उनका काम सिर्फ शारीरिक नजदीकी तक सीमित नहीं है बल्कि वे उन पुरुषों की मदद करती हैं जो रिश्तों में नाकाम रहे हैं या जीवन में कभी किसी का साथ नहीं पा सके। काली मिलर पहले एक स्पोर्ट्स मसाज थेरापिस्ट थीं। उन्होंने साइकोसेक्शुएलिटी की पढ़ाई की और 30 साल की उम्र के बाद महसूस किया कि वे इंसानी भावनाओं और जुड़ाव को गहराई से समझना चाहती हैं। एक अखबार में खुले विचारों वाले बॉडी वर्कर का विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने इस क्षेत्र में कदम रखा। हालांकि शुरुआत में वे हिचकिचा रही थीं लेकिन उनके पहले क्लाइंट ने उनका नजरिया बदल दिया। एक बूढ़े

शख्स की अधूरी इच्छा ने बदली जिंदगी काली ने एक ब्रिटिश टीवी शो दिस मॉर्निंग में अपने करियर की सबसे भावुक कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि उनका पहला क्लाइंट 60 साल से अधिक उम्र का एक बेहद शर्मीला व्यक्ति था। उस शख्स ने मुझसे कहा कि वह असली प्यार और स्पर्श को महसूस किए बिना मरना नहीं चाहता। वह इतना अकेला था कि दुकानों पर नोट के बजाय सिक्के देता था ताकि भुगतान करते समय उसका हाथ कैशियर से छू जाए। उसके लिए बस वही एक ह्यूमन टच था। इस घटना ने काली को झकझोर कर रख दिया और उन्हें एहसास हुआ कि दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें केवल शारीरिक सुख नहीं बल्कि भावनात्मक साथ और इंटिमेसी सीखने की जरूरत है। काली स्पष्ट करती हैं कि उनका काम साधारण देह व्यापार से बिल्कुल अलग है। वे क्लाइंट्स से बातें करती हैं उनके मानसिक अवरोधों को दूर करती हैं और उन्हें सिखाती हैं कि किसी के साथ भावनात्मक रिश्ता कैसे बनाया जाता है। वे उन पुरुषों की मदद करती हैं जो अपनी शर्मीली फितरत या किसी डर की वजह से महिलाओं से बात नहीं कर पाते।

आधी रात को 7.1 की तीव्रता के जोरदार झटकों से हिली धरती ...लोगों में दहशत का माहौल

क्वालालंपुर, एजेंसी। मलेशिया के सबाह राज्य में सोमवार तड़के (23 फरवरी 2025) जोरदार भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिकों के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.1 मापी गई। यह झटका बोर्नियो द्वीप के पास महसूस किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र सबाह की तटीय राजधानी कोटा किनाबालू से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित था। भूकंप जमीन की सतह से करीब 619.8 किलोमीटर की गहराई में आया, जो काफी ज्यादा गहराई मानी जाती है। यह भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 12 बजकर 57 मिनट पर आया। स्त्रस ने प्रारंभिक आकलन में कहा है कि इस भूकंप से बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की संभावना कम है। गहराई ज्यादा होने की वजह से सतह पर इसका असर सीमित रहने की उम्मीद जताई गई है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने भी किसी तरह की सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि भूकंप काफी गहराई में आया था, इसलिए समुद्र में बड़ी लहरें उठने की संभावना नहीं है। मलेशियाई मौसम विज्ञान विभाग ने भूकंप की तीव्रता 6.8 बताई है। विभाग ने कहा है कि वह स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर आगे की जानकारी जारी करेगा। भूकंप के झटके सबाह के पश्चिमी तट पर और सरवाक राज्य के कई इलाकों में महसूस किए गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान या हताहत की खबर सामने नहीं आई है। फिलहाल प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांत रहने की अपील की गई है।

बीएएफटीए 2026 में भारत की गूंज: मणिपुर की 'बूंग' ने लंदन में रचा इतिहास, जीता बेस्ट चिल्ड्रेन फिल्म अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। फरहान अख्तार के एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक अलग अंदाज वाली मणिपुरी पृष्ठभूमि की हास्य-ड्रामा फिल्म बूंग ने रविवार को लंदन में सर्वश्रेष्ठ बाल और पारिवारिक फिल्म की श्रेणी में प्रतिष्ठित बाफ्टा पुरस्कार जीता। इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में पहली बार हाथ आजमा रही लक्ष्मीप्रिया देवी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए मणिपुर में शांति के लिए भावुक अपील की। उन्हें यह पुरस्कार पैडिंगटन द म्यूजिकल के मुख्य किरदार पैडिंगटन बियर से मिला। मंच पर उनके साथ निर्माता फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी और सहायक निर्देशक राहुल शारदा मौजूद थे।

देवी ने कहा, यहां तक पहुंचना उस पहाड़ की चोटी पर पहुंचने जैसा लगा, जिसे चढ़ने के बारे में हमें पहले पता ही नहीं था। उन्होंने कामना की कि मणिपुर में शांति लौटे और विस्थापित बच्चों, जिनमें फिल्म के बाल कलाकार भी शामिल हैं, को फिर से उनकी खुशी मिलें और वे फिर से सपने देख सकें।

गुगुन किपगेन और बाला हिजाम अभिनीत इस फिल्म ने लिलो एंड स्टिच, आर्को और जूट्रोपोलिस 2 जैसी फिल्मों को पीछे छोड़कर यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया। ब्रिटिश एकेडमी फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) पुरस्कार के 2026 संस्करण का आयोजन थेम्स नदी के किनारे रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने सेंटिमेंटल वैल्यू के लिए बेस्ट फिल्म नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज पुरस्कार प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने भाषण की नमस्ते से शुरुआत करते हुए कहा कि सिनेमा की असली भाषा भावनाएं हैं। समारोह में लियोनार्डो डी कैप्रियो अभिनीत वन बैटल आफ्टर अनदर ने सबसे ज्यादा छह पुरस्कार अपने नाम किए। बाफ्टा अध्यक्ष प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन भी मुख्य अतिथि के तौर पर समारोह में शामिल हुए। भूत-पिशाच पर आधारित फिल्म सिनर्स और रहस्यमयी डरावनी फिल्म फ्रेंकेंस्टाइन ने तीन-तीन पुरस्कार जीते। पॉल थॉमस एंडरसन को वन बैटल आफ्टर अनदर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक चुना गया। जेसी बकली ने हैमनेट के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता, जबकि रॉबर्ट अरामायो को आई स्वेयर के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला। उन्होंने लियोनार्डो डी कैप्रियो और टिमोथ चेलमेट जैसे सितारों को पछाड़कर यह पुरस्कार हासिल किया।

मॉस्को के सभी 4 एयरपोर्ट बंद, 1 घंटे में 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा

मास्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में रविवार दोपहर सुरक्षा कारणों से बड़ा कदम उठाया गया। यूक्रेन की ओर से ड्रोन हमलों की आशंका के बीच मॉस्को के सभी चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया। यह फैसला तब लिया गया जब रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने एक घंटे के भीतर कम से कम 11 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। मॉस्को के मेयर सेरगी सोब्यानिन ने अपने 'मैक्स' चैनल पर जानकारी देते हुए कहा, एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को की ओर बढ़ रहे एक और ड्रोन को रोक लिया है। उन्होंने शाम 4 बजे (स्थानीय समय) किए गए अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि अब तक कुल 11 ड्रोन मार गिराए जा चुके हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब लगभग चार साल पूरे करने वाला है। इस दौरान रूस का दावा है कि यूक्रेन समय-समय पर मॉस्को सहित उसके कई क्षेत्रों पर ड्रोन से हमले करता है। वहीं रूस भी जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन पर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार करता रहा है।

लगातार बढ़ते हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। मॉस्को के सभी प्रमुख एयरपोर्ट बंद होने से कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं और हालात सुरक्षित होने के बाद ही उड़ान सेवाएं दोबारा शुरू की जाएंगी।

विवादों में बांग्लादेश की नई बीएनपी सरकार! नई कैबिनेट में 70 प्रतिशत मंत्री बिजनेसमैन

ढाका, एजेंसी। तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में

निर्णायक जीत के बाद सरकार का गठन किया है। चुनाव आयोग को सौंपे गए शपथपत्रों के अनुसार 50 सदस्यीय कैबिनेट (मंत्री और राज्य मंत्री) में से 35 यानी करीब 70 प्रतिशत ने अपने पेशे के रूप में व्यवसाय दर्ज किया है। आंकड़ों के मुताबिक 19 कैबिनेट मंत्री और 16 राज्य मंत्री खुद को व्यवसायी बताते हैं। वकील दूसरी सबसे बड़ी पेशेवर श्रेणी हैं, जबकि कई सदस्यों ने एक से अधिक पेशे का उल्लेख किया है। उल्लेखनीय है कि केवल दो सदस्य प्रधानमंत्री तारिक रहमान और शिक्षा मंत्री एएनएम एहसानुल हक मिलन ने राजनीति को अपना मुख्य पेशा बताया। 17 फरवरी को नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में 25 मंत्रियों, जिनमें दो टेक्नोक्रेट कोटे से थे, ने शपथ ली। भ्रष्टाचार-रोधी संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश के कार्यकारी निदेशक इफ्तेखारुज्जमान ने चेतावनी दी कि कैबिनेट में व्यवसायियों की अधिकता से हितों के टकराव की आशंका बढ़ सकती है। उनके अनुसार मंत्रियों को उन फैसलों से दूर रहना चाहिए जिनसे उनके निजी या क्षेत्रीय कारोबारी हित प्रभावित हो सकते हैं।

रिपोर्टों के अनुसार 300 निर्वाचित सांसदों में से 174 (59 प्रतिशत) ने व्यवसाय को अपना पेशा बताया है, जिनमें कम से कम 15 परिधान उद्योग से जुड़े हैं। बीएनपी ने 209 सीटें जीतीं, जिनमें 145 विजेता उम्मीदवार व्यवसायी पृष्ठभूमि के हैं। वहीं बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं, जिनमें 20 सांसद व्यवसाय से जुड़े हैं। टीआईबी के अध्ययन के अनुसार 236 सांसद (करीब 79.46 प्रतिशत) करोड़पति हैं और 13 अरबपति हैं। बीएनपी के 189 सांसद (90.87 प्रतिशत) करोड़पति हैं, जबकि जमात के 38 सांसद (55.07 प्रतिशत) इस श्रेणी में आते हैं।

मुझे अंधेरे में रखा; मुहम्मद यूनुस पर फायर हुए बांग्लादेश के राष्ट्रपति, हालात बदलते ही बदले जज्बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म होते ही और आम चुनाव के बाद नई सरकार गठित होने ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के जज्बात भी बदल गए हैं। इतने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने ना तो कभी संस्थानों के बीच समन्वय पर ध्यान दिया और ना ही वह किसी भी फैसले को लेकर उन्हें कोई जानकारी देते थे। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां तक कि विदेश दौरे कहता है कि विदेश दौरे पर जाते समय राष्ट्रपति को जानकारी देनी चाहिए और लौटने के बाद इसके परिणामों पर चर्चा होनी चाहिए। कार्यकाल के दौरान वह 14 से 15 बार विदेश गए लेकिन एक

दिनों से मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रही बाग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उन्होंने एक भी सवाल नहीं उठाया। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होते रहे और भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। अब शहाबुद्दीन कह रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस ने उन्हें अंधेरे में रखा था।

बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने की भी जानकारी उन्हें नहीं होती थी। विदेश नीति से संबंधित कोई भी सूचना राष्ट्रपति तक पहुंचती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-थलग करने के लिए सारी राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे थे।

शहाबुद्दीन ने कहा कि सरकार को जरूरी फैसले राष्ट्रपति की सलाह से करने चाहिए लेकिन मोहम्मद यूनुस खुद ही सारे फैसले कर लेते थे। संविधान यह भी बार भी उनकी सहमति नहीं ली गई। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, अगर किसी अन्य देश के साथ कोई समझौता होता है तो इसकी जानकारी राष्ट्रपति को होनी चाहिए लेकिन मुझे कुछ पता ही नहीं चलता था। ना तो कभी मौखिक और ना ही लिखित रूप में कोई सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी।

नेपाल में बड़ा सड़क हादसा: काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 लोगों की मौत

काठमांडु, , एजेंसी। नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। पोखरा से काठमांडू जा रही यात्रियों से भरी एक बस धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा रात करीब 1:15 से 1:30 बजे के बीच पृथ्वी राजमार्ग पर गजुरी के पास हुआ। बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे।

यह दुर्घटना बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड-3 स्थित चिनाधारा-चारौंदी इलाके में हुई, जो काठमांडू से लगभग 90 किलोमीटर पश्चिम में है। अंधेरे और तेज बहाव के बीच बस सीधे नदी में गिर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय धादिंग के प्रमुख शिशिर थापा के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता बिष्णु प्रसाद भट्ट ने बताया कि अब तक 17 शव घटनास्थल से निकाले जा चुके हैं और 28 घायल यात्रियों को बस से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया है। हाईवे रेस्क्यू मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार ठाकुरी ने कहा कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

राहत और बचाव कार्य में नेपाल आर्मी, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस और स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। हालांकि रात के समय हादसा होने और नदी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

इस हादसे में एक न्यूजीलैंड के पुरुष यात्री की भी मौत हुई है, जबकि एक जापानी और एक डच महिला घायल बताई जा रही हैं। विदेशी नागरिकों के शामिल होने से यह घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का विषय बन गई है।

पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती आशंका है कि तेज रफ्तार बस हादसे की वजह हो सकती है, लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मौत से पहले हर मरीज बोलता है ये 9 शब्द... आईसीयू नर्स ने साझा किया सच

न्यूयार्क, एजेंसी। अस्पताल के सन्नाटे और मशीनों की बीप-बीप के बीच एक ऐसी सरहद होती है, जहां डॉक्टरी पढ़ाई और महंगे टेस्ट्स सब धरे के धरे रह जाते हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा की एक युवा नर्स, किर्स्टी रॉबर्ट्स, ने मौत के इसी रहस्यमयी चेहरे को बहुत करीब से देखा है। पिछले 4 सालों से आईसीयू में तैनात किर्स्टी का कहना है कि जब कोई इंसान अपनी आखिरी सांसों की तरफ बढ़ता है, तो उसके भीतर एक ऐसा आध्यात्मिक बदलाव आता है जिसे दुनिया का कोई भी स्कैनर या वेंटिलेटर नहीं पकड़ सकता।

मरीज खुद अपनी मौत की सटीक भविष्यवाणी कर देता है: किर्स्टी ने सोशल मीडिया पर उन अनकहे सच से पर्दा उठाया है, जो अक्सर लोग अपने आखिरी पलों में साझा करते हैं। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि कई बार मरीज के मेडिकल पैरामीटर्स बिल्कुल सामान्य दिख रहे होते हैं और डॉक्टर भी उसे खतरे से बाहर मान रहे होते हैं, लेकिन मरीज खुद

अपनी मौत की सटीक भविष्यवाणी कर देता है। नर्स के मुताबिक, मरते हुए इंसान को अपनी विदाई का पूर्वाभास हो जाता है। वह अक्सर घबराहट में नहीं, बल्कि एक अजीब सी शांति या स्पष्टता के साथ कहता है- मुझे पता है कि मैं अब जाने वाला हूं। इसके बाद वे अपने परिवार के लिए प्यार भरा संदेश देते हैं और कुछ ही देर में उनकी रूह शरीर छोड़ देती है। किर्स्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में खुलासा किया कि मरीज अक्सर अपने परिवार से जुड़े शब्द कहते हैं। उन्होंने कहा, हर मरीज जो अपनी संसारिक यात्रा पुरी करके जाना वाला होता है, वही 9 शब्द कहता है क्या आप मेरे परिवार से कह सकते हैं कि मैं उन्हें प्यार करता हूं?

मरीजों के अंतिम शब्द और आध्यात्मिक बदलाव किर्स्टी ने बताया कि इसके अलावा मरीज कभी-कभी कहते हैं, मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा या मुझे पता है मैं मरने वाला हूं। यह सब सुनने के बाद भी उनके जीवन के संकेत सामान्य दिखते हैं और अन्य मेडिकल पैरामीटर ठीक रहते हैं। उन्होंने बताया कि अद्भुत बात यह है कि मरीज अपने अंत के बारे में किसी तरह की चेतावनी लेकर ही बोलते हैं। उनके शरीर में कोई भी ऐसा संकेत नहीं होता जो मौत के करीब होने का संकेत दे, फिर भी यह परिवर्तन होता है। यह आध्यात्मिक बदलाव है, जिसे वैज्ञानिक तौर पर समझाना मुश्किल है। किर्स्टी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, इन अंतिम पलों को देखना आसान नहीं है। हम मरीजों और उनके परिवारों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हैं। समय के साथ आप स्वीकार करना सीख जाते हैं कि यह हमारे काम का हिस्सा है। जीवन आध्यात्मिक है और प्यार, कृतज्ञता और दूसरों के लिए अच्छा करने की भावना सबसे महत्वपूर्ण है। सहकर्मियों का समर्थन

किर्स्टी के इस खुलासे को कई स्वास्थ्यकर्मी भी सही मानते हैं।

जब आप ज्यादा स्मार्ट बनते हैं, अक्षर पटेल को ड्रॉप करने पर आजिंक्य रहाणे ने जमकर सुनाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीते 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 का मुकाबला खेला गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हरा दिया। इस मैच में टीम इंडिया ने एक बहुत बड़ा बदलाव किया था। उपकप्तान अक्षर पटेल को प्लेइंग 11 से ड्रॉप कर दिया गया था जबकि उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था। भारत का यह मूव उनको बैकफायर कर गया। सुंदर मुकाबले में पूरी तरह से फ्लॉप रहे। इतने बड़े मैच में अक्षर को ड्रॉप करने पर अब भारतीय टीम मैनेजमेंट की जमकर आलोचना हो रही है। इसी मामले पर भारतीय दिग्गज अजिंक्य रहाणे ने भी बड़ा बयान दिया है।

मैं काफी सरप्राइज हूं कि अक्षर पटेल नहीं खेले

अजिंक्य रहाणे ने क्रिकबज पर कहा, मैं काफी सरप्राइज हूं कि अक्षर पटेल नहीं खेले। मुझे समझ नहीं आ रहा क्या हो रहा है। वॉशिंगटन सुंदर एक क्वालिटी खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ कोई नहीं है। लेकिन अक्षर अलग-अलग परिस्थितियों में अच्छा करते आ रहे हैं। मुझे ऐसा लगता है जब आप ज्यादा स्मार्ट बनते हैं, सिलेक्शन को लेकर तो यह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। आप साउथ अफ्रीकी बैटिंग लाइन अप में ज्यादा लैफ्ट हैंडर होने की वजह से सुंदर को लेकर आए। लेकिन उन्होंने सिर्फ 2 ओवर ही डाले।

शानदार गेंदबाजी कर रहे अक्षर

अक्षर पटेल ने अब तक इस वर्ल्ड कप में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बैटिंग में पटेल को उतना मौका नहीं मिला। अक्षर तूफानी अंदाज से बैटिंग भी करना जानते हैं, यह हमने कई बार देखा है। इसके अलावा अक्षर पटेल अनुभवी खिलाड़ी हैं और टीम के उपकप्तान भी। वह बतौर लीडर भी खेल में योगदान दे सकते थे। भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में उनको वापस प्लेइंग 11 में लाने की जरूर सोच सकता है।

डेविड मिलर ने तूफानी पारी से

तोड़ा ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड, वो किया जो भारत के खिलाफ कोई नहीं कर पाया

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2024 के टी20 वर्ल्ड कप फाइनलिस्ट भारत और साउथ अफ्रीका का मुकाबला हुआ। सुपर 8 के इस बड़े मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने मैदान मारा। उन्होंने भारत को 76 रन से हराया और सुपर 8 में जीत के साथ आगाज किया।। इस मैच में साउथ अफ्रीका के विस्फोटक मिडल ऑर्डर बल्लेबाज डेविड मिलर ने शानदार बैटिंग की। उन्होंने तूफानी पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस पारी के चलते डेविड मिलर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने खास मामले में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ दिया।

भारत के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

डेविड मिलर- 39 छक्के, 26 पारी
ग्लेन मैक्सवेल- 38 छक्के, 22 पारी
निकोलस पूरन- 35 छक्के, 20 पारी
दासुन शनाका- 30 छक्के, 23 पारी
इविन लुइस- 28 छक्के, 8 पारी

डेविड मिलर ने तोड़ा ग्लेन मैक्सवेल का रिकॉर्ड

दरअसल, डेविड मिलर टी20 में अब भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के नाम था। मैक्सवेल ने 22 पारियों में 38 छक्के ठोके थे। लेकिन अब मिलर ने भारत के खिलाफ 26 पारियों में 39 छक्के लगा दिए हैं। डेविड मिलर ने टीम इंडिया के खिलाफ 7 चौके और 3 छक्के की मदद से 35 गेंद में 63 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 180 का था। मिलर को अपनी इस परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया था।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। 188 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत 111 रन पर ऑल आउट हो गया था। भारत का अब अगला मैच सुपर 8 में जिम्बाब्वे से है।

भारत का साउथ अफ्रीका से हारना है अच्छा साइन? 2011 वाला बन रहा गजब संयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सुपर 8 का मुकाबला बीते 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने 76 रन से भारत को एकतरफा हराया। भारत की इस वर्ल्ड कप में यह पहली हार थी।

इस हार के साथ अब टीम इंडिया की नेट रन रेट भी काफी ज्यादा खराब हो गई है। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के सामने जीत दर्ज करनी होगी और अपनी नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा। हालांकि साउथ अफ्रीका से हारने के बाद एक गजब संयोग बन रहा है, जिसे देखकर भारतीय फैंस को सुकून मिल सकता है।

2011 में भी साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया था

2011 का वनडे वर्ल्ड कप भारत और बांग्लादेश में खेला गया था। यह वर्ल्ड कप भारत ने श्रीलंका को हराकर अपने नाम किया था। बता दें कि 2011 के विश्व कप में भी ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया था। साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से मैच जीता था।
वहीं अब इस टी20 वर्ल्ड कप में भी साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को हरा दिया है। भारत में भी वर्ल्ड कप के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस तरह से साउथ अफ्रीका से हारना 2011 वाला संयोग बना रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 2011 की तरह ही भारत इस बार वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठा पाता है या नहीं।
बात करें मैच की तो साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। मेहमान टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। 188 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ही ऑल आउट हो गई और 76 रन से मैच हार गई।

एफआईएच प्रो लीग

2-2 की रोमांचक टक्कर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने शूटआउट में भारत को हराया

होबार्ट (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 2-2 की बराबरी की और फिर शूटआउट में जीत दर्ज कर बोनस अंक हासिल कर लिया। दो गोल से पीछे होने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी क्वार्टर में जबरदस्त खेल दिखाया और मैच को शूटआउट तक पहुंचाया।

भारत की दमदार शुरुआत - भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की। 15वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अमित रोहिदास ने शानदार हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन हाफटाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा।

जुगराज की ड्रैग फ्लिक से बढ़त दोगुनी - तीसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 43वें मिनट में जुगराज सिंग ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए स्कोर 2-0 कर दिया। उस समय लग रहा था कि भारत मुकाबला अपने नाम कर लेगा।

ऑस्ट्रेलिया की जबरदस्त वापसी - लेकिन चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। ज्यूल रिनटाला ने 47वें और 56वें मिनट में दो बेहतरीन ड्रैग फ्लिक लगाकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

फ़ीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप 2027 फिर वाइसेनहाउस में होगी

हैम्बर्ग, जर्मनी (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फ़ीडे) और फ्रीस्टाइल शतरंज संगठन के बीच हुए समझौते के अनुसार वर्ष 2027 की फिडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप एक बार फिर जर्मनी के वाइसेनहाउस में आयोजित की जाएगी। वर्ष 2026 में पहली बार आधिकारिक रूप से आयोजित इस प्रतियोगिता की सफलता के बाद इसे उसी स्थल पर दोबारा कराने का निर्णय लिया गया है।महिला फ़ीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप फरवरी 2027 के पहले सप्ताहांत में तीन दिनों तक खेली जाएगी, जबकि ओपन वर्ग की फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप फरवरी के दूसरे सप्ताहांत में आयोजित होगी। दोनों प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर के अनुरूप निर्धारित किया गया है।वर्ष 2026 में मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) ने खिताब जीता है और फाइनल में फैबियानो कारुआना (अमेरिका) को पराजित किया था। दोनों खिलाड़ी 2027 संस्करण के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। तीसरे स्थान पर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान) को भी सीधा प्रवेश मिला है। महिला वर्ग में 2026 के प्रदर्शनी मुकाबले की विजेता बिबिसारा अस्साउबायेवा (कज़ाख़स्तान) ने 2027 महिला विश्व चैम्पियनशिप के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया है।फ़ीडे अध्यक्ष अर्कादी द्वोरकोविच ने कहा कि वाइसेनहाउस में लगातार आयोजन से इस प्रारूप को स्थिरता और संस्थागत मजबूती मिलेगी। आयोजकों के अनुसार यह निर्णय फ्रीस्टाइल शतरंज को विश्व चैम्पियनशिप संरचना में स्थायी पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
क्वालीफिकेशन चक्र का अगला चरण अप्रैल 2026 में जर्मनी में आयोजित होने वाला ग्रेंके फ्रीस्टाइल शतरंज ओपन होगा, जिसे पहली बार आधिकारिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता का दर्जा दिया गया है। देखना होगा की क्या भारत से कोई खिलाड़ी अगले वर्ष विश्व खिताब की दौड़ में शामिल होगा ।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

जम्मू-कश्मीर के सामने स्टार खिलाड़ियों से सजी कर्नाटक की बड़ी चुनौती

हब्बल्ली (एजेंसी)। 67 साल के इतिहास में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू-कश्मीर की टीम की कहानी संघर्ष और जुनून से भरी है। लेकिन खिताब जीतने के लिए उसे आठ बार की चैंपियन कर्नाटक क्रिकेट टीम के खिलाफ बड़ा चमत्कार करना होगा। मुकाबला मंगलवार से केएससीए स्टेडियम में शुरू होगा।

कर्नाटक क्यों है प्रबल दावेदार?

कर्नाटक को फेवरेट सिर्फ उसके इतिहास की वजह से नहीं माना जा रहा, बल्कि इस सीजन में उसके लगातार शानदार प्रदर्शन ने यह तमगा दिलाया है। राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ धीमी शुरुआत के बाद टीम ने शानदार वापसी की।

जम्मू-कश्मीर की गेंदबाजी बनेगी असली परीक्षा - जम्मू एण्ड कश्मीर क्रिकेट टीम के लिए सबसे बड़ी ताकत उनकी गेंदबाजी है, जिसकी अगुवाई तेज गेंदबाज आकिब नबी कर रहे हैं। उन्होंने इस सीजन में 55 विकेट लिए हैं। शुरुआती दिनों में पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है, जो मुकाबले को रोचक बना सकती है।

- **कर्नाटक की गेंदबाजी भी कम नहीं -** कर्नाटक की गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा कर रहे हैं। उनके साथ विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, व्यासख विजयकुमार और शिखर शेट्टी ने भी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है।
- **श्रेयस गोपाल - टीम के संकटमोचक -** इस सीजन में एक खिलाड़ी सबसे अलग नजर आए हैं श्रेयल गोपाल लेग स्पिनर गोपाल ने 46 विकेट लेने के साथ 442 रन भी बनाए हैं। ऑलराउंड प्रदर्शन से उन्होंने कई मौकों पर टीम को मुश्किल से उबारा है। पूर्व कप्तान आर विनय कुमार ने भी उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है।
- **बड़े मैच का अनुभव कर्नाटक के पास -** राहुल, करुण, श्रेयस और मयंक 2013-14 और 2014-15 में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। बड़े मैचों का अनुभव कर्नाटक के लिए बड़ा प्लस प्वाइंट है। वहीं जम्मू-कश्मीर के पास कप्तान पारस डोगरा का अनुभव है।

कतर ओपन 2026- कार्लोस अल्काराज ने 50 मिनट में जीता खिताब

दोहा (एजेंसी)। विश्व नंबर एक टेनिस स्टार कार्लेस अल्काराज ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला महज 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ पूरी तरह हावी रहे।

2026 में जीत का अटूट सिलसिला - इस जीत के साथ ही अल्काराज़ ने 2026 में लगातार 12 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। इससे पहले वह इस साल आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था और चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के महज 20 दिन बाद उन्होंने दोहा में एक और ट्रॉफी जोड़ ली।

टूर खिताबों की संख्या पहुंची 26 - दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज़ के करियर के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या अब 26 हो गई है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक सर्विस, सटीक ग्राउंड

स्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया, जिससे फिल्स को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

अल्काराज़ ने क्या कहा - खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत शानदार रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बरकरार रखना चाहता हूं।

टी-20 वर्ल्ड कप

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड, ऐसा है पिछले 5 मैचों का परफॉर्मेंस

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के अपने-अपने दूसरे सुपर एट्स मुकाबले में स्पिन के दबदबे वाले मैच के लिए तैयार हैं। पिच से स्लो बॉलर्स को मदद मिलने की उम्मीद है। 2022 के चैंपियन इंग्लैंड ने अभी तक अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखाई है, लेकिन सुपर 8 में वह अब तक हारा नहीं है। डिफेंडिंग टीम ने श्रीलंका पर 51 रन की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। इस जीत से उनके नेट रन रेट में काफी सुधार हुआ और वे ग्रुप स्टैंडिंग में टॉप पर पहुंच गए।

इंग्लैंड को कंडीशंस की जानकारी होने का भी फायदा है। उन्होंने हाल ही में इस महीने की शुरुआत में इसी जगह पर तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और इससे पहले उन्होंने हाल ही में खत्म हुए सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। इस बीच पाकिस्तान अलग-अलग तरह के स्पिन अटैक के साथ पिच के धीमे नेचर का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। टीम के पास उस्मान तारिक का शानदार मिस्ट्री स्पिन है जिसे सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे टैलेंटेड गेंदबाज़ों का साथ मिला है।

कुल मिलाकर पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बैटिंग लाइनअप के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण यह मुकाबला एक टैक्टिकल लड़ाई होने की उम्मीद है, जिसमें स्पिन की महारत नतीजा तय कर सकती है।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

कुल मैच - 31
इंग्लैंड - 21 जीत
पाकिस्तान - 9 जीत
कोई नतीजा नहीं - एक

पिछले 5 मैचों में दोनों टीमों का प्रदर्शन

इंग्लैंड - 4 जीत
पाकिस्तान - 3 जीत

टीम

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान - सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।